राष्ट्रीय हिंदी मासिक पत्रिका

SM

स्वर्णिम मुंबई

दिसंबर - 2024

मूल्य ₹ 50/-

RNI NO. : MAHHIN-2014/55532

देवेंद्र फडणवीस की तीसरी पारी

महाराष्ट्र में सीएम पर सस्पेंस खत्म

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले

जल है।
तो कल है।
पृथ्वी के सतह पर दो-तिहाई
जल है, लेकिन 0.002% ही
ताजा जल है पृथ्वी पर।
ताजा जल
अपशिष्ट
ना करें

Save Water !

राष्ट्रीय हिंदी मासिक पत्रिका

स्वर्णिम मुंबई

• वर्ष : 9 • अंकः 09 • मुंबई • दिसंबर-2024

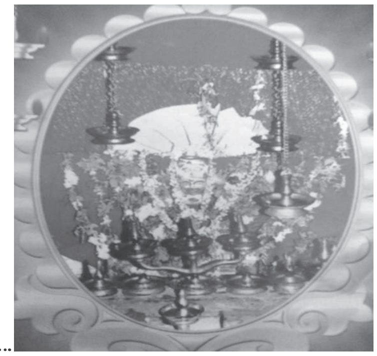

मुद्रक-प्रकाशक,संपादक

नटराजन बालसुब्रमणियम

कार्यकारी संपादक

मंगला नटराजन अय्यर

उप संपादक

भाग्यश्री कानडे, तोषिर शुक्ला, संतोषी मिश्रा, एन.निधी

ब्यूरो चीफ

ओडिशाः अशोक पाण्डेय
उत्तर प्रदेशः विजय दूबे
पटनाः राय यशेन्द्र प्रसाद

टंकन व पृष्ठ सज्जा

ज्योति पुजारी, सोमेश

मार्केटिंग मैनेजमेंट

राजेश अय्यर, शैफाली

संपादकीय कार्यालय

Add: Tirupati Ashish CHS., A-102, A-1 Wing, Near Shahad Station, Kalyan (W), Dist: Thane, PIN: 421103, Maharashtra.
Phone: 9082391833, 9820820147
E-mail: swarnim_mumbai@yahoo.in, mangsom@rediffmail.com
Website: swarnimumbai.com

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक व संपादक : बी. नटराजन द्वारा तिरुपति को. ऑप, हॉसिंग सोसायटी, ए-१ विंग १०२, नियर शहाड स्टेशन, कल्याण (वेस्ट)-४२११०३, जिलाः ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित व *महेश प्रिन्टर्स, बिरला कॉलेज, कल्याण से मुद्रित।*

RNI NO. : MAHHIN-2014/55532

सभी विवादों का निपटारा मुंबई न्यायालय होगा।

इस अंक में...

तीसरी बार CM बने देवेंद्र फडणवीस	05
बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार	10
पकवान	18
आईपीएल नीलामी २०२५	20
राशिफल	24
आस्था, इतिहास और वास्तुकला का अद्भुत संगमः महालक्ष्मी मंदिर	26
सिनेमा	29
कीम्स ने भारत में स्वास्थ्य सेवा को फिर से परिभाषित करने के लिए ...	30
कीस डीम्ड विश्वविद्यालय का चौथा वार्षिक दीक्षांत समारोह आयोजित	32
महान् शिक्षाविद् प्रो.अच्युत सामंत का वास्तविक जीवन- दर्शन ...	33
हेमंत सोरेन की चौथी पारी	34
सूरत में १४ फर्जी डॉक्टर गिरफ्तारः ₹७० हजार में डिग्री देने वाले	40
'आखरी दीया'	44
शरणागत	46
सरसोन की खेती	56

सुविचारः

लोहे को कोई भी नष्ट नहीं कर सकता, लेकिन इसकी खुद की ही जंग इसे नष्ट कर देती है। इसी प्रकार एक व्यक्ति को कोई भी नष्ट नहीं कर सकता है, लेकिन खुद की मानसिकता उसे बर्बाद कर सकती है। - रतन टाटा

संपादकीय

जामा मस्जिद विवाद

हाल ही में उत्तर प्रदेश के संभल जिले में स्थित जामा मस्जिद एक विवाद का केंद्र बन गई है। यह मामला तब शुरू हुआ जब कुछ स्थानीय संगठनों ने मस्जिद के निर्माण और उसकी ऐतिहासिक पृष्ठ भूमि को लेकर सवाल उठाए। इस विवाद ने न केवल स्थानीय बल्कि राज्यस्तरीय और राष्ट्रीय स्तर पर भी ध्यान आकर्षित किया है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के मुस्लिम बहुल शहर संभल के केंद्र में एक ऊंचे टीले पर बनी शाही जामा मस्जिद आस-पास की सबसे बड़ी इमारत है. मस्जिद के मुख्य द्वार के सामने अधिकतर हिंदू लोग रहते हैं जबकि इसकी पिछली दीवार के चारों तरफ मुसलमान आबादी है. अब यहां भारी संख्या में पुलिस बल तैनात है और मस्जिद के पास लोगों को आने से रोका जा रहा है. हालांकि, मस्जिद में तय वक़्त पर नमाज़ हो रही है. सदियों पुरानी ये मस्जिद अब एक क़ानूनी विवाद के केंद्र में आ गई है. दरअसल, इस शाही जामा मस्जिद के हिंदू मंदिर होने का दावा कर अदालत में वाद दायर किया गया है, जिसके बाद इस धर्मस्थल को लेकर क़ानूनी विवाद पैदा हो गया है.

मस्जिद का दोबारा सर्वेक्षण करने के दौरान हंगामा और जमकर पथराव किया गया। पुलिस के कई वाहन फूंक डाले गए। पुलिस ने भीड़ को नियंत्रित करने के लिए आंसू गैस के गोले दागे और लाठीचार्ज किया। इस बीच हालात पर काबू पाने के लिए एसपी संभल, कृष्ण बिश्नोई सड़क पर उतर आए। एक वीडियो में वह भीड़ में शामिल उपद्रवियों को समझाते हुए नजर आए। वह उनसे कह रहे हैं कि बेटा आपका भविष्य बहुत अच्छा है, नेताओं के चक्कर में अपना भविष्य बर्बाद मत करो। वीडियो में दिख रहा है कि एसपी उपद्रवियों को समझा रहे हैं और पास में सड़क पर कई हजार ईंट-पत्थर पड़े हैं। उसी से उठाकर भीड़ ईंट फेंकती रही। बाद में कप्तान खुद भीड़ की तरफ बढ़े। बता दें कि रविवार सुबह करीब छह बजे संभल के डीएम डॉ. राजेंद्र पैंसिया और एसपी कृष्ण कुमार विश्नोई के साथ एक सर्वे टीम जामा मस्जिद पहुंची। इस दौरान कोर्ट कमिश्नर रमेश राघव की अगुवाई में मस्जिद का सर्वे शुरू हुआ। जैसे ही मस्जिद पर सर्वे की जानकारी स्थानीय लोगों को मिली, मुस्लिम समुदाय के लोग बड़ी संख्या में मस्जिद के बाहर जमा हो गए। मुस्लिम समाज के लोगों ने सुबह-सुबह छुट्टी के दिन सर्वे पर आपत्ति जताई। जल्द ही मस्जिद के बाहर बड़ी संख्या में लोग इकट्ठा हो गए और नाराज भीड़ ने पुलिस को रोकने का प्रयास किया। पुलिस के समझाने के बावजूद भीड़ ने हंगामा शुरू कर दिया।

ये वाद मंगलवार को ही दायर हुआ और इसी दिन शाम को एडवोकेट कमिश्नर ने पुलिस और प्रशासन की मौजूदगी में मस्जिद का सर्वे किया. पूरी कार्रवाई की तस्वीरें ली गई हैं और वीडियो भी बनाए गए हैं. वहीं, मस्जिद समिति का कहना है कि उन्हें वाद दायर होने की कोई जानकारी नहीं मिली थी और अदालत के आदेश के बाद ही ज़िला पुलिस और प्रशासन की तरफ़ से सर्वे को लेकर जानकारी दी गई.

जामा मस्जिद, जो संभल शहर के बीचोंबीच स्थित है, लगभग ५०० साल पुरानी बताई जाती है। इसके निर्माण का श्रेय दिल्ली सल्तनत और मुग़ल साम्राज्य के समय के शासकों को दिया जाता है। हालांकि, हाल ही में कुछ संगठनों ने दावा किया है कि मस्जिद जिस स्थान पर बनी है, वह पहले एक प्राचीन मंदिर था। इस विवाद ने तब जोर पकड़ा जब स्थानीय प्रशासन ने मस्जिद के निर्माण से जुड़े दस्तावेज़ों की जांच शुरू की। इस प्रक्रिया में यह जानने की कोशिश की जा रही है कि क्या मस्जिद का निर्माण कानूनन सही तरीके से हुआ था या नहीं। दूसरी ओर, मुस्लिम समुदाय के नेताओं का कहना है कि मस्जिद का इतिहास सदियों पुराना है और इसे किसी भी तरह से तोड़-मरोड़ कर पेश करना अनुचित है। इस विवाद के चलते इलाके में सांप्रदायिक तनाव बढ़ गया है। हालांकि, स्थानीय प्रशासन और पुलिस ने स्थिति को नियंत्रण में रखने के लिए सख्त सुरक्षा प्रबंध किए हैं। धार्मिक संगठनों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने दोनों पक्षों से शांति बनाए रखने की अपील की है।

इतिहासकारों और पुरातत्वविदों का मानना है कि इस मामले को सुलझाने के लिए निष्पक्ष जांच आवश्यक है। दस्तावेज़ों और पुरातात्विक साक्ष्यों के आधार पर ही यह तय किया जा सकता है कि मस्जिद का निर्माण कैसे और कब हुआ था। इसके अलावा, कुछ विशेषज्ञों का यह भी मानना है कि इस विवाद को केवल धार्मिक दृष्टिकोण से नहीं देखना चाहिए, बल्कि इसे एक ऐतिहासिक और कानूनी विषय के रूप में लिया जाना चाहिए। इस मामले में न्यायाल य का हस्तक्षेप भी महत्वपूर्ण है।

अब तक प्राप्त जानकारी के अनुसार, स्थानीय कोर्ट में इस विवाद से संबंधित याचिका दायर की जा चुकी है। यह देखना दिलचस्प होगा कि न्यायालय इस मामले में क्या फैसला सुनाती है। सुप्रीम कोर्ट तक यह मामला जाने की संभावना भी है, जो इसे और अधिक जटिल बना सकता है। इस विवाद ने राजनीतिक क्षेत्र में भी हलचल मचा दी है। विभिन्न राजनीतिक दलों ने इस मुद्दे पर अपनी-अपनी प्रतिक्रियाएं दी हैं। कुछ दल इसे सांस्कृतिक विरासत का सवाल बता रहे हैं, जबकि अन्य इसे चुनावी राजनीति से जोड़ रहे हैं। राजनीतिक हस्तक्षेप ने मामले को और अधिक संवेदनशील बना दिया है।

जामा मस्जिद विवाद केवल एक धार्मिक स्थल का मुद्दा नहीं है, बल्कि यह हमारी सांस्कृतिक और ऐतिहासिक धरोहर को लेकर समाज की सोच का भी प्रतीक है। ऐसे मामलों में सभी पक्षों को मिल कर सौहार्दपूर्ण समाधान निकालने की कोशिश करनी चाहिए। साथ ही, सरकार और प्रशासन को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि इस तरह के विवाद से सामाजिक ताना-बाना न बिगड़े और सभी समुदायों के बीच विश्वास बना रहे। ■

महाराष्ट्र में सीएम पर सस्पेंस खत्म

तीसरी बार CM बने देवेंद्र फडणवीस

महाराष्ट्र में पिछले कई दिनों से चल रही सियासी गहमागहमी के बीच गुरूवार (५ दिसंबर) को महायुति गठबंधन की नई सरकार बन गई. दक्षिण मुंबई के आजाद मैदान में एक भव्य समारोह में देवेंद्र फडणवीस ने मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ ली. इसके साथ ही नई सरकार में फिर से दो डिप्टी सीएम बनाए गए हैं. शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे और एनसीपी प्रमुख अजित पवार को डिप्टी सीएम की जिम्मेदारी मिली है.

महाराष्ट्र के राज्यपाल सी.पी. राधाकृष्णन ने देवेंद्र फडणवीस, एकनाथ शिंदे और अजित पवार को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई. देवेंद्र फडणवीस ने तीसरी बार सीएम के तौर पर प्रदेश की कमान संभाली है. इससे पहले वाली सरकार में एकनाथ शिंदे मुख्यमंत्री थे जबकि बीजेपी नेता देवेंद्र फडणवीस और एनसीपी के अध्यक्ष अजित पवार डिप्टी सीएम की जिम्मेदारी संभाल रहे थे. अब नई सरकार में नेतृत्व बदल गया है.

मुंबई के आजाद मैदान में आयोजित शपथग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ कई केंद्रीय मंत्री, महायुति गठबंधन के कई वरिष्ठ नेता और कई राज्यों के सीएम और डिप्टी सीएम ने भी शिरकत की. नाराजगी की अटकलों के बीच अंतिम वक्त में शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे ने डिप्टी सीएम पद स्वीकार करते हुए शपथ ली.देवेंद्र फडणवीस को बुधवार (४ दिसंबर) को सर्वसम्मति से बीजेपी विधायक दल का नेता चुना गया था. इसके तुरंत बाद सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन के एक प्रतिनिधिमंडल ने राजभवन में राज्यपाल से मुलाकात की. इसमें देवेंद्र फडणवीस, एकनाथ शिंदे और अजित पवार मौजूद रहे और गठबंधन का समर्थन पत्र राज्यपाल को सौंपा.

विधान भवन में आयोजित विधायक दल की बैठक में गुजरात के पूर्व CM और बीजेपी के केंद्रीय पर्यवेक्षक विजय रूपाणी ने घोषणा की कि देवेंद्र फडणवीस को सर्वसम्मति से बीजेपी विधायक दल का नेता चुना गया. महाराष्ट्र में एक ही फेज में २० नवंबर को विधानसभा चुनाव के लिए वोटिंग हुई थी जबकि २३ नवंबर को चुनाव के परिणाम आए थे. महायुति गठबंधन को राज्य की कुल २८८ विधानसभा सीटों में से २३० सीटों पर शानदार जीत मिली.

एकनाथ शिंदे-अजित पवार ने डिप्टी सीएम पद की शपथ ली

महाराष्ट्र में पिछले कई दिनों से चल रही सियासी गहमागहमी के बीच गुरूवार (५ दिसंबर) को महायुति गठबंधन की नई सरकार बन गई. दक्षिण मुंबई के आजाद मैदान में एक भव्य समारोह में देवेंद्र फडणवीस ने मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ ली. इसके साथ ही नई सरकार में फिर से दो डिप्टी सीएम बनाए गए हैं. शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे और एनसीपी प्रमुख अजित पवार को डिप्टी सीएम की जिम्मेदारी मिली है. महाराष्ट्र के राज्यपाल सी.पी. राधाकृष्णन ने देवेंद्र फडणवीस, एकनाथ शिंदे और अजित पवार को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई.

५४ साल के देवेंद्र फडणवीस तीसरी बार महाराष्ट्र के सीएम बने हैं। वह एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली महायुति सरकार में उपमुख्यमंत्री रहे हैं। देवेंद्र फडणवीस महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री और प्रदेश इकाई के अध्यक्ष भी रह चुके हैं। १९९९ में उनकी महाराष्ट्र विधानसभा में बतौर विधायक एंट्री हुई थी। १९९९ और २००४ में फडणवीस नागपुर पश्चिम सीट से चुनाव जीते। परिसीमन के बाद जब नागपुर दक्षिण-पश्चिम विधानसभा सीट बनी तो फडणवीस ने यहां से चुनाव लड़ा और फिर विधायक बने। २००९ के बाद २०१४ में भी देवेंद्र फडणवीस इसी सीट से भाजपा के उम्मीदवार बने और जीते भी। इस जीत के बाद देवेंद्र फडणवीस महाराष्ट्र के १८वें मुख्यमंत्री बने।

२०१९ के महाराष्ट्र चुनाव में भी देवेंद्र फडणवीस ने नागपुर दक्षिण-पश्चिम सीट से अपनी किस्मत आजमाई। इस चुनाव में उन्होंने कांग्रेस के डॉ. आशीष देशमुख को ४९,३४४ वोट से हराया। इस बार देवेंद्र फडणवीस ने कांग्रेस के प्रफुल्ल विनोद गुडाधे (पाटिल) को हराया और लगातार छठी बार विधायक बने। महाराष्ट्र में नई सरकार के शपथ ग्रहण के बाद महायुति सरकार की पहली कैबिनेट बैठक आयोजित हुई। वहीं इस बैठक के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि, इस बार टेस्ट मैच जैसी पारी होगी। हम महाराष्ट्र को हर क्षेत्र में आगे ले जाएंगे। इसके साथ ही राज्य सरकार ने लाडली बहन योजना की धनराशि में बढ़ोतरी की है। सीएम फडणवीस ने एलान करते हुए कहा कि लाडली बहन योजना में अभी १५०० रुपये दे रहे हैं, इसे बढ़ाकर २१०० रुपये करेंगे। हालांकि इसमें बढ़ोतरी कब से की जाएगी उन्होंने इसकी जानकारी नहीं दी। लेकिन कहा कि, हम आर्थिक स्रोत मजबूत करेंगे, फिर इसे बढ़ाएंगे।

प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने साफ कहा, राज्य के कैबिनेट में ज्यादा बदलाव नहीं होगा। जबकि ७, ८ और ९ दिसंबर को महाराष्ट्र विधानसभा का विशेष सत्र होगा। ९ दिसंबर को विधानसभा अध्यक्ष का चुनाव होगा मंत्रिमंडल तय हो चुका है। शीतकालीन सत्र से पहले सभी मंत्रियों की शपथ कराकर पोर्टफोलिया बांट दिए जाएंगे। उन्होंने कहा- सबको साथ लेकर चलने वाली सरकार आपको देखने मिलेगी, अगर समस्याएं आएंगी तो हम लोग मिलकर रास्ता निकालकर महाराष्ट्र को आगे बढ़ाएंगे।

सीएम देवेंद्र फडणवीस ने आगे कहा, पिछले २.५ सालों में हमने महाराष्ट्र के विकास के लिए काम किया है और यहां से भी हम महाराष्ट्र के विकास के लि ए काम करेंगे और हम अब नहीं रुकेंगे, दिशा और गति वही है, केवल हमारी भूमिकाएं बदल गई हैं। हम महाराष्ट्र की बेहतरी के लिए फैसले लेंगे। हम उन कामों को पूरा करना चाहते हैं जिनका जिक्र हमने अपने घोषणापत्र में किया था।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा, 'मैं नहीं मानता कि (सरकार बनाने में) कोई देरी हुई है...हमें समझना होगा कि जब गठबंधन सरकार होती है तो कई फैसले लेने पड़ते हैं। गठबंधन की सरकार में बहुत बड़े पैमाने पर परामर्श करने पड़ते हैं और वो परामर्श हमने किया वहीं अपने पहले फैसले में सीएम देवेंद्र फडणवीस ने अस्थि मज्जा प्रत्यारोपण का इंतजार कर रहे मरीज के लिए सहायता को मंजूरी दी है।

बता दें कि, पदभार संभालने के बाद अपनी पहली फाइल पर हस्ताक्षर करते हुए महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने गुरुवार को अस्थि मज्जा प्रत्यारोपण की प्रतीक्षा कर रहे एक मरीज के लिए पांच लाख रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। जानकारी के मुताबिक, पुणे में रहने वाले चंद्रकांत कुर्हाड़े की पत्नी ने अपने पति के इलाज के लिए मुख्यमंत्री राहत कोष से मदद मांगी थी। मुख्यमंत्री ने पहली कैबिनेट बैठक की अध्यक्षता करने से पहले फाइल पर अपने हस्ताक्षर किए।

शपथग्रहण समारोह में PM समेत कई नेता शामिल

शपथ ग्रहण समारोह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में ५ दिसंबर को शाम ५ बजे मुंबई के आजाद मैदान में...

गृह और वित्त मंत्रालय पर बात अटकी

महाराष्ट्र में CM के शपथ ग्रहण की तारीख तय हो चुकी है। मगर मुख्यमंत्री कौन बनेगा इसका ऐलान बाकी है। शपथ ग्रहण समारोह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में ५ दिसंबर को शाम ५ बजे मुंबई के आजाद मैदान में होगा।

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव का रिजल्ट आए सप्ताह से ऊपर दिन बीत चुके हैं। भाजपा, शिवसेना शिंदे और NCP अजित पवार गुट यानी महायुति ने २८८ में से २३० सीटें जीतीं, लेकिन अब तक सीएम फेस पर सस्पेंस बना हुआ है। इस बीच डिप्टी सीएम अजीत पवार ने कहा- महाराष्ट्र में सीएम भाजपा से ही होगा। यह फैसला दिल्ली में महायुति की बैठक में लिया गया। शिवसेना और एनसीपी के डिप्टी सीएम होंगे। उन्होंने कहा- यह पहली बार नहीं है कि सरकार बनने में देरी हुई है। १९९९ में सरकार गठन में एक महीने का समय लगा था।

उधर, भाजपा के एक वरिष्ठ नेता ने भास्कर को बताया कि संघ से हरी झंडी मिलने के बाद CM पद के लिए देवेंद्र फडणवीस का नाम फाइनल कर दिया गया है। शपथ ग्रहण ५ दिसंबर को शाम ५ बजे मुंबई के आजाद मैदान में होगा। पीएम मोदी भी समारोह में मौजूद रहेंगे। इस बीच, भाजपा विधायक दल की बैठक भी दो दिन आगे बढ़ गई है। सूत्रों के मुताबिक, १ दिसंबर को होने वाली बैठक अब ३ दिसंबर को होगी। इस दिन दिल्ली से दो ऑब्जर्वर मुंबई आएंगे और विधायकों से चर्चा के बाद आधिकारिक रूप से CM फेस अनाउंस करेंगे।

सूत्रों के मुताबिक, एकनाथ शिंदे डिप्टी CM का पद लेने को तैयार हैं, लेकिन गृह मंत्रालय पर अड़े हुए हैं। २९ नवंबर को शिंदे दिल्ली में गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात के बाद मुंबई लौटे और सभी कार्यक्रम रद्द कर अपने गांव सातारा निकल गए। गांव में उनकी तबीयत बिगड़ गई है। मुंबई से डॉक्टरों की टीम पहुंची है। शिंदे सरकार में गृह मंत्रालय देवेंद्र फडणवीस और वित्त मंत्रालय अजित पवार के पास था।

शिंदे सरकार में डिप्टी CM देवेंद्र फडणवीस के पास ही गृह मंत्रालय था। वो इस मंत्रालय को छोड़ना नहीं चाहते हैं। वहीं शिंदे गुट का तर्क है कि अगर डिप्टी CM का पद हमें मिल रहा है तो गृह मंत्रालय भी उन्हें ही मिलना चाहिए। शाह के साथ बैठक में भी इसका हल नहीं निकल पाया। पहले गृह मंत्रालय देवेन्द्र फड़णवीस के पास था। माना जा रहा है कि इस विवाद के चलते शाह की बैठक में कैबिनेट गठन पर कोई समाधान नहीं निकल सका। एक्सपर्ट्स भी मानते हैं कि बीजेपी गृह मंत्री का पद कभी हाथ से नहीं जाने देगी। सूत्रों के मुताबिक, शाह से चर्चा के बाद भी विभागों को लेकर गठबंधन में खींचतान मची हुई है। भाजपा गृह, राजस्व, उच्च शिक्षा, कानून, ऊर्जा, ग्रामीण विकास अपने पास रखना चाहती है।

१. २३ नवंबरः महाराष्ट्र विधानसभा का रिजल्ट आया। महायुति को २३० सीटों पर जीत हासिल हुई। शिंदे बोले थे- CM तीनों पार्टियां मिलकर तय करेंगी।
२. २५ नवंबरः १ मुख्यमंत्री और २ डिप्टी CM का फॉर्मूला तय हुआ। महायुति की पार्टियों में हर ६-७ विधायक पर एक मंत्री पद के फॉर्मूला की बात सामने आई।
३. २७ नवंबरः ठाणे में कार्यवाहक सीएम एकनाथ शिंदे ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा कि भाजपा का सीएम हमें मंजूर है। मुझे पद की लालसा नहीं।
४. २८ नवंबरः एकनाथ शिंदे, देवेंद्र फडणवीस और अजित पवार ने दिल्ली में करीब ढाई घंटे तक गृहमंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा के साथ मीटिंग की।
५. शिंदे ने आधे घंटे तक शाह से अकेले मुलाकात की। हाईकमान ने शिंदे को डिप्टी सीएम या केंद्र में मंत्री पद का ऑफर किया है।
६. २९ नवंबरः महायुति (भाजपा+शिवसेना शिंदे गुट+NCP अजित पवार) की बैठक टाल दी गई। एकनाथ शिंदे अचानक सातारा चले गए।
७. शिवसेना मुख्यमंत्री पद के बदले गृह और वित्त मंत्रालय मांग रही है। शिवसेना नेता संजय शिरसाट ने कहा- अगर शिंदे डिप्टी सीएम का पद स्वीकार नहीं करते हैं तो पार्टी से ही दूसरा चेहरा ये पद संभालेगा।

उन्होंने शिवसेना को हेल्थ, शहरी विकास, सार्वजनिक कार्य, उद्योग ऑफर किया है। वहीं NCP अजित गुट को वित्त, योजना, सहयोग, कृषि जैसे विभाग देने की पेशकश की है।

शिवसेना विधायक बोले- शिंदे को बड़े फैसले लेने गांव जाते हैं इस बीच शिवसेना विधायक संजय शिरसाट ने कहा- शिंदे को जब भी कोई बड़ा फैसला लेना होता है तो वे अपने पैतृक गांव चले जाते हैं। इससे पहले शिरसाट ने कहा था कि मुझे नहीं लगता कि शिंदे डिप्टी CM का पद स्वीकार करेंगे।

शिवसेना के कुछ नेताओं का कहना है कि महायुति

को इतनी बड़ी जीत शिंदे की अगुआई में मिली, इसलिए बिहार की तर्ज पर उन्हें मुख्यमंत्री होना चाहिए। बिहार में जदयू की कम सीटें हैं फिर भी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार हैं। वहीं, पार्टी के कुछ नेताओं का मानना है कि शिंदे को डिप्टी CM बनना चाहिए।

देवेंद्र फडणवीस, एकनाथ शिंदे और अजित पवार, NCP सांसद प्रफुल्ल पटेल और सुनील तटकरे ने गुरुवार को गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात की।

महाराष्ट्र कैबिनेट का फॉर्मूला क्या होगा नई सरकार में CM और दो डिप्टी CM के साथ ४३ मंत्री शामिल होंगे। इनमें भाजपा को २०-२३, शिंदे गुट को ११ और अजित गुट को ९ मंत्री पद मिलने की संभावना है। इससे पहले शिंदे सरकार में २८ मंत्री थे और शिंदे के पास सबसे ज्यादा ११, भाजपा के पास ९ और अजित पवार गुट के पास ८ मंत्री थे। इस समय भाजपा विधायकों की संख्या ज्यादा होने से मंत्रियों की संख्या भी बढ़ेगी।

इसके अलावा नाराज एकनाथ शिंदे को मनाने के लिए भाजपा ने उन्हें केंद्र में एक मंत्री पद ऑफर किया है। उनके बेटे श्रीकांत या पार्टी के किसी वरिष्ठ नेता को मोदी कैबिनेट में जगह मिल सकती है। इसके अलावा चर्चा इस बात की भी है कि अजित गुट की मोदी कैबिनेट में एक सीट खाली है। प्रफुल्ल पटेल मंत्री बन सकते हैं।

सूत्रों के मुताबिक, एकनाथ शिंदे डिप्टी CM का पद लेने को तैयार हैं, लेकिन गृह मंत्रालय पर अड़े हुए हैं। २९ नवंबर को शिंदे दिल्ली में गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात के बाद मुंबई लौटे और सभी कार्यक्रम रद्द कर अपने गांव सातारा निकल गए। गांव में उनकी तबीयत बिगड़ गई है। मुंबई से डॉक्टरों की टीम पहुंची है। शिंदे सरकार में गृह मंत्रालय देवेंद्र फडणवीस और वित्त मंत्रालय अजित पवार के पास था। शिंदे सरकार में डिप्टी CM देवेंद्र फडणवीस के पास ही गृह मंत्रालय था। वो इस मंत्रालय को छोड़ना नहीं चाहते हैं। वहीं शिंदे गुट का तर्क है कि अगर डिप्टी CM का पद हमें मिल रहा है तो गृह मंत्रालय भी उन्हें ही मिलना चाहिए। शाह के साथ बैठक में भी इसका हल नहीं निकल पाया। पहले गृह मंत्रालय देवेन्द्र फड़णवीस के पास था। माना जा रहा है कि इस विवाद के चलते शाह की बैठक में कैबिनेट गठन पर कोई समाधान नहीं निकल सका। एक्सपर्ट्स भी मानते हैं कि बीजेपी गृह मंत्री का पद कभी हाथ से नहीं जाने देगी।

महाराष्ट्र के विधानसभा चुनाव के रिजल्ट आने के बाद अब साफ हो गया है कि राज्य में महायुति की सरकार बनेगी। महायुति से CM पद के उम्मीदवार की अभी तक घोषणा नहीं हुई है।

विधानसभा का कार्यकाल २६ नवंबर को खत्म हो रहा है, इसलिए इससे पहले सरकार गठित होनी है। ऐसा न होने पर राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाना पड़ेगा। सूत्रों के मुताबिक, १ मुख्यमंत्री और २ डिप्टी CM का फॉर्मूला तय हुआ है। महायुति की पार्टियों में हर ६-७ विधायक पर एक मंत्री पद का फॉर्मूला भी फाइनल हुआ है। इस हिसाब से भाजपा के २२-२४, शिंदे गुट के१०-१२ और अजित गुट के ८-१० विधायक मंत्री बन सकते हैं।

CM के नाम के ऐलान के बाद मुंबई, राजभवन में शपथग्रहण समारोह हो सकता है। CM शिंदे ने जीत के बाद कहा था कि चुनाव के पहले तय नहीं था कि जिसकी ज्यादा सीटें होंगी, उसका ही CM बनेगा।

इस चुनाव में मुकाबला ६ बड़ी पार्टियों के दो गठबंधन में था। महायुति में भाजपा, शिवसेना (एकनाथ शिंदे) और एनसीपी (अजित पवार) शामिल हैं, जबकि महा विकास अघाड़ी में कांग्रेस, शिवसेना (उद्धव ठाकरे) और एनसीपी (शरद पवार)।

१४९ सीटों पर लड़ने वाली भाजपा ने सबसे ज्यादा १३२ सीटें जीती हैं। गठबंधन ने २८८ सीटों में से रिकॉर्ड २३० सीटें जीतीं। भाजपा का स्ट्राइक रेट ८८% रहा। कांग्रेस नेतृत्व वाले महा विकास अघाड़ी (MVA) को ४६ सीटें मिलीं।

अमित शाह से मुलाकात में एकनाथ शिंदे ने क्या मांगकर सबको चौंकाया?

महाराष्ट्र में ५ दिसंबर को सरकार के गठन से पहले सीएम के नाम को लेकर अलग-अलग तरह के दावे और अटकलें चल रही हैं. इस बीच यह जानकारी सामने आई है कि कार्यवाहक सीएम एकनाथ शिंदे (Eknath Shinde) ने अमित शाह से मुलाकात में कहा कि उन्हें कम से कम छह महीने के लिए सीएम बना दिया जाए. टीओआई की रिपोर्ट बताती है कि एकनाथ शिंदे ने पिछले सप्ताह दिल्ली में हुई मुलाकात में मांग उठाई थी कि अगर उन्हें फुल टर्म सीएम नहीं बनाया जा सकता है तो कम से कम सरकार के पहले छह महीने उन्हें सीएम बनाया जाए.हालांकि बीजेपी नेतृत्व ने शिंदे की मांग को खारिज कर दिया. उसका कहना है कि इससे गलत उदाहरण पेश होगा. बीजेपी के पदाधिकारियों के हवाले से एक वरिष्ठ नेता ने बताया, ''छह महीने के लिए सीएम बनाने की कोई व्यवस्था नहीं है. यह गलत निर्णय होता और यह प्रशासन पर गलत असर डालता.'' यह मुलाकात २८ नवंबर को हुई थी. इसके एक दिन पहले ही एकनाथ शिंदे ने कहा था कि वह सरकार गठन में रोड़ा नहीं बनेंगे और बीजेपी नेतृत्व को फाइनल मानेंगे.

बताया जा रहा है कि इस मुलाकात में देवेंद्र फडणवीस, एनसीपी अध्यक्ष अजित पवार, प्रफुल्ल पटेल और सुनील तटकरे मौजूद थे. वरिष्ठ नेता के मुताबिक शिंदे ने बीजेपी को लोकसभा चुनाव और विधानसभा चुनाव के दौरान किए वादे की याद दिलाई कि ''अगर गठबंधन को स्पष्ट बहुमत मिलता है तो वह सीएम बने रहेंगे.'' उनकी इस मांग को इस आधार पर खारिज कर दिया कि उन्हें सीएम पद देना सही नहीं होगा जबकि बीजेपी बहुमत के लगभग करीब है.

इसकी जगह शिंदे से कहा गया कि वह खुद को बीजेपी अध्यक्ष की जगह खड़ा होकर देखें. उनसे कहा गया, ''क्या आपको स्पष्ट बहुमत मिलेगा तो क्या आप सीएम पद छोड़ेंगे.'' बताया जा रहा है कि यह सुनकर शिंदे कुछ जवाब नहीं दे पाए.

१० बड़े चेहरे जो हार गए चुनाव

बाबा सिद्दीकी के बेटे जीशान सिद्दीकी को जनता की सहानुभूति नहीं मिल पाई. वह वांद्रे ईस्ट सीट पर शिवसेना-यूबीटी नेता वरुण सतीश सरदेसाई से हार गए हैं. स्वरा भास्कर के पति फहाद अहमद भी विधायक बनने से चूके. स्वरा को अजित पवार की एनसीपी की नेत्री सना मलिक ने हराया है. सना नवाब मलिक की बेटी हैं.सना मलिक जीत गई लेकिन पिता नवाब मलिक चौथे स्थान पर रहे. नवाब मलिक शिवाजी मानखुर्द सीट पर अबू आजमी से हार गए हैं. वह ३० हजार से अधिक वोटों से हारे हैं.

पूर्व सीएम विलासराव देशमुख के बेटे धीरज देशमुख भी चुनाव हार गए. धीरज विलासराव देशमुख को लातूर ग्रामीण सीट पर बीजेपी के रमेश काशीराम कराड ने हराया है.माहिम सीट से राज ठाकरे के बेटे अमित ठाकरे चुनाव हार गए. अमित ठाकरे को शिवसेना-यूबीटी के नेता महेश सावंत ने हराया है. वह १७१५१ वोटों के अंतर से हारे हैं.मुंबादेवी सीट से शिवसेना की शाइना एनसी भी चुनाव हार गई हैं. शाइना एनसी को कांग्रेस के अमीन पटेल ने ३५५०५ वोटों के अंतर से हराया है.

शरद पवार के पोते युगेंद्र पवार बारामती से चुनाव हार गए हैं. उन्हें चाचा अजित पवार ने १००८९९ वोटों के अंतर से हराया है. युगेंद्र को ८०२३३ वोट मिले.

पूर्व सीएम वसंत दादा पाटिल की परिवारिक सदस्य जयश्री पाटिल सांगली से चुनाव हार गई हैं. उन्हें बीजेपी के सुधीरदादा गाडगिल ने हराया है.इस लिस्ट में चौंकाने वाला नाम कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले का भी है. नाना पटोले महज १६०७ वोटों से बीजेपी के अविनाश ब्रह्मानकर से चुनाव हार गए हैं.पूर्व सीएम पृथ्वीराज चव्हाण भी कराड दक्षिण से चुनाव हार गए हैं. उन्हें ३९३५५ वोटों के अंतर से बीजेपी के अतुलबाबा भोसले ने हराया है

हिंसा

बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार

संसद में उठा बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार का मुद्दा, केंद्र सरकार से किया पड़ोसी देश में सुरक्षा के लिए हस्तक्षेप का अनुरोध

बांग्लादेश में हिंदू समुदाय, जो एक अल्पसंख्यक हैं. उन पर हाल के वर्षों में लगातार हमले हुए हैं. यह स्थिति २५ नवंबर को और गंभीर हो गई जब बांग्लादेश सनातन जागरण मंच के प्रवक्ता और पुंडरीक धाम के प्रमुख चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी को ढाका हवाई अड्डे पर पुलिस ने हिरासत में लिया. इस घटना ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ध्यान आकर्षित किया. खासकर ऐसे समय में जब बांग्लादेश की अंतरिम सरकार और मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस पर अल्पसंख्यकों को निशाना बनाने के आरोप लग रहे हैं.

भारत ने सोमवार को अगरतला में बांग्लादेश के सहायक उच्चायोग में परिसर में घुसपैठ की घटना को 'बेहद खेदजनक' बताया और कहा कि किसी भी परिस्थिति में वाणिज्य दूतावास की संपत्तियों को निशाना नहीं बनाया जाना चाहिए। विदेश मंत्रालय (एमईए) की यह टिप्पणी हजारों लोगों की तरफ से बांग्लादेश में हिंदू भिक्षु चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी और अल्पसंख्यकों पर हमलों के विरोध में त्रिपुरा की राजधानी अगरतला में बांग्लादेशी मिशन के आसपास एक विशाल रैली निकालने के कुछ घंटों बाद आई। दरअसल, अगरतला में बांग्लादेशी सहायक उच्चायोग के परिसर में कथित तौर पर ५० से अधिक प्रदर्शनकारियों ने प्रवेश किया, जिससे परिसर में मौजूद लोगों में चिंता पैदा हो गई। मामले में विदेश मंत्रालय ने कहा, अगरतला में बांग्लादेश के सहायक उच्चायोग में परिसर में घुसपैठ की आज की घटना बेहद खेदजनक है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि सरकार नई दिल्ली में बांग्लादेश उच्चायोग और भारत में देश के अन्य मिशनों की सुरक्षा बढ़ाने के लिए कार्रवाई कर रही है।

विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा, सरकार ने कहा, नई दिल्ली में बांग्लादेश उच्चायोग और देश में उनके उप/सहायक उच्चायोगों के लिए सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाने के लिए कार्रवाई कर रही है। भारत ने शुक्रवार को कहा कि बांग्लादेश में अंतरिम सरकार को सभी अल्पसंख्यकों की सुरक्षा की अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए, क्योंकि उसने चरमपंथी बयानबाजी और हिंदुओं के खिलाफ हिंसा की बढ़ती घटनाओं पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। नई दिल्ली ने यह भी उम्मीद जताई कि देशद्रोह के आरोप में गिरफ्तार दास से संबंधित मामले को न्यायसंगत, निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से

निपटाया जाएगा। अगस्त में प्रधानमंत्री शेख हसीना के पद छोड़ने के बाद नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार के सत्ता में आने के बाद भारत और बांग्लादेश के बीच संबंधों में तनाव आ गया था। भारत उस देश में अल्पसंख्यकों, खासकर हिंदुओं पर हमलों को लेकर चिंता व्यक्त करता रहा है। वहीं हजारों लोगों ने सोमवार को त्रिपुरा की राजधानी में एक विशाल रैली निकाली और इस्कॉन नेता चिन्मय कृष्ण दास की तत्काल रिहाई और बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे हमलों को रोकने की मांग की। यह रैली विश्व हिंदू परिषद (विहिप) से संबद्ध हिंदू संघर्ष समिति के बैनर तले बांग्लादेश सहायक उच्चायुक्त कार्यालय के पास निकाली गई।

इस दौरान पत्रकारों से बात करते हुए विहिप के त्रिपुरा चैप्टर के सचिव शंकर रॉय ने कहा, शेख हसीना सरकार के पतन के बाद से ही बांग्लादेश में हिंदू मंदिरों पर हमले हो रहे हैं और हिंदू घरों और व्यवसायों को लूटा जा रहा है। उन्होंने कहा, हाल ही में, इस्कॉन के चिन्मय प्रभु ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों के खिलाफ आवाज उठाई थी तथा उन्हें झूठे आरोपों में गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। हम उनकी बिना शर्त रिहाई चाहते हैं।

भारत के पड़ोसी मुल्क बांग्लादेश में मौजूद जमात-ए-इस्लामी समेत दूसरे इस्लामिक समूह के नेताओं का एक प्रतिनिधिमंडल गुरुवार (२८ नवंबर) को चीन पहुंचा. चीन की कम्युनिस्ट पार्टी (CCP) के न्योते पर १४ लोगों का समूह चीन यात्रा पर गया है. हैरानी की बात ये है कि महज १ महीने की भीतर दूसरा दौरा है, जब बांग्लादेश के जमात-ए-इस्लामी के अलावा खलीफा काउंसिल, इस्लामिक ऑर्डर और खलीफा मूवमेंट के लोग टीन गए हैं. चीन जाने वाले प्रतिनिधिमंडल को जमात-ए-इस्लामी के केंद्रीय नायब-ए-अमीर (उपाध्यक्ष) समेत पूर्व संसद सदस्य सैयद अब्दुल्ला मोहम्मद ताहिर लीड कर रहे हैं. बांग्लादेश के लोकल अखबार डेली स्टार की रिपोर्ट के मुताबिक ये पहली बार है, जब चीन की कम्युनिस्ट पार्टी (ण्इ) के न्योते पर देश का कोई इस्लामिक समूह दौरा कर रहा है. हालांकि, मौजूदा दौरे के बारे में पूर्व संसद सदस्य सैयद अब्दुल्ला मोहम्मद ताहिर ने किसी भी तरह की जानकारी देने से मना कर दिया और सिर्फ इतना कहा कि ये एक महज शिष्टाचार भेंट है. इससे पहले सीपीसी के निमंत्रण पर बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के चार सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने भी चीन का दौरा किया था.२५ नवंबर को बांग्लादेशी इस्लामी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधिमंडल ने चीन की यात्रा की. यह यात्रा उस समय हुई जब चीन ने जमात-ए-इस्लामी और अन्य इस्लामी संगठनों के साथ संबंध मजबूत करने के संकेत दिए. चीन अपने 'वन बेल्ट वन रोड' पहल के तहत बांग्लादेश जैसे देशों के साथ अपने संबंध मजबूत कर रहा है. इस्लामवादी नेताओं की बीजिंग यात्रा से यह संकेत मिलता है कि चीन अब धार्मिक संगठनों के साथ भी संबंध मजबूत कर रहा है.इस बीच जमात-ए-इस्लामी के नेता शफीकुल ने चीन के प्रति अपनी मित्रता को दोहराया. उन्होंने 'एक चीन' नीति के प्रति समर्थन व्यक्त किया और चीन को 'मूल्यवान अवसर' प्रदान करने के लिए धन्यवाद दिया.

हिंसा

इस्कॉन के पुजारी चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी की गिरफ्तारी...

चिन्मय कृष्ण दासः बांग्लादेश का वो संन्यासी जो चार महीने में ही हिंदुओं की मुखर आवाज बन गयाचिन्मय कृष्ण दास को चटगांव में दर्ज देशद्रोह के एक मामले में गिरफ्तार किया गया है. इस्कॉन से जुड़े रहे दास ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार के खिलाफ उस समय से उठाना शुरू किया, जब वहां युवाओं के प्रदर्शन के बाद शेख हसीना को पीएम पद छोड़ना पड़ा था.

बांग्लादेश में हिंदू संत की गिरफ्तारी पर बवाल

बांग्लादेश में इस्कॉन से जुड़े संत चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी का मुद्दा चर्चा में है। हिंदू संत के खिलाफ कार्रवाई के विरोध में बांग्लादेश में अल्पसंख्यक सड़कों पर उतर आए हैं। अब यह मामला भारत में भी गरमा गया है। भारत सरकार लगातार इस मुद्दे पर नजर बनाए हुए है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बांग्लादेश के हालात की जानकारी दी है। इससे पहले विदेश मंत्रालय ने चिन्मय कृष्ण की गिरफ्तारी पर चिंता जताई थी।

चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी के विरोध में भारत में भी प्रदर्शन शुरू हो गए हैं। इस मामले पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा है भारत सरकार यह मामल ा बांग्लादेश के सामने उठाए। बांग्लादेश में इस्कॉन के संत चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी को सोमवार (२५ नवंबर) को देशद्रोह के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया। सोमवार दोपहर को चिन्मय कृष्ण ब्रह्मचारी को ढाका के हजरत शाहजलाल अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा क्षेत्र से गिरफ्तार किया था। बांग्लादेशी अधिकारियों का दावा है कि चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी ३० अक्तूबर को उनके खिलाफ दर्ज मामले में की गई। दरअसल, २५ अक्तूबर को चिन्मय और १८ अन्य ल ोगों पर चटगांव के न्यू मार्केट चौराहे पर बांग्लादेश के राष्ट्रीय ध्वज के ऊपर भगवा झंडा फहराने का आरोप लगा था। वहीं ३० अक्टूबर की रात को कोतवाल ी थाने में चिन्मय और १८ अन्य लोगों के खिलाफ

देशद्रोह के तहत मामला दर्ज किया गया था।

चिन्मय कृष्ण दास, जिन्हें ब्रह्मचारी चंदन कुमार धर, सनातन जागरण मंच के प्रवक्ता और चटगांव इस्कॉन के नेता हैं। इस्कॉन चटगांव के मुताबिक, ३७ साल के चिन्मय कृष्ण चटगांव के सतकानिया उपजिला से हैं। वे अपने धार्मिक भाषणों के लिए जाने जाते हैं। चिन्मय कृष्ण दास इसी साल अगस्त में बांग्लादेश में हुए सत्ता परिवर्तन के बाद सुर्खियों में आए थे। दरअसल, ५ अगस्त २०२४ को बांग्लादेश में जारी हिंसा के बीच प्रधानमंत्री शेख हसीना ने देश छोड़ दिया था। देश में सत्ता परिवर्तन होने के साथ ही बड़े पैमाने पर हिंदू घरों और मंदिरों में तोड़फोड़ की गई। इसके जवाब में सनातन जागरण मंच शुरू किया गया और चिन्मय दास को इसका प्रवक्ता नियुक्त किया गया।

बांग्लादेश में फैली अशांति के बीच हिंदुओं के खिलाफ हो रही हिंसा को लेकर इस मंच के द्वारा हिंदुओं की आवाज को उठाया जाता है। बांग्लादेश के अल्पसंख्यक हिंदुओं पर हुई हिंसा के खिलाफ एक प्रमुख आवाज बनकर उभरे चिन्मय की सोमवार को देशद्रोह के आरोप में गिरफ्तार हो गई जिस पर अब बवाल मचा हुआ है।

मंगलवार दोपहर (२६ नवंबर) को एक अदालत ने चिन्मय कृष्ण दास की जमानत अर्जी खारिज कर उन्हें जेल भेजने का आदेश दिया। उधर चिन्मय कृष्ण दास प्रभु की गिरफ्तारी के बाद बांग्लादेश में विरोध भी शुरू हो गया। मंगलवार दोपहर और शाम को देश के विभिन्न हिस्सों में विरोध प्रदर्शन और रैलियां आयोजित की गईं। राजधानी ढाका, चटगांव, फेनी, फरीदपुर, झलकाठी, चांदपुर, जहांगीरनगर, खुलना, बारीसाल, राजशाही समेत कई शहरों में हिंदू समुदाय के लोग सड़क पर उतरे। २६ नवंबर की दोपहर को चटगांव में कानून प्रवर्तन एजेंसियों, वकीलों और बांग्लादेश चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी के अनुयायियों के बीच झड़प हो गई। प्रदर्शन के दौरान सहायक सरकारी वकील सैफुल इस्लाम की मौत हो गई और छह अन्य घायल हो गए। घायलों में श्रीबास दास, शरकू दास, छोटन, सुजीत घोष, उत्पल और एनामुल हक शामिल हैं।

वहीं, २६ नवंबर की देर रात बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय भारत की तरफ से दिए गए बयान का विरोध करते हुए इसे 'बांग्लादेश का आंतरिक मामला' कह दिया। मंत्रालय ने कहा कि यह उनका आंतरिक मामला है और भारत के टिप्पणी करने से दोनों देशों के रिश्तों में खटास आ सकती है।

बांग्लादेश में गिरफ्तार हिंदू संत चिन्मय कृष्ण दास की रिहाई की मांग को लेकर भारत में भी विरोध शुरू हो गया। भाजपा की पश्चिम बंगाल इकाई ने मंगलवार (२६ नवंबर) को राज्य की विधानसभा के बाहर विरोध प्रदर्शन किया और हिंदू संत की रिहाई की मांग की। अगले दिन यानी बुधवार (२७ नवंबर) को भाजपा विधायकों ने कोलकाता में बांग्लादेश उप उच्चायोग के बाहर घेराव किया।

इसके अलावा बुधवार को ही भाजपा, कांग्रेस, आप, टीएमसी समेत कई पार्टियों ने इस मुद्दे पर अपनी राय व्यक्त की। देश की मुख्य विपक्षी कांग्रेस ने 'बांग्लादेश में धार्मिक अल्पसंख्यकों के सामने आ रहे असुरक्षा के माहौल' पर गहरी चिंता व्यक्त की। कांग्रेस ने कहा कि उसे उम्मीद है कि भारत सरकार बांग्लादेश सरकार पर आवश्यक कदम उठाने और अल्पसंख्यकों के जीवन और संपत्ति की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए दबाव डालेगी।

बुधवार को आम आदमी पार्टी के नेता अरविंद केजरीवाल ने हिंदू संत के साथ एकजुटता व्यक्त की और उनकी गिरफ्तारी को 'अन्यायपूर्ण' करार दिया। उन्होंने केंद्र सरकार से मामले में हस्तक्षेप करने की अपील की। भाजपा सांसद और त्रिपुरा के पूर्व सीएम बिप्लब कुमार देब ने भी चिन्मय दास की गिरफ्तारी की घटना की निंदा की और बांग्लादेश की 'अलोकतांत्रिक' होने की आलोचना की। इस बीच, आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने भी इस्कॉन के संत की गिरफ्तारी पर चिंता व्यक्त की और मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली बांग्लादेश सरकार से हिंदुओं के खिलाफ अत्याचार रोकने का आग्रह किया। बांग्लादेश में हिंदू भिक्षु प्रभु चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी को लेकर भारत और बांग्लादेश के अलावा अन्य देशों में भी विरोध प्रदर्शन हुए। फिनलैंड के हेलसिंकी और अमेरिका के न्यूयॉर्क में भारतीयों का एक समूह हिंदू धार्मिक नेता के समर्थन में इकट्ठा हुआ और अपनी एकजुटता व्यक्ति की।

२७ नवंबर को ६८ अवकाशप्राप्त जजों और अधिकारियों व एक सांसद ने बांग्लादेश में इस्कॉन से जुड़े पुजारी चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी, वहां हिंदुओं के खिलाफ हिंसा और भेदभाव के लगातार बढ़ते मामले में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से दखल देने की अपील की। मोदी सरकार से इन अधिकारियों और जजों ने बांग्लादेश मामले में तत्काल हस्तक्षेप करने और चिन्मय कृष्ण दास की रिहाई सुनिश्चित करने की मांग की। गुरुवार को बांग्लादेश सरकार को उस वक्त बड़ा झटका लगा जब ढाका उच्च न्यायालय ने इस्कॉन की गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाने से इनकार कर दिया। बुधवार को दाखिल एक याचिका में उच्च न्यायालय के वकील मोहम्मद मोनिरउद्दीन ने इस्कॉन पर प्रतिबंध लगाने की मांग की थी। हालांकि, उच्च न्यायालय ने आदेश पारित करने से इनकार कर दिया।

उधर स्कॉन संत चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी का मुद्दा भारत में लगातार छाया हुआ है। गुरुवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने विधानसभा में बांग्लादेश मुद्दे पर बात की और कहा कि वह इस मामले में केंद्र के साथ हैं। सीएम ममता ने कहा, 'हम नहीं चाहते कि किसी भी धर्म को चोट पहुंचे। मैंने इस्कॉन से बात की। यह एक दूसरे देश का मामला है और केंद्र सरकार को इसके खिलाफ उचित कार्रवाई करनी चाहिए। हम इस मुद्दे में केंद्र सरकार के साथ हैं।' गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विदेश मंत्री एस जयशंकर से मुलाकात की और पड़ोसी बांग्लादेश में हिंदू सहित धार्मिक अल्पसंख्यकों पर हमले के मुद्दे पर चर्चा की। इस दौरान उन्होंने चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी की गिरफ्तारी और चटगांव जिले में मंदिर को नुकसान पहुंचाने के मुद्दों पर भी बात की। मुलाकात के बाद जयशंकर शुक्रवार को संसद के दोनों सदनों को इस मुद्दे पर जानकारी दे सकते हैं।

धर्मनिरपेक्ष देश से कैसे इस्लामिक देश बना बांग्लादेश

१९७१ में जब बांग्लादेश बना तो इसकी पहचान एक धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र के रूप में बनी और इसका आधार बंगाली सांस्कृतिक और भाषाई राष्ट्रवाद रहा, जिसने पाकिस्तान की रूढ़िवादी इस्लामी प्रथाओं को समाप्त किया. १९७२ में लागू हुए बांग्लादेश के संविधान ने सभी धर्मों की समानता को सुनिश्चित किया. लेकिन पाकिस्तान से आज़ादी के महज़ चार साल बाद यहां एक खूऩी तख्ताप़लट हुआ और देश के संस्थापक शेख़ मुजीबुर्रहमान की उनके परिवार के साथ हत्या कर दी गई. केवल दो बेटियां वर्तमान प्रधानमंत्री शेख़ हसीना और उनकी बहन शेख़ रेहाना बच गईं.

अवामी लीग की कोमिल्ला महिला विंग की नेता आयशा ज़मान ने बीबीसी को बताया, 'हिन्दू भगवान के चरणों में जो कुरान रखी गई वह सऊदी अरब में छपी थी. बीएनपी के मेयर मोनिरुल इस्लाम सक्कू और व्यवसायी फ़ोयाज़ ने इसे इकबाल हुसैन की मदद से हिंदू देवता के क़दमों में रखा. सीसीटीवी फुटेज में इकबाल ऐसा करते हुए दिख रहा है. यह मुसलमानों को उकसाने का एक सुनियोजित प्रयास था.'

आज से पांच साल पहले नासिरनगर में भी इसी समय के आस-पास सोशल मीडिया का इस्तेमाल इस तरह की तस्वीर वायरल करने के लिए किया गया था.

सैन्य शासक जनरलों ज़ियाउर्रहमान और एच एम इरशाद ने जमात ए इस्लामी जैसी इस्लामिक पार्टियों को समर्थन दिया. उन्हें चुनाव आयोग के साथ पंजीकरण करने की अनुमति दी और इस्लाम को राजकीय धर्म के रूप में स्थापित किया.

सैन्य तख़्तापलट पर किताब 'मिडनाइट मैसेकर' के लेखक सुखरंजन दासगुप्ता कहते हैं, 'सैन्य शासक अवामी लीग को हाशिए पर लाना चाहते थे इस प्रयास में अवामी लीग के खिलाफ़ एक राजनीतिक आधार बनाने की कोशिश हुई. उन्होंने अवामी लीग के बंगाली राष्ट्रवाद का मुक़ाबला करने के लिए पाकिस्तान के तरह की इस्लामवादी राजनीति का विकल्प चुना. ज़िया और इरशाद दोनों ने ऐसी पार्टियां बनाईं जिन्होंने धार्मिक कार्ड खेला.''

अवामी युवा नेता और 'डिजिटल बांग्लादेश' के आयोजक सूफ़ी फ़ारूक़ कहते हैं, ''इरशाद शराब पीने और महिलाओं के प्रति अपने रुझान के लिए जाने जाते थे, उन्होंने शायद ही कभी प्रार्थना की होगी. उन्होंने कुछ कविताएँ लिखीं. लेकिन उनके लिए इस्लाम एक राजनीतिक उपकरण था जैसे कि जिन्ना के लिए था जो सूअर का मांस खाते थे और स्कॉच व्हिस्की पीते थे और शायद ही कभी नमाज़ पढ़ी.'

''सैन्य शासन के दो दशक के दौरान और सत्ता में बीएनपी और जमात ए इस्लामी गठबंधन सरकार की अवधि में (१९९१- १९९६ और २००१- २००६) हिंदुओं को भारी उत्पीड़न का सामना करना पड़ा और हज़ारों लोगों ने भारत में शरण ले ली. बांग्लादेश की २२ प्रतिशत आबादी वाले हिंदू, साल २०१० की जनगणना में १० प्रतिशत से भी कम हो गए.''

''लेकिन बांग्लादेश सांख्यिकी विभाग के अनुसार, अवामी लीग के शासन के पिछले दस वर्षों में हिंदुओं की आबादी १२ प्रतिशत हो गई है. ये बताता है कि हिंदुओं का पलायन कम हो गया है.''

पूर्व सूचना मंत्री तराना हलीम का कहना है कि देश का इस्लामी माहौल चुनावों में हिंदुओं को निशाना बनाता है. वह कहती हैं, ''दुर्गा पूजा के दौरान हुई इस हिंदू विरोधी हिंसा को उसी संदर्भ में देखा जाना चाहिए. अफगानिस्तान में तालिबान की वापसी से इस्लामवादियों को बढ़ावा मिला है, लेकिन दिसंबर २०२३ में होने वाले संसदीय चुनावों में अवामी लीग की ही दोबारा जीत होगी.''

प्रधानमंत्री के विशेष सहायक और वर्तमान समय में ऑक्सफ़ोर्ड फ़ेलो बैरिस्टर शाह अली फ़राद कहते हैं, ''ये शर्मनाक है, हमें हर क़ीमत पर हिंदुओं की रक्षा करनी होगी. '' यही कारण है कि प्रधानमंत्री शेख़ हसीना ने संभवतः १९७२ के धर्मनिरपेक्ष संविधान की वापसी की योजना बनाई है.

१. यूनुस के सत्ता में आने के बाद बढ़े तनाव

२. हजारों लोगों ने अगरतला में निकाली रैली

३. बाइडन प्रशासन पर भड़के हिंदू समुदाय के लोग

४. बांग्लादेश में अमेरिकी फंडिंग रोकने की उठाई मांग

५. 'हिंदू घरों और व्यवसायों को लूटा जा रहा है'

६. १३ अक्टूबर से शुरू हुए ऐसे हमलों में अब तक आठ लोगों की मौत हुई है और सैकड़ों हिंदुओं के घर और दर्जनों मंदिरों में तोड़फोड़ की घटनाएं सामने आ रही हैं.

कट्टरपंथी इस्लाम समर्थकों ने अवामी लीग सरकार को धमकी देते हुए कहा है कि अगर १९७२ के धर्मनिरपेक्ष संविधान को वापस लाने के लिए प्रस्तावित विधेयक को संसद में पेश किया तो और अधिक हिंसा होगी. साल १९८८ में सैन्य शासक एचएम इरशाद ने इस्लाम को राष्ट्रीय धर्म घोषित किया था.

माना जा रहा है कि बांग्लादेश की सत्तारूढ़ अवामी लीग सरकार ने १९७२ के धर्मनिरपेक्ष संविधान की वापसी का फ़ैसला कर लिया है और इसके साथ ही राष्ट्रीय धर्म के तौर पर इस्लाम की मान्यता खत्म कर दी जाएगी. ये फ़ैसला ऐसे वक़्त में लिए जाने की चर्चा है जब देश में ईशनिंदा की अफ़वाहों को लेकर हिंदुओं पर हमले हो रहे हैं.

कट्टरपंथी इस्लाम समर्थकों ने अवामी लीग सरकार को धमकी देते हुए कहा है कि अगर १९७२ के धर्मनिरपेक्ष संविधान को वापस लाने के लिए प्रस्तावित विधेयक को संसद में पेश किया तो और अधिक हिंसा होगी. साल १९८८ में सैन्य शासक एचएम इरशाद ने इस्लाम को राष्ट्रीय धर्म घोषित किया था.

यहां तक कि ढाका शहर के पूर्व मेयर सईद खोकोन जैसे कुछ अवामी लीग के नेताओं ने भी सूचना मंत्री मुराद हसन की उस घोषणा का विरोध किया है जिसमें उन्होंने कहा कि बांग्लादेश एक धर्मनिरपेक्ष देश है और राष्ट्रपिता शेख .मुजीबुर्रहमान द्वारा बनाए गए १९७२ के संविधान की देश में वापसी होगी.

सईद खोकोन ने इस फ़ैसले के समय पर सवाल उठाते हुए कहा है कि ''ये आग में घी का काम करेगा.''

मुराद हसन ने कहा कि '' हमारे शरीर में स्वतंत्रता सेनानियों का खून् है, किसी भी क़ीमत पर हमें १९७२ के संविधान की ओर वापस जाना होगा. संविधान की वापसी के लिए मैं संसद में बोलूंगा... कोई नहीं बोलेगा तो भी मुराद संसद में बोलेगा.''

सूचना मंत्री मुराद हसन ने एक सार्वजनिक आयोजन में कहा, '' मुझे नहीं लगता कि इस्लाम हमारा राष्ट्रीय धर्म है. हम १९७२ का संविधान वापस लाएंगे. हम बिल को प्रधानमंत्री शेख .हसीना के नेतृत्व में संसद में अधिनियमित करवाएंगे. जल्द ही हम १९७२ के धर्मनिरपेक्ष संविधान को फिर अपनाएंगे.''

अगर ऐसा होता है तो आने वाले वक़्त में ९० प्रतिशत से अधिक मुस्लिम आबादी वाले बांग्लादेश का राजकीय धर्म इस्लाम नहीं होगा.

जमात-ए-इस्लामी और हिफ़ाज़त-ए-इस्लाम जैसे कट्टरपंथी समूहों के मौलवियों ने धमकी दी कि अगर ऐसा कोई बिल पेश किया गया तो एक खूऩी अभियान शुरू हो जाएगा.

हिफ़ाज़त के महासचिव नुरुल इस्लाम जिहादी ने कहा है, 'इस्लाम राज्य धर्म था, यह राज्य धर्म है, यह राज्य धर्म रहेगा. इस देश को मुसलमानों ने आज़ाद किया और उनके धर्म का अपमान नहीं किया जा सकता. इस्लाम को राजकीय धर्म बनाए रखने के लिए हम हर बलिदान देने को तैयार हैं.'

यहां तक कि पूर्व मेयर खोकोन जैसे अवामी लीग के नेताओं ने भी मुराद हसन की घोषणा का विरोध इस आधार पर किया है कि 'पार्टी के भीतर इस पर विस्तार से चर्चा नहीं की गई.'

कुछ लीग के नेता ये भी मानते हैं कि 'मुराद हसन का क़द बतौर नेता इतना बड़ा एलान करने योग्य नहीं है और अगर वो ये कर रहे हैं तो उन्हें प्रधानमंत्री शेख .हसीना का पूरा समर्थन है.'

नाम न छापने की शर्त पर एक शीर्ष अवामी लीग नेता ने कहा, ''अगर इस तरह की घोषणा से पहले शेख .हसीना को इसकी जानकारी नहीं होती, वो भी ऐसे समय में जब देश में हिंदुओं के खिल़ाफ़ इतनी हिंसा हो रही है, तो निश्चित रूप से मुराद हसन को पार्टी हाईकमान से डांट मिलती. चूंकि ऐसा नहीं हुआ है, इसलिए यह मानना उचित होगा कि प्रधानमंत्री ने इस फ़ैसले को हरी झंडी दे दी है.''

मुराद हसन ने ये घोषणा १४ अक्टूबर को की. इससे ठीक एक दिन पहले मुस्लिम भीड़ ने कुमिल्ला, चांदपुर, फेनी, नोआखाली और चटगांव में हिंदू मंदिरों पर हमला किया. दरअसल एक हिंदू भगवान के चरणों में इस्लाम के धार्मिक ग्रंथ कुरान की एक तस्वीर फ़ेसबुक पर वायरल हुई जिसके बाद हिंसा शुरू हुई.

ये हिंसा २३ ज़िलों में फैल गई जिसे देखते हुए पीएम शेख .हसीना को दंगों को नियंत्रित करने के लिए सीमा रक्षक सैनिकों और एलीट रैपिड एक्शन बटालियन (आरएबी) की इकाइयों की तैनाती करनी पड़ी.

पुलिस ने साढ़े तीन सौ से अधिक दंगाइयों को गिरफ़्तार किया जिनमें कुमिल्ला के वो दो दुकानदार भी शामिल है जिन्होंने कथित तौर पर क़ुरान को हिंदू देवता के चरणों में रखा था और फिर इस तस्वीर को वायरल किया.

इनमें से एक फ़ोयाज़ अहमद हैं जिन्होंने कई सालों तक सऊदी अरब में नौकरी की और फिर बांग्लादेश आकर अपना बिज़नेस शुरू किया.

अवामी लीग ने बीएनपी और जमात ए इस्ल ामी जैसे इस्लामी विपक्षी दलों पर धार्मिक दंगों को भड़काने और हिंदुओं के बड़े त्योहार दुर्गा पूजा को बाधित करने का आरोप लगाया है.

बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचारों से अमेरिकी हिंदुओं में गुस्सा, राष्ट्रपति बाइडन से की प्रतिबंध लगाने की मांग

बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों पर लगातार अत्याचार के मामले देखने को मिल रहे हैं. मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार मंदिरों और हिंदूओं पर हो रहे अत्याचारों को रोक नहीं पा रही है. इसे लेकर अब हिंदू अमेरिकी समूहों ने बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हो रहे हमलों की निंदा की है. हिंदू अमेरिकी समूहों ने यह मांग भी की है कि दक्षिण एशियाई देश के लिए अमेरिकी सहायता इस शर्त पर निर्भर होनी चाहिए कि वहां की सरकार अल्पसंख्यक समुदाय की सुरक्षा के लिए ठोस कार्रवाई करे.

बांग्लादेश की कुल जनसंख्या १७ करोड़ है, जिसमें अल्पसंख्यक हिंदूओं की आबादी मात्र ८ प्रतिशत है. बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदू आबादी को पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के तख्तापलट के बाद से देश के ५० से अधिक जिलों में २०० से अधिक हमलों का सामना करना पड़ा है. वहीं, इस हफ्ते की शुरुआत में सोमवार (२५ नवंबर) को हिंदू आध्यात्मिक नेता और पूर्व इस्कॉन के प्रमुख चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी की गिरफ्तारी के बाद हालात और खराब हो गए. बांग्लादेश की ढाका मेट्रोपोलिटन पुलिस ने चिन्मय दास को ढाका एयरपोर्ट से देशद्रोह के आरोप में गिरफ्तार कर हिरासत में लिया है. जिसके बाद ढाका, चटगांव समेत कई अन्य शहरों में हिंदू समुदाय के लोगों ने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिए.

विश्व हिंदू परिषद, अमेरिका (वीएचपीए) के अध्यक्ष अजय शाह ने कहा कि चिन्मय दास की गिरफ्तारी, चटगांव में काली मंदिर में तोड़फोड़ और बांग्लादेश में हिंदुओं पर बढ़ते हमले की खबरें परेशान कर देने वाली हैं. उन्होंने पूछा, 'क्या यही वह मानवाधिकार की विरासत है जिसके लिए जो बाइडन प्रशासन याद किया जाना चाहता है?'

वहीं, वीएचपीए महासचिव अमिताभ मित्तल ने कहा, 'बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचारों पर वैश्विक मीडिया की चुप्पी बहुत ही चौंका देने वाली है. इस्कॉन के पूर्व प्रमुख चिन्मय दास की गिरफ्तारी और हिंदू मंदिरों पर हिंसक हमले धार्मिक असहिष्णुता में खतरनाक वृद्धि को दर्शाते हैं. ये घटनाएं भेदभाव के व्यापक चलन का हिस्सा है.'

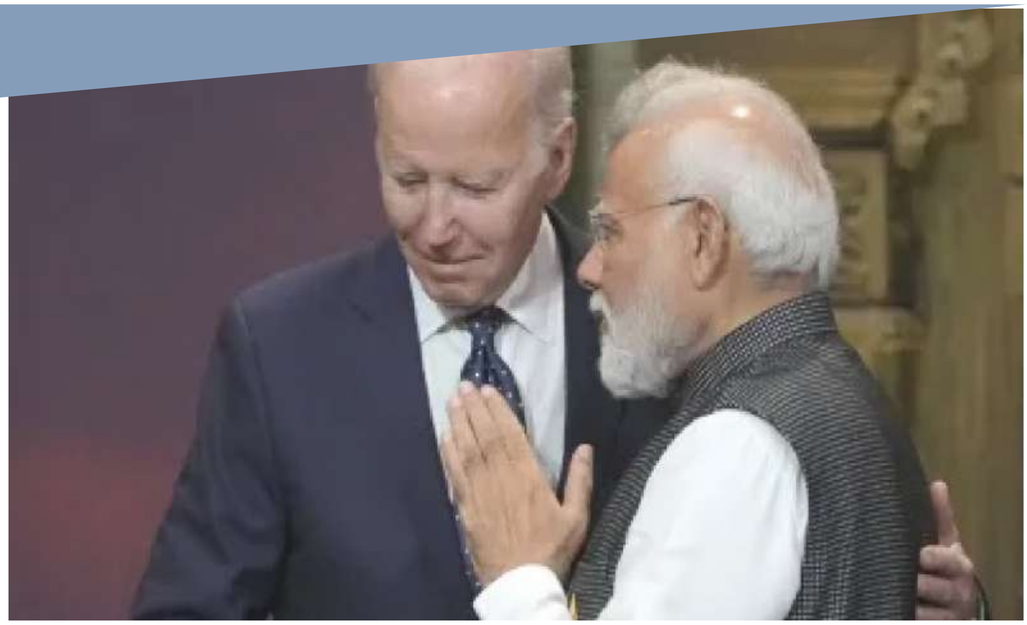

वीएचपीए महासचिव ने कहा, 'अंतरराष्ट्रीय स्तर पर निंदा का अभाव अपराधियों के हौसले को और बढ़ाता है और बांग्लादेश में अल्पसंख्यक समुदायों की सुरक्षा और आजादी को खतरा पहुंचाता है.' हिंदू फॉर अमेरिका फर्स्ट (एचएफएएफ) ने नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को एक खुला पत्र लिखकर बांग्लादेश में चीन की महत्वकांक्षी परियोजनाओं के संबंध में अमेरिकी फंडिंग को रोकने की मांग की है.

सत्ता के भूखे यूनुस बांग्लादेश में करा रहे नरसंहार, शेख हसीना ने पहले सार्वजनिक संबोधन में किया तीखा प्रहार

रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिलहाल भारत में रह रहीं हसीना ने आरोप लगाया कि बांग्लादेश में पूजा स्थलों पर हमले हो रहे हैं और मौजूदा सरकार स्थिति से निपटने में पूरी तरह से विफल रही है। हालांकि हसीना ने पिछले कुछ महीनों में कई बयान दिए, लेकिन शरण लेने के बाद यह उनका पहला सार्वजनिक संबोधन था। अपदस्थ प्रधान मंत्री शेख हसीना ने अपने पहले सार्वजनिक संबोधन में मुहम्मद यूनुस पर तीखा हमला करते हुए और उन्हें 'सत्ता का भूखा' बताते हुए देश के अंतरिम नेता पर 'नरसंहार' करने और हिंदुओं सहित अल्पसंख्यकों की रक्षा करने में विफल रहने का आरोप लगाया। चार महीने पहले बांग्लादेश से भाग गईं हसीना ने न्यूयॉर्क में एक कार्यक्रम में अपने समर्थकों को वस्तुतः संबोधित करते हुए यह भी दावा किया कि उन्हें और उनकी बहन शेख रेहाना को उसी तरह मारने की योजना थी जैसे उनके पिता शेख मुजीबुर रहमान की १९७५ में हत्या कर दी गई थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिलहाल भारत में रह रहीं हसीना ने आरोप लगाया कि बांग्लादेश में पूजा स्थलों पर हमले हो रहे हैं और मौजूदा सरकार स्थिति से निपटने में पूरी तरह से विफल रही है। हालांकि हसीना ने पिछले कुछ महीनों में कई बयान दिए, लेकिन शरण लेने के बाद यह उनका पहला सार्वजनिक संबोधन था।

हथियारबंद प्रदर्शनकारियों को गणभवन

(प्रधानमंत्री का आधिकारिक आवास) की ओर निर्देशित किया गया था। अगर सुरक्षा गार्डों ने गोलीबारी की होती, तो कई लोगों की जान चली जाती। यह २५-३० मिनट का मामला था, और मुझे वहां से जाने के लिए मजबूर होना पड़ा। मैंने उनसे कहा कि नहीं गोली चलाने के लिए, चाहे कुछ भी हो जाए। आज मुझ पर नरसंहार का आरोप लगाया जा रहा है। वास्तव में, यूनुस सावधानीपूर्वक डिजाइन किए गए तरीके से नरसंहार में शामिल रहा है। इस नरसंहार के पीछे मास्टरमाइंड छात्र समन्वयक और यूनुस हैं। हिंदू साधु की गिरफ्तारी का परोक्ष संदर्भ देते हुए उन्होंने कहा, 'हिंदू, बौद्ध, ईसाई - किसी को भी नहीं बख्शा गया है। ग्यारह चर्चों को तोड़ दिया गया है, मंदिरों और बौद्ध मंदिरों को तोड़ दिया गया है। जब हिंदुओं ने विरोध किया, तो इस्कॉन नेता को गिरफ्तार कर लिया गया।

Bangladesh अब अलग ही राह पर चल पड़ा, तुर्की के किलर ड्रोन को भारतीय सीमा के पास किया तैनात

बांग्लादेश द्वारा पश्चिम बंगाल के पास तुर्की निर्मित ड्रोन तैनात करने की खबरों के बीच भारत ने बांग्लादेश सीमा पर निगरानी बढ़ा दी है। यह घटनाक्रम शेख हसीना की अवामी लीग सरकार के पतन के बाद सीमावर्ती क्षेत्रों में आतंकवादी गतिविधियों में वृद्धि का संकेत देने वाली खुफिया सूचनाओं की पृष्ठभूमि में आया है। बांग्लादेश की सेना ने पश्चिम बंगाल से लगती सीमा पर बायरकतार टीबी-२ ड्रोन तैनात किया है। यह पूरा इलाका भारत के चिकन नेक के करीब है और बेहद संवेदनशील माना जाता है। तुर्की का टीबी-२ ड्रोन काफी शक्तिशाली है जो हमला करने के अलावा जासूसी करने में भी माहिर है।

सूत्रों ने कहा कि सेना भारत के साथ सीमा के करीब बेकरटार टीबी२ मानव रहित हवाई वाहनों (यूएवी) की तैनाती पर रिपोर्टों की पुष्टि कर रही है। ये ड्रोन बांग्लादेश की ६७वीं सेना द्वारा खुफिया, निगरानी और टोही मिशनों के लिए संचालित किए जाते हैं। जबकि बांग्लादेश ने दावा किया कि तैनाती रक्षा उद्देश्यों के लिए है, एक संवेदनशील क्षेत्र में ऐसे उन्नत ड्रोन की तैनाती के रणनीतिक महत्व को भारत ने नजरअंदाज नहीं किया है।

इंटेल इनपुट ने सुझाव दिया है कि हसीना के कार्यकाल के दौरान दबाए गए चरमपंथी तत्व भारतीय सीमा के करीब के क्षेत्रों में फिर से पैर जमा रहे हैं। इनपुट में बताया गया है कि आतंकी समूह और तस्करी नेटवर्क भारत में घुसपैठ करने के लिए बांग्लादेश में राजनीतिक अस्थिरता का फायदा उठा रहे हैं। हसीना के सत्ता से हटने के बाद सीमावर्ती इलाकों में भारत विरोधी तत्वों में वृद्धि देखी गई है। एक वरिष्ठ खुफिया अधिकारी का कहना है कि राजनीतिक अस्थिरता और भारतीय सीमाओं के पास उन्नत यूएवी तैनाती के संयोजन के लिए कड़ी सतर्कता की आवश्यकता है।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार का मुद्दा लोकसभा में गूंजा। भाजपा सदस्यों ने सरकार से पड़ोसी देश में हिंदुओं और इस्कॉन अनुयायियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का आग्रह किया। शून्यकाल के दौरान यह मुद्दा उठाते हुए भाजपा की हेमा मालिनी ने कहा कि मैं बेहद दुखी हूं, यह देखकर कि बांग्लादेश में हमारे हिंदुओं और हिंदू मंदिरों, खासकर इस्कॉन और उसके भक्तों के साथ क्या हो रहा है। हिंदू मंदिरों पर लगातार हमले जारी हैं। मालिनी ने उल्लेख किया कि इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर कृष्णा कॉन्शियसनेस (इस्कॉन) पूरी दुनिया में स्थापित है और आज इसके लगभग हजार केंद्र हैं। मथुरा लोकसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाली मालिनी ने कहा कि वे पूरी दुनिया में वैदिक संस्कृति फैलाने और कृष्ण चेतना और शांति फैलाने के लिए जाने जाते हैं। मैं भारत सरकार से अपील करता हूं कि यह सुनिश्चित किया जाए कि बांग्लादेश में हिंदुओं और मंदिरों पर हमले तुरंत रोके जाएं और चिन्मय कृष्ण दास सहित सभी इस्कॉन भक्तों को जेल से रिहा किया जाए और देशद्रोह का मामला हटाया जाए। असम में दरांग-उदलगुरी निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले भाजपा सांसद दिलीप सैकिया और उज्जैन के सांसद अनिल फिरोजिया ने भी लोकसभा में इस मुद्दे को उठाया।

संतों के पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार कोबांग्लादेश उप उच्चायोग में एक ज्ञापन सौंपा जिसमें पड़ोसी देश (बांग्लादेश) में हिंदुओं और अन्य धार्मिक अल्पसंख्यकों पर अत्याचारों को रोकने के लिए तत्काल कदम उठाने की मांग की गई है। प्रतिनिधिमंडल में शामिल कार्तिक महाराज ने कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को भी पत्र लिखकर बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कानूनी उपायों की मदद लेने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि अगर बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उचित कदम नहीं उठाए गए तो पश्चिम बंगाल में बड़े पैमाने पर विरोध-प्रदर्शन आयोजित किए जाएंगे।

उपमा

सामग्रीः
सूजीः १ कप
पानीः २ कप
सरसों के दानेः १ चम्मच
हरी मिर्चः १-२ बारीक कटी
करी पत्ताः ८-१०
प्याजः १ बारीक कटा
सब्जियाँ (गाजर, मटर): १/२ कप
तेलः २ चम्मच
नमकः स्वादानुसार

विधिः सूजी को सूखा भून लें। कढ़ाई में तेल गरम करें और सरसों के दाने, करी पत्ता, और हरी मिर्च डालें। प्याज और सब्जियाँ डालकर हल्का पकाएँ। २ कप पानी डालें और नमक मिलाएँ। पानी में उबाल आने पर भुनी हुई सूजी डालें और अच्छी तरह मिलाएँ। ढककर २-३ मिनट पकाएँ। गर्मागर्म परोसें।

आलू पराठा

सामग्रीः
गेहूं का आटाः २ कप
उबले हुए आलूः ३
हरी मिर्चः १-२ बारीक कटी
धनिया पत्तीः २ चम्मच
अदरकः १ चम्मच कद्दूकस
नमक, लाल मिर्च, गरम मसालाः स्वादानुसार
घी/तेलः सेंकने के लिए

विधिः उबले आलू मैश करें और उसमें मसाले, हरी मिर्च, और धनिया पत्ती मिलाएँ। आटे को गूंध लें और उसमें से छोटी-छोटी लोइयाँ बनाकर बेलें। आलू का मिश्रण भरकर पराठा बेलें। गरम तवे पर पराठा सेंकें। घी लगाकर सुनहरा भूरा होने तक पकाएँ। दही या अचार के साथ परोसें।

डोसा

सामग्रीः
सूजीः १ कप
दहीः १/२ कप
पानीः आवश्यकता अनुसार
नमकः स्वादानुसार
तेलः तवे पर सेंकने के लिए

विधिः सूजी, दही, नमक और पानी मिलाकर बैटर तैयार करें। तवे को गरम करें, थोड़ा तेल लगाएँ। बैटर को गोल आकार में फैलाएँ। दोनों तरफ से सुनहरा होने तक पकाएँ। नारियल चटनी के साथ परोसें। आप इनमें से कोई भी नाश्ता बनाकर अपने दिन की शुरुआत कर सकते हैं।

पोहा

सामग्रीः
पोहा (चिवड़ा)ः २ कप
प्याजः १ बारीक कटा
हरी मिर्चः १-२
मूंगफलीः २ चम्मच
सरसों के दानेः १ चम्मच
करी पत्ताः ६-८
हल्दीः १/२ चम्मच
नींबूः १
तेलः २ चम्मच
नमकः स्वादानुसार

विधिः पोहे को धोकर २-३ मिनट के लिए छानकर रख दें। कढ़ाई में तेल गरम करें और सरसों के दाने, करी पत्ता, हरी मिर्च डालें। प्याज और मूंगफली डाल कर हल्का भूरा होने तक भूनें। हल्दी और नमक मिल एँ। पोहा डालकर २-३ मिनट तक चलाएँ। नींबू का रस डालें और गरम परोसें।

पनीर चिली

सामग्रीः
पनीरः २०० ग्राम (क्यूब्स में कटे हुए)
शिमला मिर्चः १-२ (कटी हुई)
प्याजः १ (कटा हुआ)
हरी मिर्चः २-३ (लंबाई में कटी)
अदरक-लहसुन पेस्टः १ चम्मच
लाल मिर्च सॉसः २ चम्मच
सोया सॉसः १ चम्मच
टमाटर केचपः १ चम्मच
कॉर्नफ्लोरः १ चम्मच (पानी में घोल लें)
नमक और काली मिर्चः स्वादानुसार
तेलः तलने और पकाने के लिए

विधिः पनीर क्यूब्स को हल्के तले। कढ़ाई में थोड़ा तेल गरम करें। अदरक-लहसुन पेस्ट, प्याज, शिमला मिर्च, और हरी मिर्च डालें। मसालों और सॉस को मिल एँ। कॉर्नफ्लोर का घोल डालकर पकाएँ। पनीर डालें, मिलाएँ, और गरम परोसें।

आलू फ्राई

सामग्रीः
आलूः ४ (पतले स्लाइस में कटे हुए)
हल्दी पाउडरः १/२ चम्मच
लाल मिर्च पाउडरः १ चम्मच
धनिया पाउडरः १/२ चम्मच
गरम मसालाः १/२ चम्मच
जीराः १ चम्मच
तेलः तलने के लिए
नमकः स्वादानुसार

विधिः आलू को गरम तेल में फ्राई करें। एक अलग पैन में थोड़ा तेल गरम करें। जीरा और सभी मसाले डालें। तले हुए आलू डालें, अच्छी तरह मिलाएँ और २-३ मिनट पकाएँ। हरी धनिया से सजाएँ और परोसें।

आईपीएल नीलामी 2025

वढेरा और अभिनव मनोहर बने करोड़पति, पंत और श्रेयस को मिली रिकॉर्ड कीमत

सऊदी अरब के शहर जेद्दा में आईपीएल २०२५ के लिए खिलाड़ियों की मेगा नीलामी शुरू हो गई। सभी १० फ्रेंचाइजी अगले आईपीएल सीजन से पहले अपनी टीमें तैयार करने में जुट गई हैं। इस नीलामी में कुल ५७७ खिलाड़ी शामिल हैं।

अनकैप्ड ऑलराउंडर का सेट

निशांत सिंधू को गुजरात टाइटंस ने उनके आधार मूल्य ३० लाख रुपये में खरीदा।

दिल्ली कैपिटल्स ने समीर रिजवी को ९५ लाख रुपये में खरीदा। उनका आधार मूल्य ३० लाख रुपये था।

अनकैप्ड बल्लेबाज का सेट

अर्थव तायडे को सनराइजर्स हैदराबाद को ३० लाख रुपये के आधार मूल्य में खरीदा।

अनमोलप्रीत सिंह ३० लाख रुपये के आधार मूल्य के साथ उतरे, लेकिन उन्हें किसी ने नहीं खरीदा।

पंजाब किंग्स ने नेहाल वढेरा के लिए ४.२० करोड़ रुपये की बोली लगाई। मुंबई ने नेहाल के लिए आरटीएम का इस्तेमाल नहीं किया। ३० लाख रुपये के आधार मूल्य के साथ उतरे नेहाल ४.२० करोड़ रुपये में खरीदा।

केकेआर ने अंगकृष रघुवंशी को तीन करोड़ रुपये में खरीदा। ३० लाख रुपये के आधार मूल्य के साथ उतरे रघुवंशी पहले भी केकेआर में ही थे।

३० लाख रुपये के आधार मूल्य वाले करुण नायर को दिल्ली कैपिटल्स ने ५० लाख रुपये में खरीदा।

यश ढुल को किसी भी फ्रेंचाइजी ने नहीं खरीदा। ढुल का आधार मूल्य ३० लाख रुपये था।

हैदराबाद ने अभिनव मनोहर को ३.२० करोड़ रुपये में खरीदा। अभिनव का आधार मूल्य ३० लाख रुपये था।

कैप्ड स्पिनरों का सेट

राजस्थान रॉयल्स ने महेश तीक्षणा को ४.४० करोड़ रुपये में खरीदा। तीक्षणा का आधार मूल्य दो करोड़ रुपये था और सीएसके के पास उनके लिए आरटीएम का विकल्प उपलब्ध था। लेकिन चेन्नई ने तीक्षणा के लिए आरटीएम का इस्तेमाल नहीं किया।

हैदराबाद ने राहुल चाहर के लिए ३.२० करोड़ रुपये की बोली लगाई जिनका आधार मूल्य एक करोड़ रुपये था। पंजाब के पास उनके लिए आरटीएम का विकल्प मौजूद था, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। इस तरह चाहर को हैदराबाद ने खरीदा।

हैदराबाद ने ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर एडम जांपा को २.४० करोड़ रुपये में खरीदा। जांपा का आधार मूल्य दो करोड़ रुपये था।

राजस्थान रॉयल्स ने श्रीलंकाई स्पिनर वानिंदु हसरंगा को ५.२५ करोड़ रुपये में खरीदा। हसरंगा का आधार मूल्य दो करोड़ रुपये था।

सलामखेल ७५ लाख रुपये के आधार मूल्य के साथ उतरे, लेकिन किसी फ्रेंचाइजी ने उन पर रुचि नहीं जताई और वह पहली बार में नहीं बिके।

नूर अहमद क लिए चेन्नई ने पांच करोड़ रुपये की बोली लगाई, लेकिन गुजरात ने उनके लिए आरटीएम का इस्तेमाल किया। चेन्नई ने नूर अहमद के लिए १० करोड़ रुपये की अंतिम बोली का प्रस्ताव रखा जिसके बाद गुजरात ने हाथ खींच लिए। इस तरह अहमद सीएसके में शामिल हुए।

कैप्ड तेज गेंदबाजों का सेट

आरसीबी ने ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड को १२.५० करोड़ रुपये में खरीदा। हेजल वुड का आधार मूल्य दो करोड़ रुपये था।

गुजरात टाइटंस ने प्रसिद्ध कृष्णा को ९.५० करोड़ रुपये में खरीदा। प्रसिद्ध का आधार मूल्य दो करोड़ रुपये था। आवेश खान को लखनऊ सुपरजाएंट्स ने ९.७५ करोड़ रुपये में अपनी टीम में शामिल किया। आवेश का आधार मूल्य दो करोड़ रुपये था।

केकेआर ने दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज एनरिच नॉर्त्जे को ६.५० करोड़ रुपये में खरीदा। नॉर्त्जे का आधार मूल्य दो करोड़ रुपये था। राजस्थान रॉयल्स ने जोफ्रा आर्चर को खरीदा। दो करोड़ रुपये के आधार मूल्य के साथ उतरे आर्चर १२.५० करोड़ रुपये में बिके। सीएसके ने खलील अहमद के लिए ४.८० करोड़ रुपये की बोली लगाई। खलील के लिए दिल्ली ने आरटीएम का इस्तेमाल नहीं किया। खलील का आधार मूल्य दो करोड़ रुपये था। दो करोड़ रुपये के आधार मूल्य के साथ उतरे टी. नटराजन को दिल्ली कैपिटल्स ने १०.७५ करोड़ रुपये में खरीदा।

मुंबई इंडियंस ने ट्रेंट बोल्ट को १२.५० करोड़ रुपये में खरीदा। बोल्ट का आधार मूल्य दो करोड़ रुपये था। बोल्ट के लिए राजस्थान और मुंबई के बीच होड़ देखने मिली। अंततः मुंबई ने इस नीलामी का अपना पहला खिलाड़ी खरीदा।

कैप्ड विकेटकीपर बल्लेबाजों का सेट

क्विंटन डिकॉक का आधार मूल्य दो करोड़ रुपये था केकेआर ने उन्हें ३.६० करोड़ रुपये में खरीदा। लखनऊ के पास डिकॉक के लिए आरटीएम कार्ड उपलब्ध था, लेकिन उन्होंने इसका इस्तेमाल नहीं किया। इंग्लैंड के विकेटकीपर बल्लेबाज जॉनी बेयरस्टो दो करोड़ रुपये के आधार मूल्य के साथ नीलामी में उतरे, लेकिन पहली बार में उनके लिए किसी ने रुचि नहीं दिखाई और वह नहीं बिक सके।

फिल सॉल्ट को आरसीबी ने ११.५० करोड़ रुपये में खरीदा। सॉल्ट का आधार मूल्य दो करोड़ रुपये था। सॉल्ट को लेने के लिए आरसीबी और केकेआर के बीच होड़ देखने मिली, लेकिन आरसीबी उन्हें लेने में सफल रहा।

केकेआर ने रहमानुल्लाह गुरबाज को उनके आधार मूल्य दो करोड़ रुपये में खरीदा।

सनराइजर्स हैदराबाद ने ईशान किशन को ११.२५ करोड़ रुपये में खरीदा। ईशान का आधार मूल्य दो करोड़ रुपये था।

आरसीबी ने जितेश शर्मा के लिए सात करोड़ रुपये की बोली लगाई। पंजाब ने जितेश के लिए आरटीएम का इस्तेमाल करने का फैसला किया। आरसीबी ने फिर जितेश के लिए ११ करोड़ रुपये की अंतिम बोली लगाई, लेकिन पंजाब ने इसे स्वीकार नहीं किया और जितेश ११ करोड़ रुपये में आरसीबी के हुए। जितेश का आधार मूल्य एक करोड़ रुपये था।

कैप्ड ऑलराउंडर का सेट

हर्षल पटेल का आधार मूल्य दो करोड़ रुपये था, हैदराबाद ने उन पर ६.७५ करोड़ रुपये की बोली लगाई, लेकिन पंजाब ने आरटीएम लेने का फैसला किया। हैदराबाद ने फिर आठ करोड़ रुपये का प्रस्ताव दिया और पंजाब ने हाथ खींच लिए। इस तरह हर्षल आठ करोड़ रुपये में बिके। रचिन रवींद्र के लिए पंजाब किंग्स ने ३.२० करोड़ रुपये की बोली लगाई। सीएसके ने आरटीएम का विकल्प चुना, लेकिन पंजाब ने चार करोड़ रुपये का प्रस्ताव दिया जिसे सीएसके ने स्वीकार कर लिया। रचिन चार करोड़ रुपये में सीएसके के हुए।

रविचंद्रन अश्विन को सीएसके ने ९.७५ करोड़ रुपये में खरीदा। इस तरह अश्विन की चेन्नई फ्रेंचाइजी में वापसी हुई है। अश्विन का आधार मूल्य दो करोड़ रुपये था। वेंकटेश अय्यर को केकेआर ने २३.७५ करोड़ रुपये में खरीदा। वह आईपीएल इतिहास के तीसरे सबसे महंगे भारतीय खिलाड़ी बने। वेंकटेश का आधार मूल्य दो करोड़ रुपये था। वेंकटेश को लेने के लिए आरसीबी और केकेआर के बीच होड़ देखने को मिली। मार्कस स्टोइनिस को पंजाब किंग्स ने ११ करोड़ रुपये में लिया। स्टोइनिस का आधार मूल्य दो करोड़ रुपये था। लखनऊ के पास आरटीएम का विकल्प उपलब्ध था, लेकिन लखनऊ ने स्टोइनिस के लिए दिलचस्पी नहीं दिखाई।

मिचेल मार्श के लिए लखनऊ ने ३.४० करोड़ रुपये की बोली लगाई। दिल्ली के पास आरटीएम उपलब्ध था, लेकिन उन्होंने मार्श के लिए इसका इस्तेमाल नहीं करने का फैसला किया। ग्लेन मैक्सवेल को पंजाब किंग्स ने ४.२० करोड़ रुपये में लिया। आरसीबी ने मैक्सवेल के लिए आरटीएम का इस्तेमाल नहीं किया। मैक्सवेल का आधार मूल्य दो करोड़ रुपये था।

कैप्ड बल्लेबाजों का सेट

हैरी ब्रूक का आधार मूल्य दो करोड़ रुपये है। दिल्ली कैपिटल्स ने हैरी ब्रूक को ६.२५ करोड़ रुपये में खरीदा।

देवदत्त पडिक्कल अनसोल्ड रहे। उनका आधार मूल्य दो करोड़ रुपये था।

एडेन मार्करम को लखनऊ ने उनके आधार मूल्य दो करोड़ रुपये में खरीदा।

डेवोन कॉन्वे को चेन्नई सुपर किंग्स ने ६.२५ करोड़ रुपये में खरीदा। उनका आधार मूल्य दो करोड़ रुपये था।

राहुल त्रिपाठी का आधार मूल्य ७५ लाख रुपये था, सीएसके ने उन्हें ३.४० करोड़ रुपये में खरीदा।

डेविड वॉर्नर का आधार मूल्य दो करोड़ रुपये था और वह पहली बार में नहीं बिके।

जैक फ्रेजर मैकगर्क के लिए पंजाब ने ५.५० करोड़ रुपये की बोली लगाई, लेकिन दिल्ली ने उनके लिए आरटीएम का इस्तेमाल किया। पंजाब ने मैकगर्क के लिए नौ करोड़ रुपये की बोली लगाई, लेकिन दिल्ली ने आरटीएम का इस्तेमाल कर उन्हें खरीदा। मैकगर्क का आधार मूल्य दो करोड़ रुपये था।

दिल्ली ने केएल राहुल को खरीदा

मार्की खिलाड़ी के तौर पर केएल राहुल दो करोड़ रुपये के आधार मूल्य में नीलामी में उतरे। उनके लिए गत चैंपियन केकेआर ने बोली लगाई और आरसीबी भी लड़ाई में कूदा। आरसीबी और केकेआर के बीच राहुल को लेने के लिए होड़ देखने को मिली। दिल्ली ने भी राहुल के लिए रुचि दिखाई और केकेआर के साथ बोली में शामिल हुई। दिल्ली ने राहुल के लिए ११.५० करोड़ रुपये की बोली लगाई, लेकिन केकेआर भी पीछे हटने को तैयार नहीं था। दिल्ली ने राहुल के लिए १२ करोड़ रुपये की बोली लगाई, लेकिन केकेआर ने हाथ खींच लिए। इस बीच, सीएसके बोली में कूदी और लगातार राहुल के लिए बोली लगाती रही। दिल्ली ने १४ करोड़ रुपये की बोली लगाई और लखनऊ ने राहुल के लिए आरटीएम का इस्तेमाल नहीं किया। राहुल के बिकने के साथ ही नीलामी में मार्की खिलाड़ी पूरे हो गए। अब तक कुल १२ खिलाड़ी बिके जा चुके हैं।

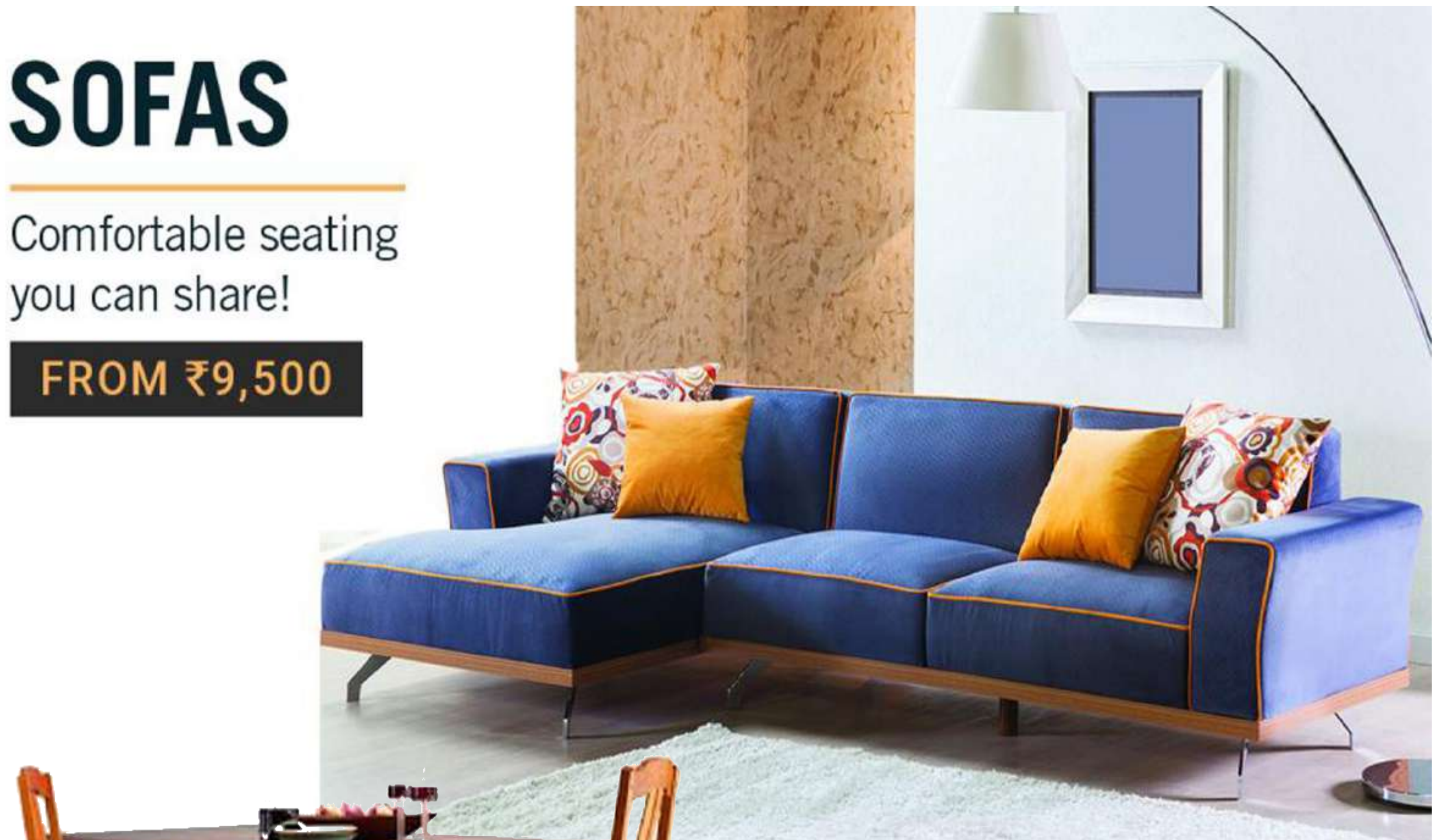

Wholesale Furniture Market
Ulhasnagar,Mumbai

सस्ते फर्नीचर के 5 थोक बाजार
फर्नीचर खरीदिए आधे दामों पर
एक से बढ़कर एक एंटीक आइटम

Contact: 9082391833 , 9820820147
E-mail: swarnim_mumbai@yahoo.in

राशिफल

मेष राशि

मेष राशि के जातकों के लिए साल का आखिरी महीना दिसंबर अत्यंत ही शुभ एवं फलदायी साबित होने जा रहा है। यदि इस थोड़े समय को नजरंदाज कर दिया जाए तो पूरे माह आपको सुख और सौभाग्य मिलेगा। इस माह आपके द्वारा करियर-कारोबार के सिलसिले में की जाने वाली यात्राएं शुभ और मनचाही सफलता दिलाने वाली साबित होंगी। यदि आप व्यवसाय से जुड़े हैं तो इस माह कारोबार के विस्तार की योजनाएं फलीभूत होती हुई नजर आएंगी। माह के मध्य में आप कोई बड़ी व्यावसायिक डील कर सकते हैं। इस दौरान नए कारोबार को शुरु करने की कामना भी पूरी हो सकती है। करियर की दृष्टि से यह माह आपके लिए गुडलक लेकर आया है। बेरोजगार लोगों को मनचाहे रोजगार की प्राप्ति होगी। इस संबंध में कोई इष्टमित्र अथवा रिश्तेदार काफी मददगार साबित होगा। पहले से कार्यरत लोगों के पद-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रिश्ते-नाते की दृष्टि से आपको इस माह उन लोगों से खूब सावधान रहने की आवश्कता रहेगी जो आपके परिवार का प्रेम और सामंजस्य बिगाड़ने की कोशिश में लगे रहते हैं।

वृषभ राशि-

दिसंबर महीने के पहले सप्ताह में आपके सिर पर अचानक से कुछेक बड़े खर्च आ सकते हैं। जिसके कारण आपका बजट गड़बड़ा सकता है। इस माह आपको आर्थिक स्थिति को बेहतर बनाए रखने के लिए अधिक परिश्रम और प्रयास की आवश्यकता रहेगी। इस दौरान भूमि-भवन से जुड़े विवाद आपकी चिंता का सबब बन सकते हैं। हालांकि दिसंबर के दूसरे सप्ताह से आपको जीवन और धन से जुड़ी समस्याओं से मुक्ति मिलना प्रारंभ हो जाएगी। यदि आपके आत्मीय संबंध किसी बात को लेकर बिगड़ गये थे तो किसी बुजुर्ग व्यक्ति की मदद से एक बार फिर बनते हुए नजर आएंगे। सेहत की दृष्टि से माह का पूर्वार्ध थोड़ा उतार-चढ़ाव लिए रहेगा। इस दौरान आप मौसमी अथवा किसी पुरानी बीमारी के उभरने से शारीरिक एवं मानसिक रूप से पीड़ित रह सकते हैं। नौकरीपेशा लोगों को इस माह अपने कामकाज में किसी भी प्रकार की लापरवाही करने से बचना चाहिए, अन्यथा कार्यक्षेत्र में सीनियर के सामने छवि खराब हो सकती है।

मिथुन राशि-

मिथुन राशि के जातकों के लिए दिसंबर का महीना बड़े बदलाव लेकर आएगा। इस माह आपके करियर और कारोबार में खासा बदलाव देखने को मिलेगा। यदि आप नौकरीपेशा व्यक्ति हैं और आप अपने कार्यक्षेत्र में बदलाव की योजना बना रहे हैं तो इस माह आपकी यह कामना पूरी हो जाएगी। इसी प्रकार यदि आप व्यवसायी हैं तो इस माह आप अधिक लाभ और उन्नति के लिए अपने कारोबार में बड़े बदलाव कर सकते हैं। कामकाजी महिलाओं को इस माह विशेष सफलता मिलने के योग बनेंगे। इस दौरान करियर-कारोबार की व्यस्तता के चलते आप अपने निजी रिश्तों की तरफ कम ध्यान दे पाएंगे। इस दौरान आपकी स्वजनों के साथ किसी बात को लेकर मतभेद पैदा हो सकता है। गलतफहमी को लेकर आपकी लव लाइफ में भी कुछ समस्याएं पैदा हो सकती हैं। मिथुन राशि के लोगों को इस दौरान हड्डी अथवा दांत संबंधी दिक्कते हो सकती हैं।

कर्क राशि-

कर्क राशि के जातकों के लिए दिसंबर का महीना मिश्रित फलदायी है। इस पूरे माह आपको कोई भी कदम बहुत सोच-समझकर आगे बढ़ाने की जरूरत रहेगी। महीने की शुरुआत आपके लिए काफी उतार-चढ़ाव भरी रहेगी। इस दौरान आपको करियर और कारोबार के मोर्चें पर जूझना पड़ सकता है। इस दौरान आप जिससे अपेक्षा करेंगे वही समय पर आपके काम नहीं आएगा। जिसके चलते आपका मन खिन्न रहेगा। इस दौरान आपके भीतर क्रोध की अधिकता रहेगी। कारोबार की दृष्टि से दिसंबर महीने का पूर्वार्ध आपके लिए अनुकूल नहीं रहने वाला है। इस दौरान बाजार में मंदी का सामना करना पड़ सकता है। आपके उपर काम-काज के साथ आर्थिक दबाव बना रहेगा। इस माह आपके सिर पर कुछेक बड़े खर्च आ सकते हैं, जिन्हें पूरा करने के लिए आपको कर्ज तक लेना पड़ सकता है।

सिंह राशि-

महीने की शुरुआत में आपको कामकाज में तमाम तरह की बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में किसी भी काम में लापरवाही न बरतें। इस दौरान नौकरीपेशा लोगों की कोई भूल या फिर कहें लापरवाही उन पर भारी पड़ सकती है। इस दौरान आप कार्यक्षेत्र में उत्पन्न हुई प्रतिकूल परिस्थिति के चलते अपने रोजगार में बदलाव करने का निर्णय ले सकते हैं। इस दौरान सिंह राशि के जातकों को लंबी दूरी की यात्रा करने से बचना चाहिए। यदि यात्रा बहुत जरूरी हो तो इसे बड़ी सावधानी के साथ करें तथा अपने सेहत और सामान का खूब ख्याल रखें। दिसंबर महीने के उत्तरार्ध में आप अपनी बुद्धि और विवेक के जरिए कारोबार में मनचाहा धन कमाएंगे। इस दौरान आपका गुडलक काम करेगा और आपको न सिर्फ बाहर बल्कि घर के भीतर परिवार के सदस्यों का पूरा सहयोग और समर्थन मिलेगा। प्रेम संबंध में बेवजह का अभिमान न पालें और अपने लव पार्टनर की भावनाओं का आदर करें।

कन्या राशि-

कन्या राशि के जातकों के लिए दिसंबर महीने की शुरुआत काफी शानदार रहने वाली है। महीने की शुरुआत में आपको किस्मत का पूरा साथ मिलता हुआ नजर आएगा। आप जिस काम में हाथ लगाएंगे आपको उसमें ही सफलता और लाभ मिलता हुआ दिखाई देगा। कन्या राशि के जातकों दिसंबर महीने के पूर्वार्ध में अपने महत्वपूर्ण काम को करना चाहिए क्योकि उत्तरार्ध में आपकी किस्मत के सितारे इस तरह साथ नहीं देंगे। माह के पूर्वार्ध में आपका

किसी योजना अथवा कारोबार में फंसा हुआ धन अप्रत्याशित रूप से निकल आएगा। इस दौरान आपकी साख बाजार में बढ़ेगी। विदेश से जुड़े कार्य करने वालों के लिए यह समय अत्यंत ही शुभ एवं लाभदायी साबित होगा। कन्या राशि के जो जातक लंबे समय से बेरोजगार चल रहे थे, उन्हें इस दौरान मनचाहा रोजगार मिल सकता है। वहीं पहले से कार्यरत लोगों को कार्यक्षेत्र में अनुकूलता बनी रहेगी।

तुला राशि-

तुला राशि के जातकों के लिए दिसंबर महीने की शुरुआत थोड़ी उतार-चढ़ाव भरी रहेगी। दिसंबर महीने के पहले सप्ताह में आपको छोटे-छोट कार्यों के लिए भी काफी भागदौड़ करनी पड़ सकती है। इस दौरान आप पर कामकाज का बोझ बढ़ जाएगा। व्यवसाय में थोड़ी मंदी बनी रहेगी। इस दौरान करियर-कारोबार के साथ आपको निजी जीवन में भी कठिनाईयां झेलनी पड़ सकती है। भूमि-भवन से जुड़े विवाद आपकी चिंता का कारण बनेंगे। हालांकि यह स्थिति लंबे समय तक नहीं रहेगी। माह के दूसरे सप्ताह से आपको बदलाव साफ नजर आने लगेगा और आपकी तमाम बड़ी चिंताओं को दूर करने में आपके इष्टमित्र और वरिष्ठ व्यक्ति काफी मददगार साबित होंगे। कार्यक्षेत्र में सीनियर के सहयोग से आप अपने टारगेट को समय पर बेहतर तरीके से पूरा करेंगे। जिससे आपका मान-सम्मान बढ़ेगा।

वृश्चिक राशि-

वृश्चिक राशि के जातकों के लिए साल के आखिरी महीने की शुरुआत मिश्रित फलदायी रहने वाली है। इस दौरान आपको न सिर्फ करियर-कारोबार में बल्कि निजी जीवन में कठिन परिस्थितियों से गुजरना पड़ सकता है। दिसंबर महीने की शुरुआत में कामकाज के सिलसिले में आपको लंबी दूरी की यात्रा करनी पड़ सकती है। यात्रा थकान भरी और अपेक्षा से कम फल देने वाली रहेगी। इस दौरान नौकरीपेशा लोगों को अपने कार्यक्षेत्र में गुप्त शत्रुओं से खूब सतर्क रहना होगा क्योंकि वे आपके बने-बनाए काम और आपकी मान-प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने के लिए षडयंत्र रच सकते हैं। इस दौरान प्रेम संबंध और आत्मीय रिश्ते को बेहतर बनाए रखने के लिए आपको छोटी-मोटी बातों को इग्नोर करने की आवश्कता रहेगी। दिसंबर महीने के मध्य से आपके जीवन में सकारात्मक बदलाव देखने को मिलेगा। रोजी-रोजगार की तलाश में भटक रहे लोगों के लिए यह समय गुडलक लिए रहने वाला है। इस दौरान आपको करियर-कारोबार से जुड़े अच्छे अवसर प्राप्त हो सकते हैं।

धनु राशि-

दिसंबर महीने के पहले सप्ताह में आपको कामकाज के सिलसिले में जरा ज्यादा ही भागदौड़ करनी पड़ सकती है। इस दौरान आप करियर हो या फिर कारोबार आप उसकी प्रगति को लेकर असंतुष्ट नजर आ सकते हैं। इस दौरान आपको अपने कंपटीटर्स से कड़ा मुकाबला करना पड़ सकता है। बाजार में अपनी साख को बनाए रखने के लिए आपको काफी मेहनत करनी पड़ेगी। दिसंबर महीने के पूर्वार्ध में आर्थिक स्थिति थोड़ी डांवाडोल रह सकती है। आजीविका के क्षेत्र में इस दौरान हलचल मची रहेगी। नौकरीपेशा लोगों को अपने अधीनस्थ लोगों से दिक्कतें आ सकती हैं। हालांकि दिसंबर के दूसरे सप्ताह से आपको परिस्थितियों में कुछ अच्छे बदलाव भी नजर आएंगे और आप इस दौरान अपनी बुद्धि और विवेक से तमाम चुनौतियों को पार करते हुए अपने मान-सम्मान को घर और बाहर दोनों जगह बनाए रखने में कामयाब हो जाएंगे।

मकर राशि-

मकर राशि के जातकों के लिए दिसंबर का महीना उतार-चढ़ाव लिए रहने वाला है। माह के पूर्वार्ध का समय आपके लिए अनुकूल तो वहीं उत्तरार्ध का समय प्रतिकूल रहने वाला है। ऐसे में आपको अपने सभी महत्वपूर्ण कार्यों को महीने की शुरुआत में करने का प्रयास करना चाहिए। माह के प्रारंभ में आपको सौभाग्य का पूरा साथ मिलेगा और आप जिस भी दिशा में पूरे मनोयोग के साथ कार्य करेंगे उसमें आपको सफलता मिलेगी। इस दौरान आपको शुभचिंतकों और स्वजनों से पूरा सहयोग और समर्थन मिलेगा। यह समय राजनीति से जुड़े लोगों के लिए अत्यंत ही शुभ रहने वाला है। उन्हें उच्च पद अथवा अहम जिम्मेदारी मिल सकती है। उनकी लोकप्रियता समाज में बढ़ेगी। इस दौरान करियर-कारोबार के सिलसिले में की गई यात्राएं शुभ साबित होंगी। यदि आप व्यवसाय से जुड़े हैं तो आप कारोबार से जुड़ी कोई बड़ी डील कर सकते हैं। इस दौरान आप लाभ कमाने के लिए शार्टकट या फिर कहें तिकड़म लगाने से भी नहीं चूकेंगे। यदि आप लंबे समय से कोई सुख-सुविधा से जुड़ी चीज को क्रय करने की योजना बना रहे थे तो इस दौरान आपकी यह मनोकामना पूरी हो सकती है। माह के उत्तरार्ध में आपको पैतृक संपत्ति की प्राप्ति में अड़चनों का सामना करना पड़ सकता है। इस दौरान आपको भूमि-भवन से जुड़े विवाद का समाधान निकालने के लिए अदालत का दरवाजा तक खटखटाना पड़ सकता है।

कुंभ राशि-

कुंभ राशि के जातकों के लिए साल का आखिरी महीना मिश्रित फलदायी रहने वाला है। दिसंबर महीने की शुरुआत में कुंभ राशि वालों को उन लोगों से उचित दूरी बनाकर रखनी होगी जो आपके भीतर निगेटिविटी फैलाने का काम करते हैं। इस दौरान कार्यक्षेत्र में गुप्त शत्रुओं से सावधान रहें और अपने कार्य में किसी भी तरह की लापरवाही बरतने से बचें, अन्यथा आप अपने सीनियर के गुस्से के शिकार हो सकते हैं। माह के पूर्वार्ध में आपके आत्मविश्वास में कुछ कमी देखने को मिलेगी। इस दौरान इष्ट-मित्रों से अपेक्षित सहयोग और समर्थन भी कम ही मिल पाएगा। इस दौरान आप आप अपने कामकाज को लेकर थोड़े लापरवाह हो सकते हैं। सरकारी कामकाज में परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। राजनीति से जुड़े लोगों के प्रभाव एवं लोकप्रियता में कमी देखने को मिल सकती है। इस दौरान आपको कुछ लोगों का विरोध झेलना पड़ सकता है। माह के उत्तरार्ध में करियर-कारोबार के सिलसिले में की जाने वाली लंबी दूरी की यात्राएं अत्यंत ही शुभ साबित होंगी। रिश्ते-नाते की दृष्टि से दिसंबर महीने का पूर्वार्ध थोड़ा प्रतिकूल रहने वाला है। इस दौरान आपका किसी प्रिय व्यक्ति से विवाद हो सकता है। जिसके चलते आपका मन खिन्न रहेगा। प्रेम संबंध में दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा। इस दौरान अपने आत्मीय रिश्तों के प्रति पूर्वाग्रह त्यागकर लोगों के साथ संवाद करें।

मीन राशि-

दिसंबर महीने की शुरुआत में जहां आपके सोचे हुए कार्य तेजी से पूरे होते हुए नजर आएंगे वहीं दूसरे सप्ताह तक स्थिति इसके ठीक विपरीत नजर आएगी। इस दौरान कार्यों में आने वाली अड़चनों के कारण आपका मन खिन्न रहेगा। इस दौरान आपके भीतर क्रोध की अधिकता रहेगी। इस दौरान लोगों के साथ आपका खराब व्यवहार बनती बात को भी बिगाड़ सकता है। ऐसे में भूलकर किसी का अपमान अथवा आलोचना न करें। कुंभ राशि के जातक इस दौरान अपने कामकाज को लेकर बड़े-बड़े प्लान बनाएंगे लेकिन उसे धरातल पर नहीं ला पाएंगे। माह के दूसरे सप्ताह में आपको व्यवसाय में जोखिम भरे निवेश से बचने की आवश्यकता रहेगी। यदि आप पार्टनरशिप में कारोबार करते हैं तो धन का लेनदेन सावधानी के साथ करें। दिसंबर महीने के मध्य का समय आपके लिए थोड़ा अनुकूल रहने वाला है। रिश्ते-नाते की दृष्टि से आपको माह के पूर्वार्ध का समय थोड़ा प्रतिकूल है। इस दौरान आप छोटी-मोटी बातों को तूल देने से बचना होगा। प्रेम संबंध को प्रगाढ़ बनाये रखने के लिए अपने पार्टनर की भावनाओं की कद्र करें। सुखी दांपत्य जीवन के लिए अपने जीवनसाथी के प्रति ईमानदार रहें।

आस्था, इतिहास और वास्तुकला का अद्भुत संगम: महालक्ष्मी मंदिर

कोल्हापुर का महालक्ष्मी मंदिर (जिसे अंबाबाई मंदिर भी कहा जाता है) भारत के सबसे प्राचीन और पवित्र मंदिरों में से एक है। यह मंदिर महाराष्ट्र के कोल्हापुर शहर में स्थित है और देवी लक्ष्मी को समर्पित है। यह मंदिर शक्तिपीठों में से एक है और धार्मिक, ऐतिहासिक और वास्तुकला की दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण है। मंदिर का निर्माण ७वीं शताब्दी में चालुक्य वंश के शासकों ने करवाया था। यह मंदिर हेमाडपंथी शैली में बना है, जिसमें काले पत्थरों का उपयोग किया गया है। यहाँ देवी महालक्ष्मी को करवीर निवासिनी भी कहा जाता है, जो विश्वास के अनुसार, यहां स्थायी रूप से निवास करती हैं।

कोल्हापुर, महाराष्ट्र का एक ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व का शहर है, जो अपनी भव्यता, परंपराओं और विशिष्ट खानपान के लिए प्रसिद्ध है। यह शहर महाराष्ट्र के दक्षिण-पश्चिमी भाग में स्थित है और पंचगंगा नदी के तट पर बसा है। कोल्हापुर का नाम 'कोलासुर' राक्षस से जुड़ा हुआ है, जिसे देवी महालक्ष्मी ने पराजित किया था। यह शहर महालक्ष्मी मंदिर के लिए प्रसिद्ध है, जो देवी लक्ष्मी के शक्तिपीठों में से एक है। यह शहर छत्रपति शिवाजी महाराज और मराठा साम्राज्य के गौरवशाली इतिहास से जुड़ा हुआ है। अक्टूबर से मार्च के बीच का समय कोल्हापुर घूमने के लिए सबसे अच्छा माना जाता है। इस दौरान मौसम सुखद और ठंडा रहता है। कोल्हापुर को चप्पल निर्माण और गन्ना उद्योग का हब माना जाता है। यहाँ की चीनी मिलें और फाउंड्री इंडस्ट्री भी काफी प्रसिद्ध हैं। देवी महालक्ष्मी की मूर्ति गहरे काले पत्थर की बनी है। मूर्ति का वजन लगभग ४० किलो है और इसे ४ फुट ऊँचा और २ फुट चौड़ा बताया जाता है। देवी के मुकुट में एक शेषनाग की आकृति है और उनके हाथों में कमल, गदा, ढाल और त्रिशूल हैं। मंदिर की वास्तुकला इतनी अद्भुत है कि साल में दो बार, सूर्य की पहली किरण सीधे देवी की मूर्ति पर पड़ती है। यह घटना जनवरी और नवंबर के महीने में होती है, जिसे श्रद्धालु एक चमत्कार मानते हैं। यह मंदिर सप्त शक्तिपीठों में से एक है। मान्यता है कि यहाँ देवी सती का नेत्र गिरा था। करवीर पुराण के अनुसार, यह स्थान देवी महालक्ष्मी और भगवान विष्णु के निवास का स्थान है। मान्यता है कि देवी महालक्ष्मी यहां भक्तों की मनोकामना पूरी करती हैं। इस मंदिर को विशेष रूप से महाशक्ति और वैभव की देवी का निवास स्थान माना जाता है।

पर्यटक स्थल

रंकाला झील: एक सुंदर झील जो सूर्यास्त और नौका विहार के लिए मशहूर है। इसके आसपास बगीचे और वॉकवे बने हुए हैं।

न्यू पैलेस (शाहू महाराज का महल): यह महल

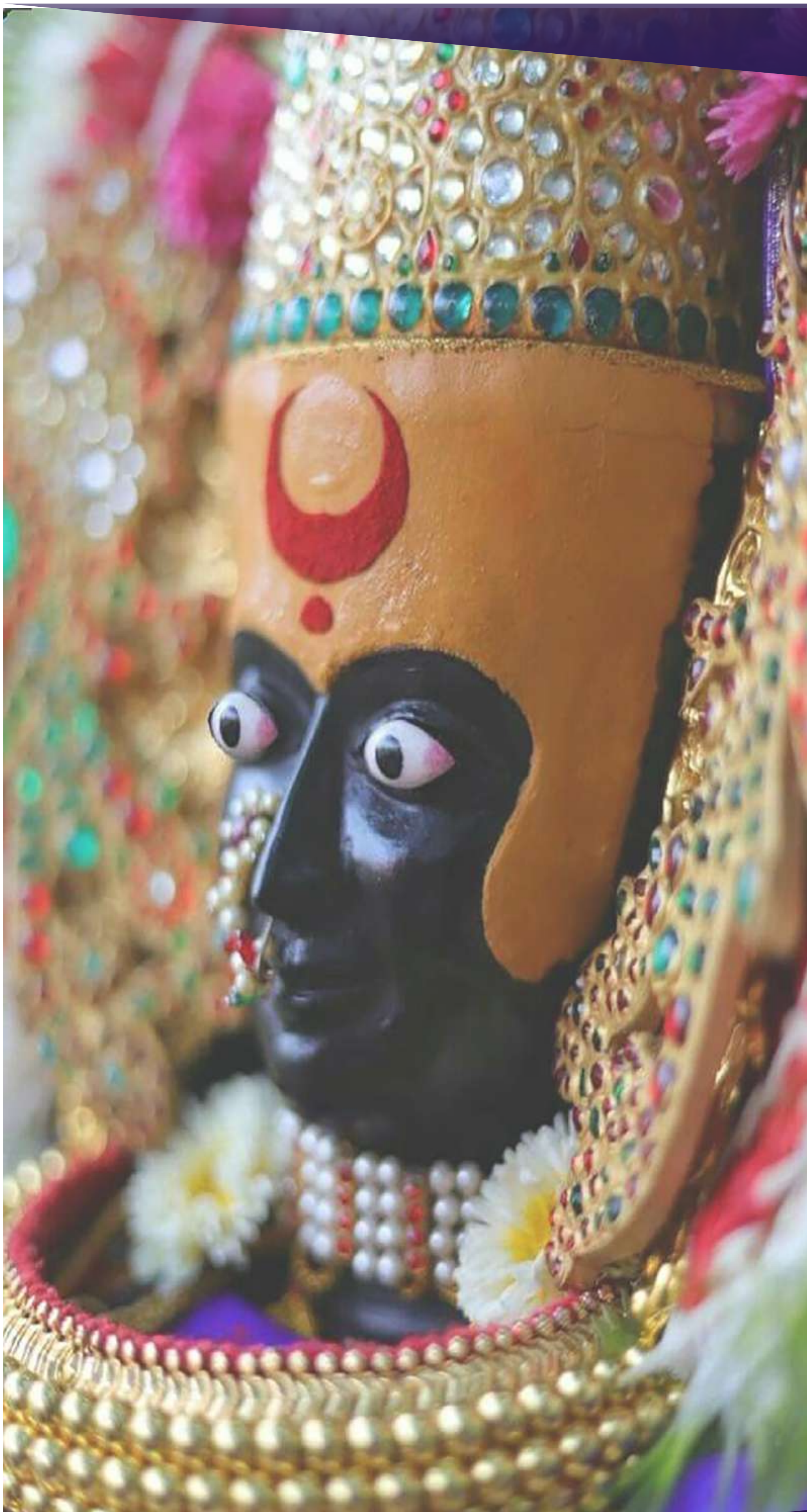

मराठा शासकों के ऐतिहासिक संग्रहालय के रूप में कार्य करता है। यहाँ शाही परिवार की कलाकृतियाँ और सामान देखने को मिलते हैं।

पन्हाला किलाः यह ऐतिहासिक किला मराठा साम्राज्य के रणनीतिक ठिकानों में से एक था। शिवाजी महाराज के जीवन की कई महत्वपूर्ण घटनाएँ यहाँ से जुड़ी हुई हैं।

जोतिबा मंदिरः यह एक पहाड़ी पर स्थित मंदिर है, जो भगवान जोतिबा को समर्पित है। चैत्र पूर्णिमा पर यहाँ भव्य मेला लगता है।

सांस्कृतिक विरासतः कोल्हापुर अपनी तमाशा और लावणी जैसी लोक कलाओं के लिए प्रसिद्ध है। यहाँ का पारंपरिक परिधान 'नऊवारी साड़ी' और 'फेटा' (पगड़ी) है।

मुख्य त्यौहार और मेले

नवरात्रि महोत्सवः महालक्ष्मी मंदिर में भव्य आयोजन।

कोल्हापुर महोत्सवः संस्कृति, कला और संगीत का संगम।

चैत्र पूर्णिमा मेलाः जोतिबा मंदिर में विशेष आयोजन।

कैसे पहुँचे?

वायु मार्गः कोल्हापुर का निकटतम हवाई अड्डा कोल्हापुर एयरपोर्ट है, जो प्रमुख शहरों से जुड़ा है।

रेल मार्गः कोल्हापुर रेलवे स्टेशन मुंबई, पुणे और गोवा से जुड़ा है।

सड़क मार्गः मुंबई-बेंगलुरु हाईवे (NH48) के जरिए यहाँ आसानी से पहुँचा जा सकता है।

प्रमुख त्यौहार और आयोजन

नवरात्रिः नौ दिनों तक विशेष पूजा, भजन और दीपोत्सव आयोजित किया जाता है।

किरणोत्सवः सूर्य की किरणों का देवी की मूर्ति पर पड़ने का पर्व।

लक्ष्मी पूजाः विशेष रूप से धनतेरस और दिवाली पर बड़ी संख्या में भक्त आते हैं।

५. मंदिर की संरचना

मुख्य गर्भगृहः जहाँ देवी महालक्ष्मी की मूर्ति विराजमान है।

दीपमालाः एक बड़ी दीपमाला जो मंदिर के बाहर स्थापित है।

मंडपः यहाँ भव्य नक्काशीदार खंभे और दीवारें हैं।

मंदिर परिसरः अन्य देवी-देवताओं, जैसे महाकाली, महादुर्गा, और भगवान विष्णु के छोटे मंदिर हैं।

६. मंदिर के आसपास के स्थल

रंकाला झीलः महालक्ष्मी मंदिर से कुछ ही दूरी पर स्थित है।

पन्हाला किलाः ऐतिहासिक महत्व का किला, जो कोल्हापुर के पास है।

शाहूजी महाराज संग्रहालयः मराठा संस्कृति और इतिहास को समझने का स्थान।

७. कैसे पहुँचे?

निकटतम हवाई अड्डाः कोल्हापुर हवाई अड्डा, जो मंदिर से लगभग १० किलोमीटर दूर है।

रेलवे स्टेशनः कोल्हापुर रेलवे स्टेशन मंदिर से करीब ५ किलोमीटर की दूरी पर है।

सड़क मार्गः कोल्हापुर मुंबई-बेंगलुरु हाईवे (NH48) से अच्छी तरह जुड़ा हुआ है।

८. मंदिर में जाने के लिए टिप्स

सुबह जल्दी दर्शन के लिए पहुँचें, क्योंकि भीड़ कम रहती है।

विशेष पूजा और अभिषेक की योजना हो, तो पहले से पंडित से संपर्क करें।

मंदिर परिसर में मोबाइल फोन और कैमरे की अनुमति नहीं है।

९. दर्शन का समय

मंदिर सुबह ५:०० बजे से रात १०:०० बजे तक खुला रहता है।

विशेष आरती और अभिषेक के लिए अलग समय निर्धारित होता है।

महालक्ष्मी मंदिर न केवल भक्तों के लिए एक धार्मिक स्थल है, बल्कि यह अपने ऐतिहासिक और वास्तुशिल्पीय महत्व के लिए भी जाना जाता है। यह एक ऐसा स्थान है, जहाँ आध्यात्मिक शांति और देवी के आशीर्वाद का अनुभव होता है। यदि आप कोल्हापुर जा रहे हैं, तो महालक्ष्मी मंदिर अवश्य जाएँ।

कोयंबटूर भागे फिल्ममेकर राम गोपाल वर्मा?

फिल्ममेकर राम गोपाल वर्मा की मुसीबतें थमने का नाम नहीं ले रही हैं। खबर है कि उनकी गिरफ्तारी के लिए आंध्र प्रदेश पुलिस की एक टीम हैदराबाद में उनके घर पहुंची है। दरअसल, राम गोपाल वर्मा ने मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू और उनके परिवार के खिलाफ सोशल मीडिया पर अपमानजनक टिप्पणी की थी। इस मामले में पूछताछ के लिए उन्हें पुलिस के सामने पेश होना था, लेकिन वे नहीं पहुंचे। जानकारी के मुताबिक, आंध्र प्रदेश पुलिस की टीम राम गोपाल वर्मा के घर पहुंची, लेकिन फिल्ममेकर वहां मौजूद नहीं थे। हालांकि, पुलिस ने उनके घर पर छापा मारा, क्योंकि वह लगातार दूसरी बार जांच अधिकारी के सामने पेश नहीं हुए थे। रिपोर्ट्स के अनुसार, वह गिरफ्तारी से बचने के लिए कोयंबटूर रवाना हो गए हैं।

बताते चलें कि राम गोपाल वर्मा हमेशा से ही राजनैतिक मुद्दों पर बेबाक बयान देते रहे हैं। वो वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के समर्थक हैं और चंद्रबाबू नायडू और उनकी पार्टी के खिलाफ बयान देते रहे हैं। राम गोपाल वर्मा की फिल्म व्यूहम इसी साल मार्च में रिलीज हुई है। ये फिल्म तत्कालीन मुख्यमंत्री वाई. एस.राजशेकर रेड्डी की साल २००९ में हेलीकॉप्टर दुर्घटना में हुई मौत और उनके बेटे जगन मोहन रेड्डी के राजनैतिक सफर के इर्द-गिर्द बनी थी। इस फिल्म को बीते साल आंध्र प्रदेश विधानसभा और लोकसभा चुनाव के दौरान रिलीज किया जाने वाले था, हालांकि विवाद होने पर फिल्म को पोस्टपोन करना पड़ा था।

आमिर के घर पर चला बुलडोजर

मुंबई के पॉश पाली हिल इलाके में एक आलीशान अपार्टमेंट के मालिक आमिर खान ने अपने घर को तोड़कर उसका पुनर्विकास करने का फैसला किया है। २०२३ में उनकी योजना की खबरें आने लगीं। अब इंस्टाग्राम पर एक पपराज़ो द्वारा शेयर किए गए वीडियो में विध्वंस एजेंसी को साइट पर अपना काम करते हुए दिखाया गया है। बॉलीवुड सुपरस्टार बेला विस्टा और पाली हिल में मरीना अपार्टमेंट में २४ में से ९ अपार्टमेंट के मालिक हैं। बेला विस्टा निवासियों को पाली हिल की हरियाली से घिरा एक शांतिपूर्ण जीवन शैली प्रदान करता है, जो अपने शांत और विशिष्ट वातावरण के लिए जाना जाता है।

२०२३ से इस इमारत के पुनर्विकास की प्रक्रिया शुरू हो गई थी जहां आमिर खान रह रहे थे। अब यह काम वास्तव में शुरू हो गया है. आमिर खान की इस बिल्डिंग में कुल २४ फ्लैट थे। इनमें से ९ फ्लैट्स के मालिक आमिर हैं। यह इमारत अब ४० साल पुरानी हो चुकी है। इसलिए, निवासियों ने इस इमारत के स्थान पर एक नई इमारत बनाने का फैसला किया। इस सोसायटी ने एटमॉस्फियर रियल्टी के साथ साझेदारी की है।

इसी बीच कुछ महीने पहले आमिर खान ने संभ्रांत इलाके पाली हिल में एक और प्रॉपर्टी खरीदी है। कुछ रिपोर्ट्स के मुताबिक, आमिर के नए घर की कीमत ९ करोड़ रुपये है। यह रेडी-टू-मूव अपार्टमेंट १०२७ वर्ग फुट का है। आमिर के घर का अनुबंध २५ जून को हुआ था और उन्होंने ३०,००० रुपये का पंजीकरण शुल्क और ५८.५ लाख रुपये की स्टांप ड्यूटी का भुगतान किया है। आमिर ने यह घर पाली हिल में बेला विस्टा अपार्टमेंट नाम की बिल्डिंग में खरीदा था।

यह भी कहा गया कि आमिर ने अपनी मां के इलाज के लिए कुछ साल चेन्नई में रहने का फैसला किया। लेकिन यह बात सामने आई है कि आमिर मुंबई में रहते हैं। आमिर के काम की बात करें तो लाल सिंह चड्ढा की असफलता के बाद आमिर ने कहा था कि वह अब काम नहीं करेंगे। लेकिन वह एक निर्माता के रूप में दर्शकों से मिलने आये। हाल ही में एक इंटरव्यू में आमिर खान ने अपने परिवार के साथ ज्यादा समय बिताने की इच्छा जताई। पिछले कुछ सालों से इसकी कोशिश की जा रही है।

देश-दुनिया

कीम्स ने भारत में स्वास्थ्य सेवा को फिर से परिभाषित करने के लिए पहली बार

‘स्वास्थ्य राष्ट्रीय सम्मेलन’ की मेजबानी की

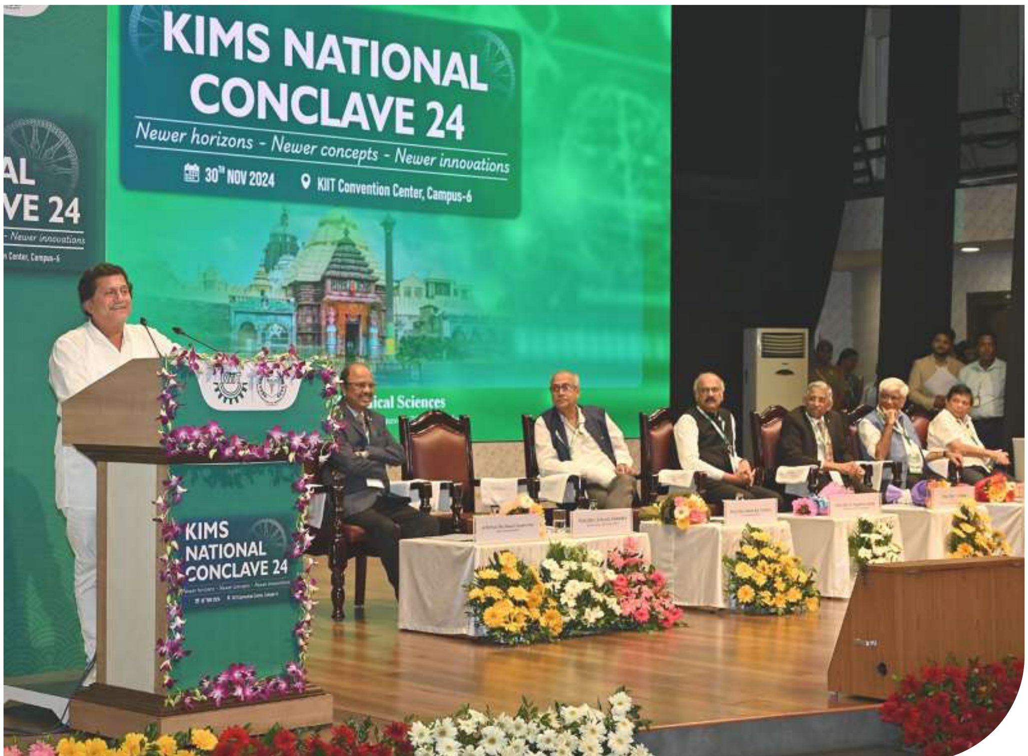

भुवनेश्वर, ३० नवंबरः कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (केआईएमएस) ने ३० नवंबर को अपने उद्घाटन ‘हेल्थ नेशनल कॉन्क्लेव’ की मेजबानी करके एक महत्त्वपूर्ण मील का पत्थर हासिल किया। इस कार्यक्रम ने देश में चिकित्सा और स्वास्थ्य सेवा के भविष्य को आकार देने वाले महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा करने के लिए भारत और विदेश के अनेक प्रतिभाशाली विद्वान डॉक्टर शामिल थे। गौरतलब है कि कीट-कीस-कीम्स के संस्थापक महान् शिक्षावद् प्रो.अच्युता सामंत द्वारा परिकल्पित यह कार्यक्रम ओड़िशा समेत पूरे भारत के लिए पहला सम्मेलन था। सच कहा जाय तो यह ओडिशा में एक स्वास्थ्य सेवा संस्थान द्वारा आयोजित किया जाने वाला आयोजन था।

सम्मेलन का मुख्य आकर्षण महान् शिक्षाविद् प्रो. अच्युत सामंत की ओडिशा के २० जिलों में २० कॉर्पोरेट शैली के अस्पताल स्थापित करने की घोषणा की। इन अस्पतालों का उद्घाटन अगले साल, २०२५ तक किया जाना तय है। सम्मेलन में जाने-माने वक्ताओं में एशियन

सम्मेलन का मुख्य आकर्षण महान् शिक्षाविद् प्रो. अच्युत सामंत की ओडिशा के २० जिलों में २० कॉर्पोरेट शैली के अस्पताल स्थापित करने की घोषणा की। इन अस्पतालों का उद्घाटन अगले साल, २०२५ तक किया जाना तय है। सम्मेलन में जाने-माने वक्ताओं में एशियन इंस्टीट्यूट ऑफ गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, हैदराबाद के प्रोफेसर डॉ. डी. नागेश्वर रेड्डी; डॉ. मोहन मधुमेह विशेषज्ञता केंद्र, चेन्नई के प्रो. वी. मोहन; नीति आयोग के प्रो. विनोद पॉल, कृष्णा विश्व विद्यापीठ के प्रो. वेद प्रकाश मिश्रा सहित अन्य लोग शामिल थे। उनकी अंतर्दृष्टि स्वास्थ्य सेवा में उद्यमिता की नैतिकता, किफायती चिकित्सा नवाचार और मधुमेह के बढ़ते खतरे से निपटने जैसे विविध विषयों पर फैली हुई थी।

इंस्टीट्यूट ऑफ गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, हैदराबाद के प्रोफेसर डॉ. डी. नागेश्वर रेड्डी; डॉ. मोहन मधुमेह विशेषज्ञता केंद्र, चेन्नई के प्रो. वी. मोहन; नीति आयोग के प्रो. विनोद पॉल, कृष्णा विश्व विद्यापीठ के प्रो. वेद प्रकाश मिश्रा सहित अन्य लोग शामिल थे। उनकी अंतर्दृष्टि स्वास्थ्य सेवा में उद्यमिता की नैतिकता, किफायती चिकित्सा नवाचार और मधुमेह के बढ़ते खतरे से निपटने जैसे विविध विषयों पर फैली हुई थी।

उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए पद्म भूषण पुरस्कार से सम्मानित डॉ रेड्डी ने आदिवासी समुदायों की सेवा में कीसके प्रयासों की सराहना की और इस सम्मेल न को आध्यात्मिकता सहित कई विषयों को संबोधित करने वाला एक समग्र मंच बताया। प्रो. वी. मोहन ने उद्यमशीलता को नैतिकता के साथ जोड़ते हुए स्वास्थ्य सेवा के लिए महान् शिक्षाविद् प्रो. अच्युत सामंत के अनूठे विचारों की सराहना की। उन्होंने इस तरह की पहल के परिवर्तनकारी प्रभाव पर जोर देते हुए कहा, 'अगर इरादा नेक है, तो साधन अपने आप ही सामने आ जाएंगे।' कीट के प्रो-चांसलर और प्रख्यात गैस्ट्रोएंटेरोल ॉजिस्ट डॉ सुब्रत आचार्य ने कीम्स की असाधार्ण उपल ब्धियों की सराहना की, एनआईआरएफरैंकिंग में इसकी १५वीं रैंक और अत्याधुनिक चिकित्सा शिक्षा और सेवाएं प्रदान करने की इसकी प्रतिबद्धता का उल्लेख किया।

इस कार्यक्रम ने विचारोत्तेजक चर्चा-परिचर्चाओं के लिए एक मंच के रूप में भी काम किया प्रो.सामंत ने

अपने संबोधन में स्वास्थ्य के महत्त्व को एक सुंदर जीवन की आधारशिला के रूप में दोहराया। उन्होंने कहा, 'भले ही आपके पास सारी संपत्ति हो, लेकिन अगर आप अस्वस्थ हैं तो आप उसका आनंद नहीं ले सकते।' उन्होंने सभी के लिए स्वास्थ्य सेवा परिणामों को बेहतर बनाने के लिए कीम्स के निरंतर प्रयासों पर प्रकाश डाला।

कीम्सके अकादमिक अध्यक्ष और प्रोफेसर एमेरिटस डॉ. योगेश कुमार चावला ने संस्थान के विकास-पथ पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उन्होंने कीम्स को बहुत तेज़ी से बढ़ते देखा है। यह एम्स और अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों से किसी भी तरह से कम नहीं है। मुझे इसके प्रशिक्षण कार्यक्रमों से जुड़ने पर गर्व है।' उसी विचार को दोहराते हुए, स्कूल ऑफ मेडिसिन के प्रो-वाइस चांसलर डॉ. सीबीके मोहंती ने कहा कि उनके कीम्स के संस्थापक महान् शिक्षाविद् प्रो. अच्युत सामंत ने सीमित संसाधनों और ज्ञान के साथ कीम्स की शुरुआत की, लेकिन आज कीम्स एक विशाल संस्थान के रूप में उभरा है। यह सम्मेलन वास्तव में उनके विजन का परिणाम है।

महान् शिक्षाविद् प्रो. अच्युत सामंत ६१वें मानद डॉक्टरेट की डिग्री से सम्मानित

भुवनेश्वर, २६ नवंबरः जाने-माने सामाजिक कार्यकर्ता, महान् शिक्षाविद् और कीट और कीस के संस्थापक प्रो . अच्युत सामंत को यूपीइएस विश्वविद्यालय, देहरादून द्वारा मानद डॉक्टरेट की डिग्री प्रदान की गई। यह उपाधि २६ नवंबर २०२४ को यूपीइएस विश्वविद्यालय, देहरादून, उत्तराखंड के २२वें दीक्षांत समारोह में प्रदान की गई। यह मानद डॉक्टरेट की डिग्री प्रो अच्युत सामंत को अबतक मिली ६१वीं मानद डॉक्टरेट की डिग्री है। यह सम्मान शिक्षा के माध्यम से समाज में प्रो. सामंत के महत्त्वपूर्ण योगदान का प्रमाण है। विश्वविद्याल य ने सम्मान प्रदान करते हुए इन क्षेत्रों में उनके असाधारण योगदानों को याद किया। अपनी ६१वीं मानद डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त करते हुए प्रो. सामंत ने कहा कि पिछले ३३ वर्षों से वे समाज के कल्याण के लिए अथक और निः स्वार्थ भाव से सेवा कार्य कर रहा हैं। यह ६१वीं मानद डॉक्टरेट की डिग्री उन्हें हमेशा याद रहेगी।समारोह के दौरान ब्रिटेन के हाउस ऑफ लॉर्ड्स के सदस्य लॉर्ड करण बिलि मोरिया को भी डॉक्टरेट की मानद उपाधि प्रदान की गई। प्रो. सामंत को समाज सेवा और शिक्षा के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए दुनिया भर के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों और संस्थानों द्वारा कई मानद डॉक्टरेट की उपाधि से सम्मानित किया गया है।

कीस डीम्ड विश्वविद्यालय का चौथा वार्षिक दीक्षांत समारोह आयोजित

भुवनेश्वर, २३ नवंबरः कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज (कीस डीम्ड विश्वविद्यालय) का चौथा वार्षिक दीक्षांत समारोह आयोजित किया गया जिसमें समाज के जाने-माने व्यक्तित्वों की शैक्षिक उत्कृष्टता और परिवर्तनकारी योगदानों को मान्यता दी गई। आयोजन का मुख्य आकर्षण तीन दिग्गजों को उनकी उत्कृष्ट उपलब्धियों और योगदानों के लिए मानद डी. लिट की उपाधि प्रदान करना था। वे हैं पद्मश्री डॉ. मुकेश बत्रा, डॉ. बत्रा ग्रुप ऑफ कंपनीज के संस्थापक, होम्योपैथी और स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में अग्रणी और पद्मश्री श्री सावजी ढोलकिया, हरि कृष्ण एक्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के संस्थापक और अध्यक्ष, जो हीरा उद्योग और परोपकारी पहलों में अपने नेतृत्व के लिए जाने जाते हैं।

अन्य मानद डॉक्टरेट की मानद उपाधि प्राप्तकर्ता एस.एन. मोहंती ग्रुप ऑफ कंपनीज के अध्यक्ष डॉ. प्रदीप मोहंती थेजो ओडिशा के औद्योगिक और शैक्षिक परिदृश्य में एक दिग्गज हैं। इसके अलावा छात्रों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए संस्थापक स्वर्ण पदक, ७ चांसलर स्वर्ण पदक और ७ कुलपति रजत पदक दिए गए। अपने दीक्षांत भाषण में, पूर्व स्कूल राज्य मंत्री और पूर्व सांसद, यूके माननीय निक गिब ने ख्एए की 'भारत के शीर्ष शैक्षणिक संस्थानों में से एक' के रूप में प्रशंसा की और भारत के आर्थिक विकास को आगे बढ़ाने में शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया।

उन्होंने कहा, 'आज, ४३ मिलियन छात्र भारतीय उच्च शिक्षण संस्थानों में पढ़ रहे हैं,' उन्होंने स्नातकों से सीखने के लिए आजीवन प्रेम विकसित करने का आग्रह किया। अपने दीक्षांत भाषण में, पूर्व स्कूल राज्य मंत्री और पूर्व सांसद, यूके आरटी. माननीय. निक गिब ने कीसकी 'भारत के शीर्ष शैक्षणिक संस्थानों में से एक' के रूप में सराहना की और भारत के आर्थिक विकास को आगे बढ़ाने में शिक्षा की महत्त्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया। 'आज, ४३ मिलियन छात्र भारतीय उच्च शिक्षण संस्थानों में अध्ययनरत हैं,' उन्होंने स्नातकों से सीखने के लिए आजीवन प्रेम विकसित करने का आग्रह करते हुए मंतव्य दिया।

डॉक्टरेट की मानद उपाधि प्राप्त करते समय श्री ढोलकिया ने छात्रों को सफलता के लिए ५ मंत्र दिए। हमेशा अपने आप को सर्वश्रेष्ठ समझें, सोचें कि आपके लिए सब कुछ संभव है, भगवान हमेशा आपके साथ हैं, आप विजयी हो सकते हैं और आज आपके लिए एक नया दिन है - उन्होंने छात्रों को इन ५ मंत्रों का समर्पण के साथ पालन करने की नेक सलाह दी। उन्होंने कहा कि इस सम्मान ने मुझे भविष्य में और भी अधिक समाज की सेवा करने के लिए प्रेरित किया है।

आमंत्रित विशिष्टअतिथि, आरटी. माननीय. यूके के सांसद एलन गैमेल ने शिक्षा के माध्यम से हांसिए पर रहने वाले समुदायों को सशक्त बनाने के लिए उनके अथक समर्पण के लिए कीटऔर कीसके संस्थापक डॉ. अच्युता सामंत की सराहना करते हुए उन्हें 'एक

सच्चा दूरदर्शी और सामाजिक ट्रांसफार्मर' बताया।डॉ. जेफरी बी. लिबमैन, हार्वर्ड केनेडी स्कूल, यूएसए में सार्वजनिक नीति के प्रोफेसर रॉबर्ट डब्ल्यू. स्क्रिवनर ने कीसके अनूठे मिशन को रेखांकित किया। 'कीससभी भारतीयों, विशेष रूप से समाज के वंचित वर्गों के बच्चों को शिक्षित करने के लिए खड़ा है,' उन्होंने सीखने के लिए संस्थान के समावेशी दृष्टिकोण की सराहना करते हुए कहा। कीटऔर कीटके संस्थापक डॉ. अच्युता सामंत के अलावा, दीक्षांत समारोह में उपराष्ट्रपति ने भी भाग लिया। कीटऔर कीसके उपाध्यक्ष उमापद बोस, सचिव आर.एन. दाश, कीस डीम्ड विश्वविद्यालय के चांसलर सत्या त्रिपाठी, प्रो-चांसलर प्रोफेसर अमरेश्वर गल्ला, कुलपति प्रोफेसर दीपक कुमार बेहरा और कुलसचिव डॉ. पी.के. राउतराय आदि उपस्थित थे।

-अशोक पाण्डेय

महान् शिक्षाविद् प्रो.अच्युत सामंत का वास्तविक जीवन- दर्शन : अन्तर्राष्ट्रीय ऑर्ट ऑफ गिविंग

अपने-अपने जीवन को सफल बनाने की लालसा संग उपदेश प्राप्ति हेतु एकबार देव, मानव और दानव एकसाथ ब्रह्मा जी के पास गये। तीनों को ब्रह्मा जी ने 'द' का उपदेश दिया। तीनों उपदेश प्राप्त कर अपने-अपने लोकों में वापस लौट आए। देवताओं ने 'द' का उपयोग दमन के रूप में आरंभ कर दिया अर्थात इंद्रियों के दमन के रूप में। मनुष्य ने 'द' का प्रयोग दान के रूप में आरंभ कर दिया और दानवों ने 'द' का प्रयोग दया के रूप में आरंभ कर दिया। गौरतल ब है कि तभी से देने का संदेश इस सृष्टि में आरंभ हुआ जो आज भी चल रहा है और भविष्य में भी चलेगा। इस सृष्टि की सबसे विचित्र बात यह है कि यहां पर सभी लेना चाहते हैं, कोई देना नहीं चाहता।

सबसे उल्लेखनीय बात यह है कि भारतवर्ष के ओड़िशा प्रदेश की स्मार्ट सिटी राजधानी भुवनेश्वर स्थित दो विश्व विख्यात डीम्ड विश्वविद्यालयों, कीट-कीस के प्राणप्रतिष्ठाता हैं प्रो.अच्युत सामंत जो पूर्व में राज्यसभा के सासंद भी थे तथा ओड़िशा प्रदेश के आदिवासी बाहुल्य कंधमाल संसदीय क्षेत्र के पूर्व लोकसभा सांसद भी थे। महान् शिक्षाविद् प्रो. अच्युत सामंत का वास्तविक जीवन-दर्शन ऑर्ट ऑफ गिविंग की शुरुआत २०१३ की १७ मई से उनके द्वारा बेंगलुरु से आरंभ होकर आज एक सामाजिक आंदोलन का रुप लेकर पूरे विश्व में व्याप्त हो चुका है। इस सामाजिक आंदोलन को स्वेच्छापूर्वक, प्रेमपूर्वक तथा हर्षोल्लासपूर्वक सभी मनाते हैं।

आॅर्ट ऑफ गिविंग जीवन दर्शन में देनेवाला देने में स्वयं में खुशी की अनुभूति करता है, अपनेआप में आनंद का अहसास करता है। यह अनोखा जीवन-दर्शन गांधीवाद की तरह जन-जन के लिए प्रेम, मैत्री, सद्भाव, परोपकार, सहयोग और आत्मीयता का यथार्थ पर्याय बन चुका है। इस जीवन दर्शन के मूल में है महान् शिक्षाविद् प्रो.अच्युत सामंत का विदेह जीवन जो उनके निम्न व्यक्तिगत विलक्षण गुणों जैसेः सदा उनके चेहरे पर मुस्कान रहती है, वे सदा दाहिने हाथ से दान देते हैं, उनकी मधुर वाणी में सत्यता और मधुरता रहती है, वे सदैव जगन्नाथ भगवान तथा हनुमान जी पूजा करते हैं और उनके हृदय में मानव सेवा और मानवता की अटूट सेवा की ललक रहती है।

वे हमेशा सद्ग्रंथों, सद्गुरुओं और शाश्वत जीवन मूल्यों का आदर-सम्मान करते हैं। वे पूरी स्त्यनिष्ठा के साथ कलम, तलवार और सूई के अलग- अलग महत्त्वों को जानते, समझते और उनको अपने व्यक्तिगत जीवन में अक्षरशः अपनाते भी हैं जिनके बदौलत उन्हें अबतक भारत समेत पूरे विश्व के अनेक नामचीन विश्वविद्यालयों से कुल ६१ मानद डॉक्टरेट की डिग्री भी मिल चुकी है जो भारत के किसी भी महान शिक्षाविद् के लिए एक राष्ट्रीय कीर्तिमान है। आज भारतवर्ष को विकासशील से विकसित बनाने के लिए महान् शिक्षाविद् प्रो.अच्युत सामंत के वास्तविक जीवन-दर्शनःऑर्ट गिविंग को अपनाने की सख्त आवश्यकता है।

-अशोक पाण्डेय

हेमंत सोरेन की चौथी पारी

'बांग्लादेशी घुसपैठ' की रणनीति हुई फेल, आदिवासी सीटों पर बीजेपी का सफ़ाया

३१ जनवरी २०२४ को भूमि घोटाले के आरोपों के बाद प्रवर्तन निदेशालय ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी से ऐन पहले उन्होंने पद से त्यागपत्र दिया। हालांकि, जून महीने में सोरेन को बड़ी राहत के रूप में जमानत मिल गई और २८ जून को उन्हें जेल से रिहा कर दिया गया। चंपई सोरेन ने ३ जुलाई २०२४ को झारखंड के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। ४ जुलाई को हेमंत सोरेन तीसरी बार झारखंड के मुख्यमंत्री बन गए। हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों में हेमंत सोरेन के झामुमो के नेतृत्व वाले गठबंधन ने ८१ सदस्यीय विधानसभा में ५६ सीटें हासिल करके जीत दर्ज की। महागठबंधन ने भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए को २४ सीटों पर ही सीमित कर दिया। हेमंत सोरेन ने बरहेट सीट से चुनाव लड़ा और भाजपा के गमलील हेम्ब्रोम को ३९,७९१ मतों के अंतर से हराया। उनकी पत्नी कल्पना सोरेन ने भी गांडेय विधानसभा सीट से जीत हासिल की। अब गुरुवार को शपथ लेने के साथ ही उनकी चौथी पारी शुरू हो गई है। झारखंड के इतिहास में ऐसा पहली बार है। इस नए नवेले राज्य के २४ साल के इतिहास में तीन चेहरे तीन-तीन बार मुख्यमंत्री रह चुके हैं।

झारखंड में गुरुवार को नई सरकार की ताजपोशी हो गई। हालिया विधानसभा चुनावों में जीत दर्ज करने वाले झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेता हेमंत सोरेन ने गुरुवार को चौथी बार राज्य के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। सोरेन को इसी साल ३१ जनवरी को जमीन घोटाले से जुड़े धन शोधन के मामले में ईडी ने गिरफ्तार कर लिया था जिसके बाद उन्हें मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा था। हालांकि, जेल से बाहर आने पर हेमंत ने ४ जुलाई को चंपई सोरेन की जगह ली। २३ नवंबर को आए नतीजों के बाद फिर वह मुख्यमंत्री बन गए हैं।

झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेता हेमंत सोरेन चौथी बार झारखंड के मुख्यमंत्री बन गए हैं। वे राज्य के तीन बार के सीएम शिबू सोरेन के बेटे हैं। हेमंत सोरेन के प्रारंभिक जीवन को देखें तो उनका जन्म १० अगस्त १९७५ को शिबू सोरेन और रूपी सोरेन के घर हुआ था। हेमंत ने १९९० में पटना एमजी हाई स्कूल से मैट्रिक की पढ़ाई की। इसके बाद १९९४ में पटना हाई स्कूल से इंटरमीडिएट की पढ़ाई पूरी की। उन्होंने रांची के बीआईटी (मेसरा) में मैकेनिकल इंजीनियरिंग में दाखिला लिया, लेकिन कुछ कारणों से पढ़ाई पूरी नहीं कर पाए। पढ़ाई के बाद हेमंत ने इंजीनियरिंग फर्मों के साथ काम किया। हेमंत की शादी कल्पना सोरेन से हुई है और उनके दो बेटे हैं। हेमंत की पत्नी कल्पना भी इस चुनाव में गांडेय विधानसभा सीट से जीती हैं।

हेमंत सोरेन को राजनीति विरासत में मिल ी। उनके पिता शिबू सोरेन खुद तीन बार झारखंड के मुख्यमंत्री रहे। इसके अलावा हेमंत के बड़े भाई दिवंगत दुर्गा सोरेन भी विधायक थे। हेमंत ने २००५ में दुमका से स्टीफन मरांडी के खिलाफ अपना पहला

चुनाव लड़ा, जिसमें वे हार गए। जून २००९ में वे राज्यसभा के सदस्य बने। हालांकि, २००९ के अंत में हुए विधानसभा चुनाव में वह दुमका सीट से विधायक चुने गए। विधायक चुने जाने के बाद हेमंत सोरेन ने राज्यसभा की सदस्यता छोड़ दी।

अर्जुन मुंडा के तीसरे कार्यकाल में सितंबर २०१० से जनवरी २०१३ तक हेमंत झारखंड के उपमुख्यमंत्री रहे। इसके बाद कांग्रेस और राजद के समर्थन से हेमंत सोरेन झारखंड के मुख्यमंत्री बन गए। जुलाई २०१३ में उन्होंने पहली बार झारखंड के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। हेमंत का पहला कार्यकाल करीब १७ महीने का रहा।

इसके बाद २०१४ में हुए विधानसभा चुनाव में झामुमो को हार झेलनी पड़ी और भाजपा को जीत मिली। हालांकि, सोरेन बरहेट सीट से झामुमो के विधायक चुने गए। उन्होंने रघुबर दास सरकार के दौरान जनवरी २०१५ से दिसंबर २०१९ तक झारखंड विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष की जिम्मेदारी निभाई।

झारखंड में पिछला विधानसभा चुनाव २०१९ में हुआ था जिसमें हेमंत सोरेन के झामुमो को जीत मिली। इस जीत के बाद झामुमो ने कांग्रेस और राजद के साथ मिलकर राज्य में महागठबंधन की सरकार बनाई, जिसके मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन बने। २९ दिसंबर २०१९ को हेमंत सोरेन ने दूसरी बार झारखंड के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली।

हेमंत सोरेन का दूसरा कार्यकाल काफी चुनौतियों वाला रहा। २०२२ में चुनाव आयोग ने झारखंड के तब के राज्यपाल रमेश बैस को एक याचिका पर अपनी राय भेजी थी जिसमें मांग की गई कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को खुद को एक खनन पट्टा देकर चुनावी कानून का उल्लंघन करने के लिए विधायक के रूप में अयोग्य ठहराया जाए। हेमंत की मुश्किलें यहीं कम नहीं हुईं।

झारखंड में बीजेपी को आदिवासी समुदायों के लिए आरक्षित सीटों (ST reserved seats) पर बुरी हार झेलनी पड़ी है. झारखंड में आदिवासी मतदाता ने इस थ्योरी को खारिज कर दिया है. इस चुनाव में बीजेपी ने अपनी पुरानी सीटों को भी खो दिया है. २३ नवंबर २०२४ को घोषित झारखंड विधानसभा चुनाव के नतीजों से यह साफ़ है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का संथाल परगना क्षेत्र में 'बांग्लादेशी घुसपैठ' का मुद्दा आदिवासी (ST) के वोटरों को गोल बंद करने में असफल रहा.झारखंड की अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित २८ सीटों में से भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (NDA) को २७ पर हार का सामना करना पड़ा.

भाजपा ने इन २८ सीटों में से २५ पर चुनाव लड़ा, जो संथाल परगना, कोल्हान, दक्षिण छोटानागपुर और पलामू क्षेत्रों में फैली थीं. इन सीटों पर पार्टी को केवल सरायकेला सीट पर जीत मिली. यहां पर पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन जीते हैं. चंपई सोरेन की जीत को भी बीजेपी की जीत से ज़्यादा उनकी व्यक्तिगत जीत माना जा रहा है.

चंपई सोरेन ने झारखंड मुक्ति मोर्चा (JMM) छोड़कर भाजपा का दामन थामा था. वे २०,००० से अधिक मतों के अंतर से विजयी हुए हैं.

खूंटी और तोरपा सीटें, जो २०१९ में भाजपा के पास थीं, इस बार JMM ने जीत ली हैं. इस तरह एऊ सीटों पर NDA का आंकड़ा २०१९ के तीन से घटकर केवल एक रह गया. संथाल परगना क्षेत्र की अधिकांश सीटें पश्चिम बंगाल से सटी हुई हैं. इस क्षेत्र में INDIA गठबंधन (JMM-कांग्रेस-राजद) ने ५२% वोट शेयर हासिल किया. यह वोट शेयर २०१९ के विधान सभा चुनाव के मुकाबले १२% अधिक है.

भाजपा को इस क्षेत्र में आदिवासी समुदायों के लिए आरक्षित सीटों पर ही नहीं बल्कि सामान्य सीटों पर भी बड़ा नुकसान हुआ. राजमहल, सारठ और गोड्डा जैसी सीटें इस चुनाव में बीजेपी ने गंवा दीं हैं. राजमहल में भाजपा के अनंत कुमार ओझा को, जो २००९ से इस सीट पर जीतते आ रहे थे, उन्हें JMM के मोहम्मद ताजुद्दीन ने ४३,००० से अधिक वोटों के अंतर से हराया है. सारठ सीट JMM और गोड्डा सीट राजद ने भाजपा से छीन ली हैं. संथाल परगना की १८ विधानसभा सीटों में से व्श्श-कांग्रेस-राजद गठबंधन ने १७ पर जीत हासिल की है. भाजपा केवल जरमुंडी सीट जीत पाई, जिसे कांग्रेस ने २०१४ और २०१९ में जीता था.

झारखंड की जीत में कल्पना सोरेन और टीम को श्रेय जाता है- हेमंत सोरेन

भाजपा ने इस चुनाव में 'संथाल परगना में बांग्लादेशी घुसपैठ' के मुद्दे को मुख्य चुनावी एजेंडा बनाया. इसे झारखंड की आदिवासी पहचान, 'रोटी, बेटी और माटी' की सुरक्षा और अपराध, भूमि कब्जा, व सांस्कृतिक पर खतरा से जोड़ा था.

झारखंड विधानसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन ने शानदार प्रदर्शन किया है. इससे साफ है कि राज्य में एक बार फिर हेमंत सोरेन के नेतृत्व में सरकार बनने जा रही है. इस जीत का जितना श्रेय हेमंत सोरेन को जाता है, उससे ज़्यादा चर्चा कल्पना सोरेन के योगदान की हो रही है. झारखंड में ४९ वर्षीय मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का दूसरे कार्यकाल के लिए स्वागत किया जा रहा है क्योंकि झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेतृत्व वाला उनका गठबंधन विधानसभा की ८१ सीटों में से ५७ पर आगे चल रहा है. उन्होंने कहा कि इस जीत के लिए हमने अपना होमवर्क किया था और अपने लक्ष्य निर्धारित किए थे. हम जानते थे कि यह लड़ाई मुश्किल होने वाली है इसलिए हमने अपनी टीम के साथ बहुत सारा ग्राउंड वर्क किया. यह बहुत बढ़िया टीम वर्क था और हमने वह संदेश दिया जो हम देना चाहते थे.

सोरेन ने कहा कि आपने देखा कि हमने लोकसभा चुनावों में कैसा प्रदर्शन किया (झामुमो-कांग्रेस गठबंधन ने १४ में से ५ सीटें जीतीं); अगर मैं जेल से बाहर होता तो हम बहुत बेहतर प्रदर्शन कर सकते थे. उस समय मेरी पत्नी कल्पना सोरेन ने वन-मैन आर्मी के रूप में काम किया और इस बार हम दो लोग थे.

जब उनसे पूछा गया कि प्रचार अभियान में भाजपा ने ज्यादातर घुसपैठ (बांग्लादेशियों द्वारा) के बारे में बात की ताकि आदिवासी वोटों को विभाजित किया जा सके. क्या आपको लगता है कि यह उनके लिए एक समस्या बन गई? तो उन्होंने कहा कि हां, मुख्य बात यह है कि लोग किसकी बात सुन रहे हैं और वे इससे क्या सीखते हैं. मतदाता और नेता के बीच का रिश्ता क्लास के टीचर और स्टूडेंट जैसा होना चाहिए, एक तरह का समन्वय ज़रूरी है और शिक्षक को छात्र की जरूरतों को समझने में सक्षम होना चाहिए.

लोगों ने देखा कि पिछले पांच सालों में हम उनके साथ कैसे थे, उन्होंने हमें बहुत करीब से देखा. यह एक क्षेत्रीय चुनाव भी था इसलिए यह अलग था. हर मुद्दा जो मतदाताओं के दिमाग में चल रहा था, हमने सुनिश्चित किया कि हम उन सवालों का जवाब दें. हमने उन चीजों पर ध्यान केंद्रित किया जो भाजपा गलत कर रही थी और इस बात पर जोर दिया कि हम क्या सही कर रहे हैं.

मैय्या सम्मान योजना के बारे में सोरेन ने कहा कि हमारा राज्य भारत के सबसे गरीब राज्यों में से एक है. यहां हर रुपये का बहुत महत्व है, खासकर ऐसी महंगाई के समय में. हमने पहले ही तय कर लिया था कि सामाजिक सुरक्षा हमारी मुख्य प्राथमिकता होगी और इसलिए हमने इस कार्यक्रम पर ध्यान केंद्रित किया और देख रहे हैं कि यह कैसे काम करता है.

जब सोरेन से पूछा गया कि क्या इस चुनाव को लेकर उनके ऊपर बहुत दबाव था तो उन्होंने कहा कि हां, बहुत. मैं आपको बता भी नहीं सकता कि कितना. जब मैं भाषण देता था, तो ऐसा लगता था कि मेरे अंदर खून बह रहा है. यह बहुत मुश्किल था. मुझे नहीं लगता कि मैंने ऐसा चुनाव देखा है और मुझे नहीं लगता कि मैं कभी देखूंगा.

आदिवासी समाज झामुमो का कोर वोट बैंक है. लेकिन हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी को जेएमएम ने आदिवासी अस्मिता से जोड़ दिया. जेएमएम के इस दांव से आदिवासी वोटबैंक पर हेमंत और उनकी पार्टी की पकड़ और भी मजबूत हुई. लोकसभा चुनाव में आदिवासी बहुल इलाकों में जेएमएम और इंडिया ब्लॉक का प्रदर्शन अच्छा रहा था. हेमंत सोरेन के जेल जाने से पहले तक उनकी पत्नी कल्पना सोरेन की इमेज एक कुशल गृहिणी की थी. सियासत से दूर रहने वाली कल्पना पति के जेल जाने के बाद सियासत में एक्टिव हुईं. कल्पना के सियासत में आने से भी हेमंत को ताकत मिली. कल्पना न सिर्फ चुनावी रैलियों के मामले में पति हेमंत के साथ कदम से कदम मिलाकर चलती दिखीं बल्कि बीजेपी का साइलेंट वोटर मानी जानेवाली महिला मतदाताओं को जेएमएम के पक्ष में करने में सफल रहीं.

राष्ट्रीय हिंदी मासिक पत्रिका

स्वर्णिम मुंबई

प्रतियोगिता नंबर-90

सभी के लिए सुनहरा अवसर!

दीजिए आसान से सवालों का जवाब और

जीतिये 1,000/- का नकद इनाम!

१. सत्यार्थ प्रकाश की रचना किसने की ?

२. भोर का तारा (morning star) किस गृह को कहा जाता है ?

३. जोग जल प्रताप किस राज्य में है ?

४. अस्टध्यायी किसकी रचना है ?

५. भारत का प्रथम परमाणु बिजलीघर कहा प्रारंभ किया गया ?

६. किस क्रांति के दोरान स्वतंत्रता, समानता और भ्रातत्व के सिधांत का प्रतिपादन किया गया ?

७. रामकृष्ण मिसन की स्थापना किसने की ?

८. भारत में हरित क्रांति का जनक किसे कहा जाता है ?

९. भारत में स्थापित प्रथम नेशनल पार्क कोनसा है ?

१०. वे छोटे आकाशीय पिंड जो मंगल और बृहस्पति के बीच पाए जाते है ?

११. तट रेखा से समुद्र में वह अधिकतम दूरी कितनी है जहा तक किसी देश का अनन्य आर्थिक क्षेत्र फैला होता है ?

१२. भारतीय संविधान में कितने अनुछेद है ?

१३. किस वर्ष पुर्तगाली बस्तियों का भारत में विलय हुआ ?

१४. गाँधी जी किस आन्दोलन के दोरान भूख हड़ताल को सर्वप्रथम सत्त्याग्रह के रूप में प्रयोग किया ?

१५. अहमदावाद आन्दोलन के दोरान वल्लभ भाई पटेलको सरदार की उपाधि किसने दी ?

आपके द्वारा सही जवाब की पहेली इस माह की २५ तारीख तक डाक द्वारा हमारे कार्यालय में पहुंच जानी चाहिए। भरी गयी पहेली का रिजल्ट लॉटरी सिस्टम द्वारा निकाला जाएगा। विजेता के नाम और सही हल अगले माह के अंक में प्रकाशित किये जाएंगे। परिजन विजेता बच्चे का फोटो व उसका पहचान पत्र लेकर हमारे कार्यालय में आएं और मुंबई के बाहर रहने वाले विजेता अपने पहचान पत्र की सत्यापित प्रति डाक या मेल से निम्न पते पर भेजें।

Add: A-102, A-1 Wing ,Tirupati Ashish CHS. , Near Shahad Station Kalyan (W) , Dist: Thane, PIN: 421103, Maharashtra.
Phone: 9082391833 , 9820820147
E-mail: swarnim_mumbai@yahoo.in, mangsom@rediffmail.com
Website: swarnimumbai.com

नामः..

पूरा पताः ....

....

....

....

फोन नं.: ....

Ram Creations
Jewelry & Gifts
28974 Orchard Lake Rd, Farmington Hills | ramcreations.com | (248) 851-1400

WORLD PLAYER
WORLD PLAYER
MENSWEAR
MEGABUY
₹149-499
SAVE
₹ 100
MENS 100% CORDUROY
16 WALE WASHED SHIRTS
MRP ₹ 599
MEGABUY
₹ 499
SAVE
₹ 100
MENS 100% COTTON
SEMI FORMAL SHIRTS
MRP ₹ 599
MEGABUY
₹ 499
SAVE
₹ 100
MENS FORMAL
TROUSERS
MRP ₹ 699
MEGABUY
₹ 599

U-Tropicana-Beach-Resort-in-Alibaug

One of the most beautiful resorts near Mumbai for family is the U Tropicana at Alibaug

सूरत में १४ फर्जी डॉक्टर गिरफ्तार: ₹७० हजार में डिग्री देने वाले गिरोह का भंडाफोड़; ८वीं पास भी इलाज कर रहा था

गुजरात पुलिस ने सूरत से डॉक्टरी की फर्जी डिग्री देने वाले एक गिरोह का भंडाफोड़ किया है। यह गिरोह पिछले ३२ साल से कम पढ़े-लिखे बेरोजगारों को ७० हजार में फर्जी डिग्रियां देने का काम कर रहा था। रजिस्ट्रेशन रिन्यू करवाने के लिए ५ हजार रुपए फीस भी लेता था। इनमें से एक तो आठवीं पास है। वहीं एक फर्जी डॉक्टर शमीम अंसारी भी शामिल है, जिसके गलत इलाज की वजह से कुछ दिन पहले एक बच्ची की मौत हो गई थी। इस मामले में अब तक कुल १३ लोगों को गिरफ्तार किया है।

गिरोह के २ मुख्य आरोपी डॉ. रमेश गुजराती और बीके रावत के पास से पुलिस को सैकड़ों एप्लिकेशन और सर्टिफिकेट मिले हैं। यह गिरोह अब तक १२०० लोगों को फर्जी डॉक्टरी सर्टिफिकेट दे चुका था। पुलिस ने खबर मिलने पर पांडेसरा में ३ क्लिनिक पर छापा मारा। जहां इनके पास से बैचलर ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथी मेडिसिन एंड सर्जरी के सर्टिफिकेट मिले, जिन्हें सूरत के ही २ डॉक्टरों ने जारी किया था।

इनकी जांच करने पर पता चला कि जो सर्टिफिकेट इन्हें दिया गया था, वह गुजरात सरकार से मान्यता प्राप्त नहीं है। पुलिस के साथ छापा मारने गई टीम ने भी कहा कि डिग्री फर्जी है। पकड़े गए आरोपी डॉ. रमेश गुजराती ने पुलिस के सामने कबूल किया कि उसने १९९० के दशक में BHMS की पढ़ाई की थी। वह कई ट्रस्ट में वक्ता के तौर पर काम करता रहा, लेकिन जब इससे ज्यादा मुनाफा नहीं हुआ तो उसने इलेक्ट्रो होम्योपैथी के क्षेत्र में कदम रखा। उसने यह गिरोह इसलिए शुरू किया क्योंकि भारत सरकार या राज्य सरकार ने इलेक्ट्रो होम्योपैथी के लिए कोई नियम लागू नहीं किए हैं। गुजराती ने २००२ में गोपीपुरा इलाके में एक कॉलेज शुरू किया था, लेकिन छात्रों की कमी के कारण कॉलेज बंद हो गया। इसके बाद उसने रावत के साथ मिलकर डिग्रियां बेचने का धंधा शुरू कर दिया।पुलिस को रमेश के घर से ७ रजिस्ट्रेशन बुक्स, १५ रीन्यूएबल कार्ड, खाली सर्टिफिकेट और कई जेरोक्स भी मिले। - (पेज ४३ पर)

इनकी जांच करने पर पता चला कि जो सर्टिफिकेट इन्हें दिया गया था, वह गुजरात सरकार से मान्यता प्राप्त नहीं है। पुलिस के साथ छापा मारने गई टीम ने भी कहा कि डिग्री फर्जी है। पकड़े गए आरोपी डॉ. रमेश गुजराती ने पुलिस के सामने कबूल किया कि उसने १९९० के दशक में BHMS की पढ़ाई की थी। वह कई ट्रस्ट में वक्ता के तौर पर काम करता रहा, लेकिन जब इससे ज्यादा मुनाफा नहीं हुआ तो उसने इलेक्ट्रो होम्योपैथी के क्षेत्र में कदम रखा।

प्रियंका ने ली संसद में एंट्री

वायनाड में बड़ी जीत

सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा का संसद में एक साथ होना कांग्रेस पार्टी और भारतीय राजनीति में एक ऐतिहासिक क्षण है। यह गांधी परिवार की राजनीतिक विरासत का प्रतीक है और कांग्रेस के लिए एकजुटता और पुनरुत्थान का संकेत देता है। यह स्थिति पार्टी के भीतर नेतृत्व और परिवार के प्रभाव को दर्शाती है, जिससे समर्थकों में नई ऊर्जा का संचार हो सकता है। तीनों नेताओं की संयुक्त उपस्थिति कांग्रेस के लिए आगामी राजनीतिक चुनौतियों का सामना करने और अपनी स्थिति मजबूत करने की संभावना को भी उजागर करती है।

केरल के वायनाड से लोकसभा सदस्य निर्वाचित हुईं कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने आज संसद सदस्य के रूप में शपथ ग्रहण की. प्रियंका ने हिंदी भाषा में शपथ ली और इस दौरान उन्होंने संविधान की एक प्रति अपने हाथ में ले रखी थी. इस शपथ ग्रहण समारोह में पूरा गांधी परिवार संसद में मौजूद रहा और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता भी मौजूद रहे.

प्रियंका गांधी के शपथ ग्रहण समारोह के दौरान उनके भाई और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी फोटोग्राफर की भूमिका में दिखे. राहुल ने अपनी बहन की कई तस्वीरें खीचीं. शपथ के बाद नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने प्रियंका को बधाई देते हुए गले भी लगाया.

प्रियंका गांधी ने कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से भी आशीर्वाद लिया. कांग्रेस महासचिव के शपथ ग्रहण के अवसर पर उनकी मां और पार्टी संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, उनके पति रॉबर्ट वाद्रा, पुत्र रेहान राजीव वाद्रा, पुत्री मिराया वाद्रा, कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य राजीव शुक्ला और पार्टी के कुछ अन्य नेता सदन की दर्शक दीर्घा में मौजूद थे.

शपथ ग्रहण करने के बाद ५२ वर्षीय प्रियंका गांधी वाद्रा ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला का हाथ जोड़कर अभिवादन किया. शपथ के बाद प्रियंका गांधी ने कहा कि जनता के जरूरी मुद्दों को उठाना, देश और पार्टी के लिए काम करना ही उनकी प्राथमिकता रहेगी.उन्होंने संसद परिसर में संवाददाताओं से कहा कि हमारे लिए संविधान से ऊपर कुछ नहीं है. हम संविधान के उसूलों के लिए लड़ते हैं और लड़ते रहेंगे. एक सवाल के जवाब में उन्होंने यह भी कहा कि उनके सदन में पहुंचने से राहुल गांधी और कांग्रेस को मजबूती मिलेगी.

राहुल गांधी इस साल हुए लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश के रायबरेली और केरल के वायनाड से विजयी हुए थे. उन्होंने वायनाड सीट छोड़ दी जिसके बाद यहां उपचुनाव हुआ. यह पहली बार है कि संसद में गांधी-नेहरू परिवार के तीन सदस्य हैं. प्रियंका के भाई राहुल गांधी लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष हैं और उनकी मां सोनिया गांधी राज्यसभा की सदस्य हैं. प्रियंका वायनाड लोकसभा उपचुनाव में चार लाख से अधिक मतों के अंतर से जीती हैं. वह पहली बार किसी सदन की सदस्य बनी हैं. वह २०१९ के लोकसभा चुनाव से पहले सक्रिय राजनीति में उतरी थीं और उसके बाद से पार्टी महासचिव के रूप में जिम्मेदारी निभा रही हैं.

Contact: 9082391833 , 9820820147
E-mail: swarnim_mumbai@yahoo.in

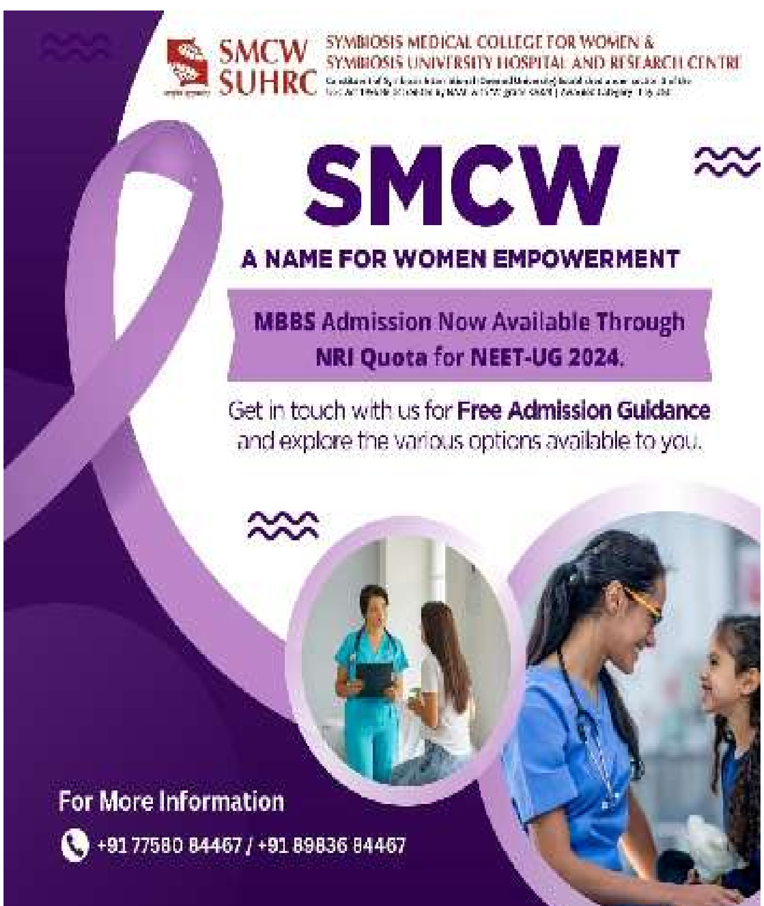

Contact: 9082391833 , 9820820147
E-mail: swarnim_mumbai@yahoo.in

रजिस्ट्रेशन वाली वेबसाइट भी फर्जी

रमेश गुजराती को पता चला कि भारत में इलेक्ट्रो-होम्योपैथी के लिए कोई नियम-कानून नहीं हैं। इसके बाद उसने इसी कोर्स में डिग्री देने के लिए एक बोर्ड बनाने की प्लानिंग की। इसके लिए उसने पांच लोगों को काम पर रखा। उन्हें इलेक्ट्रो-होम्योपैथी में ट्रेनिंग दी। ३ की जगह २ साल में ही डिग्री पूरी करवाकर उन्हें इलेक्ट्रो-होम्योपैथी दवाएं लिखने की ट्रेनिंग दी। इन्होंने ७० हजार रुपए दिए इसके बाद १५ दिन के अंदर ही उन्हें सर्टिफिकेट दे दिए गए। इनका रजिस्ट्रेशन करने वाली वेबसाइट भी फर्जी थी।

२३ नवंबरः थिएटर की जगह अस्पताल बना, डॉक्टर भी फर्जी निकले

सूरत शहर के पांडेसरा में ही फर्जी मल्टीस्पेशिलिटी अस्पताल का खुलासा हुआ। बिना किसी परमिशन के एक खंडहर थिएटर में चल रहे अस्पताल के तीनों डॉक्टर भी फर्जी निकले। तीनों के ही पास कोई मेडिकल डिग्री नहीं थी। इतना ही नहीं, इनमें से एक डॉक्टर तो सूरत और नवसारी में अवैध शराब बेचने के मामले में भी गिरफ्तार हो चुका था।

'आखरी दीया'

मोहनपुर गाँव, जहाँ छोटे-छोटे कच्चे मकानों के बीच जीवन की सादगी बसी थी। उसी गाँव के एक कोने में एक छोटा-सा घर था, जिसमें मोहन अपनी बूढ़ी माँ, कमला के साथ रहता था। मोहन की माँ कमला गाँव की सबसे समझदार और मेहनती महिला मानी जाती थी, जिसने अपनी पूरी ज़िंदगी संघर्ष में बिता दी थी। मोहन का जीवन भी माँ की देखभाल में बीत रहा था। उसने अपनी पढ़ाई छोड़ दी थी ताकि माँ की सेवा और खेत की देखभाल कर सके। माँ उसकी दुनिया थी, और मोहन उसकी माँ के सिवा किसी और चीज़ के बारे में सोच भी नहीं पाता था।

पिछले कुछ महीनों से माँ की तबीयत बहुत बिगड़ चुकी थी। बुढ़ापे ने उनकी हड्डियों को कमजोर कर दिया था, लेकिन मन की शक्ति वही थी। मोहन हर दिन उन्हें नहलाता, खाना खिलाता और शाम को घर के बाहर नीम के पेड़ के नीचे चारपाई पर ले जाकर बैठा देता। वहाँ माँ और मोहन घंटों बातें करते रहते थे - गाँव की पुरानी यादें, पिता की बातें, जो अब इस दुनिया में नहीं थे, और मोहन के बचपन की बातें।

एक दिन डॉक्टर ने मोहन को एक ओर बुलाकर कहा, 'बेटा, तुम्हारी माँ अब ज्यादा दिन नहीं रह पाएंगी। उनकी उम्र और बीमारियाँ दोनों ही उनके साथ नहीं हैं। अब बस उनका अंतिम समय सहज बना दो। जितना हो सके, उन्हें खुशी दो।' यह सुनते ही मोहन के पैरों तले ज़मीन खिसक गई। उसे लगा कि उसकी दुनिया उजड़ने वाली है।

लेकिन उसने खुद को संभाला और सोचने लगा कि आखिर माँ को इस समय कौन-सी खुशी दी जा सकती है। उसने अपने सारे खेत बेचने का सोच लिया ताकि माँ को अच्छे डॉक्टर से इलाज और आराम मिल सके, पर उसकी माँ को यह बात मंजूर नहीं थी।

शाम को मोहन माँ के पास बैठा था। माँ ने उसके चेहरे पर चिंता की लकीरों को महसूस किया और धीमे से मुस्कुराते हुए बोली, 'बेटा, ये सब क्यों कर रहा है? आखिर तू खुद को इस तरह क्यों तड़पा रहा है?' मोहन का दिल भर आया। उसने माँ से कहा, 'माँ, मैं चाहता हूँ कि आप ठीक हो जाएँ। आपके बिना मैं क्या करूंगा?' माँ ने उसके सिर पर हाथ फेरते हुए कहा, 'तू मेरे बिना भी वैसा ही रहेगा जैसा मैं चाहती थी। तेरे अंदर मेरी परछाई हमेशा रहेगी। जिंदगी का सफर तो सभी को अकेले ही तय करना पड़ता है, बेटा। पर तू जब भी मुझे याद करेगा, तुझे मेरी बातें याद आएंगी।'

कुछ दिन बाद माँ की हालत और भी बिगड़ गई। एक रात उन्होंने मोहन को अपने पास बुलाया और कहा, 'बेटा, अब मेरा समय आ गया है। एक आखिरी ख्वाहिश है मेरी - तू मेरी तरह जीना सीख ले। तू गाँववालों के लिए वही दीया बनना जो इस अंधेरे में रोशनी बिखेरे।' मोहन के दिल में उस पल एक संकल्प जागा। उसने माँ का हाथ पकड़ा और आँखों में आँसू लिए कहा, 'माँ, मैं आपके नाम को इस गाँव में हमेशा जीवित रखूंगा।'

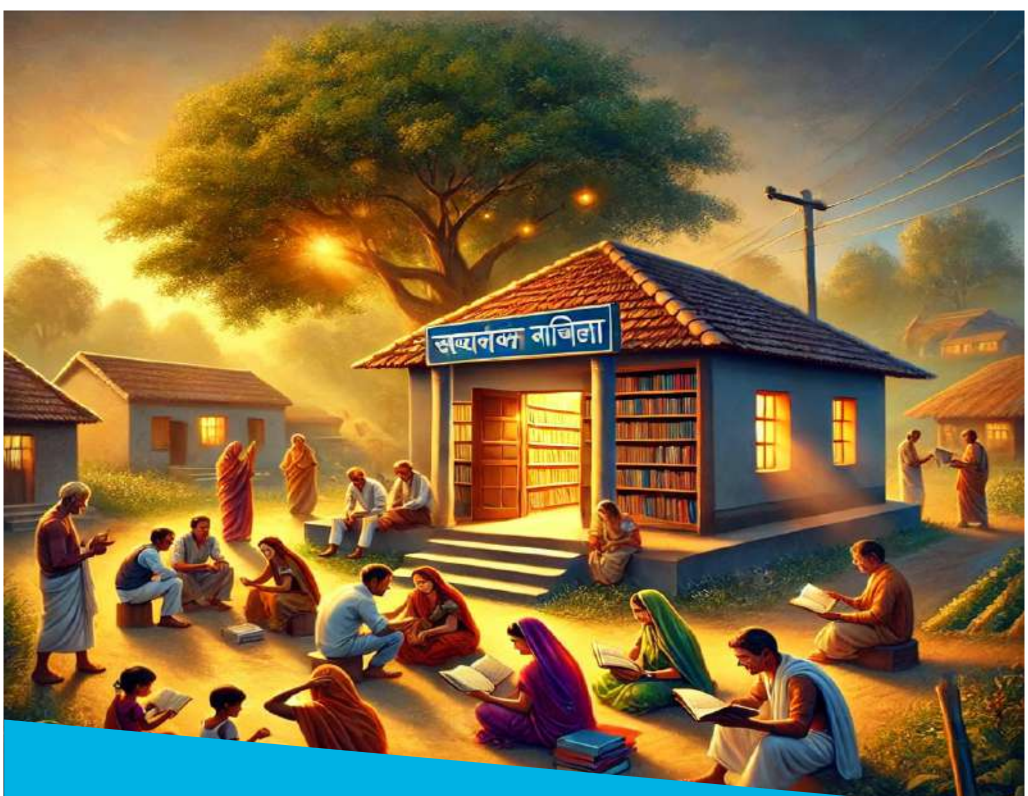

अगले दिन सुबह माँ ने अपने बेटे के हाथों में हाथ थामे हुए ही इस दुनिया को अलविदा कह दिया। मोहन ने माँ की अंतिम क्रिया की और उसके बाद गाँववालों के लिए उनके नाम पर एक पुस्तकालय खुलवाने का निश्चय किया। यह पुस्तकालय गाँववालों के लिए शिक्षा की रोशनी बन गया। माँ के जाने के बाद भी मोहन ने अपने जीवन को उसी ध्येय के अनुसार गढ़ा, जैसा उसकी माँ ने उसे सिखाया था। आज भी, गाँव का हर बच्चा, हर व्यक्ति उस पुस्तकालय में जाकर अपनी माँ को देखता है और महसूस करता है कि माँ के आशीर्वाद की वो आखिरी दीया कभी बुझने नहीं वाला। ■

Good Vibes Onion Hairfall Control Oil I Strengthening I Hair Growth I No Parabens, No Sulphates, No Mineral Oil, No Animal Testing (100 ml)

Good Vibes Argan Oil Hairfall Control Vitalizing Serum I Frizz Control, Shine, Stregthening I No Parabens, No Sulphates, No Animal Testing (50 ml)

शरणागत

मुश्किल से एक चमार काफ़ी किराया लेकर ललितपुर गाड़ी ले जाने के लिए राज़ी हुआ। इतने में दुपहर हो गई! उसकी पत्नी को ज़ोर का बुखा़र हो आया। वह जाड़े के मारे थर-थर काँप रही थी, इतनी कि रज्जब की हिम्मत उसी समय ले जाने की न पड़ी। गाड़ी में अधिक हवा लगने के भय से रज्जब ने उस समय तक के लिए यात्रा को स्थगित कर दिया, जब तक कि उस बेचारी की कम-से-कम कँपकँपी बंद न हो जाए। घंटे-डेढ़-घंटे बाद उसकी कँपकँपी तो बंद हो गई, परंतु ज्वर बहुत तेज़ हो गया। रज्जब ने अपनी पत्नी को गाड़ी में डाल दिया और गाड़ीवान से जल्दी चलने को कहा। गाड़ीवान बोला- 'दिन-भर तो यही लगा दिया। अब जल्दी चलने को कहते हो!' रज्जब ने मिठास के स्वर में उससे फिर जल्दी करने के लिए कहा। वह बोला- 'इतने किराए में काम नहीं चलेगा। अपना रुपया वापस लो। मैं तो घर जाता हूँ।'

रज्जब क़साई अपना रोज़गार करके ललितपुर लौट रहा था। साथ में स्त्री थी, और गाँठ में दो सौ-तीन सौ की बड़ी रक़म। मार्ग बीहड़ था, और सुनसान। ललितपुर काफ़ी दूर था, बसेरा कहीं न कहीं लेना ही था; इसलिए उसने मड़पुरा-नामक गाँव में ठहर जाने का निश्चय किया। उसकी पत्नी को बुख़ार हो आया था, रक़म पास में थी, और बैलगाड़ी किराए पर करने में ख़र्च ज़्यादा पड़ता, इसलिए रज्जब ने उस रात आराम कर लेना ही ठीक समझा।

परंतु ठहरता कहाँ? जात छिपाने से काम नहीं चल सकता था। उसकी पत्नी नाक और कानों में चाँदी की बालियाँ डाले थी, और पैजामा पहने थी। इसके सिवा गाँव के बहुत-से लोग उसको पहचानते भी थे। वह उस गाँव के बहुत-से कर्मण्य और अकर्मण्य ढोर ख़रीद कर ले जा चुका था।

अपने व्यवहारियों से उसने रात-भर के बसेरे के लायक़ स्थान की याचना की। किसी ने भी मंज़ूर न किया। उन लोगों ने अपने ढोर रज्जब को अलग-अलग और लुके-छिपे बेचे थे। ठहरने में तुरंत ही तरह-तरह की ख़बरें फैलतीं, इसलिए सबों ने इंकार कर दिया।

गाँव में एक ग़रीब ठाकुर रहता था। थोड़ी-सी ज़मीन थी, जिसको किसान जोते हुए थे। जिसका हल-बैल कुछ भी न था। लेकिन अपने किसानों से दो-तीन साल का पेशगी लगान वसूल कर लेने में ठाकुर को किसी विशेष बाधा का सामना नहीं

Festive Collection
WELCOME THE FESTIVITIES WITH A BURST OF GLAMOUROUS COLOUR
SHOP NOW
www.festivacollection.com

करना पड़ता था। छोटा-सा मकान था, परंतु उसको गाँव वाले गढ़ी के आदर व्यंजक शब्द से पुकारा करते थे, और ठाकुर को डर के मारे 'राजा' शब्द संबोधन करते थे।

शामत का मारा रज्जब इसी ठाकुर के दरवाज़े पर अपनी ज्वरग्रस्त पत्नी को लेकर पहुँचा।

ठाकुर पौर में बैठा हुक़्क़ा पी रहा था। रज्जब ने बाहर से ही सलाम करके कहा– 'दाऊजू, एक बिनती है।'

ठाकुर ने बिना एक रत्ती-भर इधर-उधर हिले-डुले पूछा– 'क्या?'

रज्जब बोला- 'मैं दूर से आ रहा हूँ। बहुत थका हुआ हूँ। मेरी औरत को ज़ोर से बुख़ार आ गया है। जाड़े में बाहर रहने से न जाने इसकी क्या हालत हो जाएगी, इसलिए रात-भर के लिए कहीं दो हाथ जगह दे दी जाए।'

'कौन लोग हो?' ठाकुर ने प्रश्न किया।

'हूँ तो क़साई।' रज्जब ने सीधा उत्तर दिया। चेहरे पर उसके बहुत गिड़गिड़ाहट थी।

ठाकुर की बड़ी-बड़ी आँखों में कठोरता छा गई। बोला– 'जानता है यह किसका घर है? यहाँ तक आने की हिम्मत कैसे की तूने?'

रज्जब ने आशा-भरे स्वर में कहा- 'यह राजा का घर है, इसलिए शरण में आया हुआ हूँ।'

तुरंत ठाकुर की आँखों की कठोरता ग़ायब हो गई। ज़रा नरम स्वर में बोला- 'किसी ने तुम को बसेरा नहीं दिया है।'

'नहीं महाराज', रज्जब ने उत्तर दिया- 'बहुत कोशिश की, परंतु मेरे खोटे पेशे के कारण कोई सीधा नहीं हुआ।' और वह दरवाज़े के बाहर ही, एक कोने से चिपटकर बैठ गया। पीछे उसकी पत्नी कराहती, काँपती हुई गठरी-सी बनकर सिमट गई!

ठाकुर ने कहा- 'तुम अपनी चिलम लिए हो?'

'हाँ, सरकार!' रज्जब ने उत्तर दिया।

ठाकुर बोला- 'तब भीतर आ जाओ, और तमाखू अपनी चिलम से पी लो। अपनी औरत को भीतर कर लो। हमारी पौर के एक कोने में पड़े रहना।'

जब वे दोनों भीतर आ गए तो ठाकुर ने पूछा- 'तुम कब यहाँ से उठकर चले जाओगे?' जवाब मिला- 'अँधेरे में ही महाराज! खाने के लिए रोटियाँ बाँधे हैं, इसलिए पकाने की ज़रूरत न पड़ेगी।'

'तुम्हारा नाम?'

'रज्जब।'

थोड़ी देर बाद ठाकुर ने रज्जब से पूछा- 'कहाँ से आ रहे हो।' रज्जब ने स्थान का नाम बतलाया।

'वहाँ किस लिए गए थे?'

'अपने रोज़गार के लिए।'

'काम तो तुम्हारा बहुत बुरा है।'

'क्या करूँ, पेट के लिए करना ही पड़ता है। परमात्मा ने जिसके लिए जो रोज़गार नियत किया है, वही उसको करना पड़ता है।'

'क्या नफ़ा हुआ?' प्रश्न करने में ठाकुर को ज़रा संकोच हुआ, और प्रश्न का उत्तर देने में रज्जब को उससे बढ़कर।

रज्जब ने जवाब दिया- 'महाराज, पेट के लायक़ कुछ मिल गया है। यों ही।' ठाकुर ने इस पर कोई ज़िद नहीं की।

रज्जब एक क्षण बाद बोला–'बड़े भोर उठकर चला जाऊँगा। तब तक घर के लोगों की तबियत भी अच्छी हो जाएगी।'

इसके बाद दिन-भर के थके हुए पति-पत्नी सो गये। काफ़ी रात गए कुछ लोगों ने एक बँधे इशारे से ठाकुर को बाहर बुलाया। एक फटी-सी रज़ाई ओढ़े ठाकुर बाहर निकल आया।

आगंतुकों में से एक ने धीरे से कहा- 'दाऊजू, आज तो ख़ाली हाथ लौटे हैं। कल संध्या का सगुन बैठा है।'

ठाकुर ने कहा- 'आज ज़रूरत थी। खैर, कल देखा जाएगा।'

'क्या कोई उपाय किया था?'

'हाँ' आगंतुक बोला- 'एक क़साई रुपए की मोट बाँधे इसी ओर आया है। परंतु हम लोग ज़रा देर में पहुँचे। वह खिसक गया। कल देखेंगे। ज़रा जल्दी।'

ठाकुर ने घृणा-सूचक स्वर में कहा- 'क़साई का पैसा न छुएँगे।'

'क्यों?'

'बुरी कमाई है।'

'उसके रुपयों पर क़साई थोड़े ही लिखा है।'

'परंतु उसके व्यवसाय से वह रुपया दूषित हो गया है।'

'रुपया तो दूसरों का ही है। क़साई के हाथ आने से रुपया क़साई नहीं हुआ।'

'मेरा मन नहीं मानता, वह अशुद्ध है।'

'हम अपनी तलवार से उसको शुद्ध कर लेंगे।'

ज़्यादा बहस नहीं हुई। ठाकुर ने सोचकर अपने साथियों को बाहर का बाहर ही टाल दिया।

भीतर देखा, क़साई सो रहा था, और उसकी पत्नी भी।

ठाकुर भी सो गया।

सवेरा हो गया, परंतु रज्जब न जा सका। उसकी पत्नी का बुख़ार तो हल्का हो गया था, परंतु शरीर-भर में पीड़ा थी, और वह एक क़दम भी नहीं चल सकती थी।

ठाकुर उसे वहीं ठहरा हुआ देखकर कुपित हो गया। रज्जब से बोला– 'मैंने ख़ूब मेहमान इकट्ठे किए हैं। गाँव-भर थोड़ी देर में तुम लोगों को मेरी पौर में टिका हुआ देखकर तरह-तरह की बकवास करेगा। तुम बाहर जाओ। इसी समय।'

रज्जब ने बहुत विनती की, परंतु ठाकुर न माना। यद्यपि गाँव-भर उसके दबदबे को मानता था, परंतु अन्य लोकमत दबदबा उसके भी मन पर था। इसलिए रज्जब गाँव के बाहर सपत्नीक एक पेड़ के नीचे जा बैठा, और हिंदू-मात्र को मन-ही-मन कोसने लगा।

उसे आशा थी कि पहर आध-पहर में उसकी पत्नी की तबियत इतनी स्वस्थ हो जाएगी कि वह पैदल यात्रा कर सकेगी। परंतु ऐसा न हुआ, तब उसने एक गाड़ी किराए पर कर लेने का निर्णय किया।

मुश्किल से एक चमार काफ़ी किराया लेकर ललितपुर गाड़ी ले जाने के लिए राज़ी हुआ। इतने में दुपहर हो गई! उसकी पत्नी को ज़ोर का बुखा़र हो आया। वह जाड़े के मारे थर-थर काँप रही थी, इतनी कि रज्जब की हिम्मत उसी समय ले जाने की न पड़ी। गाड़ी में अधिक हवा लगने के भय से रज्जब ने उस समय तक के लिए यात्रा को स्थगित कर दिया, जब तक कि उस बेचारी की कम-से-कम कँपकँपी बंद न हो जाए।

घंटे-डेढ़-घंटे बाद उसकी कँपकँपी तो बंद हो गई, परंतु ज्वर बहुत तेज़ हो गया। रज्जब ने अपनी पत्नी को गाड़ी में डाल दिया और गाड़ीवान से जल्दी चलने को कहा।

गाड़ीवान बोला- 'दिन-भर तो यही लगा दिया। अब जल्दी चलने को कहते हो!'

रज्जब ने मिठास के स्वर में उससे फिर जल्दी करने के लिए कहा। वह बोला- 'इतने किराए में काम नहीं चलेगा। अपना रुपया वापस लो। मैं तो घर जाता हूँ।'

स्पेशल ऑफर के साथ

क़ाजल फुट वेयर

हमारे यहां सभी प्रकार के फुटवेयर उपलब्ध है

कर्जत स्टेशन के पास (वेस्ट)

आशापुरा ज्वैलर्स

सोने-चांदी के गहनों के व्यापारी

शिवाजी रोड, शहाड़ फाटक, उल्हासनहर-४
फोनः ०२५१-२७०९९६२

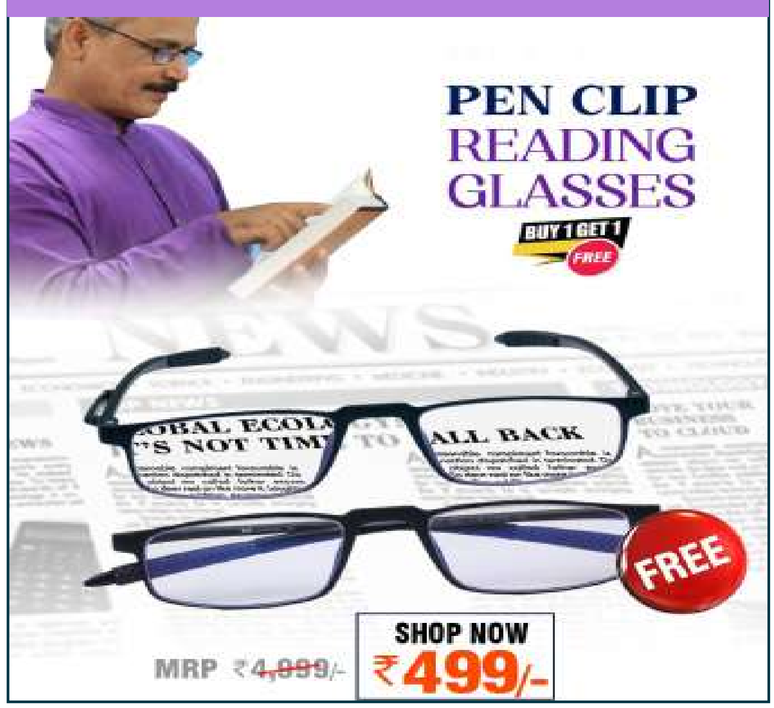

रज्जब ने दाँत पीसे। कुछ क्षण चुप रहा। सचेत होकर कहने लगा– 'भाई, आफ़त सबके ऊपर आती है। मनुष्य मनुष्य को सहारा, देता है, जानवर तो देते नहीं। तुम्हारे भी बाल-बच्चे हैं। कुछ दया के साथ काम लो।'

क़साई को दया पर व्याख्यान देते सुनकर गाड़ीवान को हँसी आ गई।

उसको टस से मस न होता देखकर रज्जब ने और पैसे दिए। तब उसने गाड़ी हाँकी।

पाँच-छः मील चलने के बाद संध्या हो गई। गाँव कोई पास में न था। रज्जब की गाड़ी धीरे-धीरे चली जा रही थी। उसकी पत्नी बुख़ार में बेहोश-सी थी। रज्जब ने अपनी कमर टटोली, रक़म सुरक्षित बँधी पड़ी थी।

रज्जब को स्मरण हो आया कि पत्नी के बुखा़र के कारण अंटी का कुछ बोझ कम कर देना पड़ा है–और स्मरण हो आया गाड़ीवान का वह हठ, जिसके कारण उसको कुछ पैसे व्यर्थ ही दे देने पड़े थे। उसको गाड़ीवान पर क्रोध था, परंतु उसको प्रकट करने की उस समय उसके मन में इच्छा न थी।

बातचीत करके रास्ता काटने की कामना से उसने वार्तालाप आरंभ किया– 'गाँव तो यहाँ से दूर मिलेगा।'

'बहुत दूर, वहीं ठहरेंगे।'

'किसके यहाँ?'

'किसी के यहाँ भी नहीं। पेड़ के नीचे। कल सवेरे ललितपुर चलेंगे।'

'कल को फिर पैसा माँग उठना।'

'कैसे माँग उठूँगा? किराया ले चुका हैं। अब फिर कैसे माँगूगा?'

'जैसे आज गाँव में हठ करके माँगा था। बेटा, ललितपुर होता, तो बतला देता!'

'क्या बतला देते? क्या सेंत-मेंत गाड़ी में बैठना चाहते थे?'

'क्यों बे, क्या रुपए देकर भी सेंत-मेंत का बैठना कहाता है? जानता है, मेरा नाम रज्जब है। अगर बीच में गड़बड़ करेगा, तो नालायक़ को यहीं छुरे से काटकर कहीं फेंक दूँगा और गाड़ी लेकर ललितपुर चल दूँगा।'

रज्जब क्रोध को प्रकट नहीं करना चाहता था, परंतु शायद अकारण ही वह भली भाँति प्रकट हो गया।

गाड़ीवान ने इधर-उधर देखा। अँधेरा हो गया था। चारों ओर सुनसान था। आस-पास झाड़ी खड़ी थी। ऐसा जान पड़ता था, कहीं से कोई अब निकला और अब निकला। रज्जब की बात सुनकर उसकी हड्डी काँप गई। ऐसा जान पड़ा, मानों पसलियों को उसकी ठंडी छुरी छू रही हो।

गाड़ीवान चुपचाप बैल को हाँकने लगा। उसने सोचा–गाँव के आते ही गाड़ी छोड़कर नीचे खड़ा हो जाऊँगा, और हल्ला-गुल्ला करके गाँव वालों की मदद से अपना पीछा रज्जब से छुडाऊँगा। रुपए-पैसे भले ही वापस कर दूँगा, परंतु और आगे न जाऊँगा। कहीं सचमुच मार्ग में मार डाले!

गाड़ी थोड़ी दूर और चली होगी कि बैल ठिठककर खड़े हो गए। रज्जब सामने न देख रहा था, इसलिए ज़रा कड़ककर गाड़ीवान से बोला– 'क्यों बे बदमाश, सो गया क्या?'

अधिक कड़क के साथ सामने रास्ते पर खड़ी हुई एक टुकड़ी में से किसी के कठोर कंठ से निकला... 'ख़बरदार, जो आगे बढ़ा।'

रज्जब ने सामने देखा कि चार-पाँच आदमी बड़े-बड़े लठ बाँधकर न जाने कहाँ से आ गए हैं। उनमें तुरंत ही एक ने बैलों की जुआरी पर एक लठ पटका और दो दाएँ-बाएँ आकर रज्जब पर आक्रमण करने को तैयार हो गए।

गाड़ीवान गाड़ी छोड़कर नीचे जा खड़ा हुआ। बोला... 'मालिक मैं तो गाड़ीवान हूँ। मुझसे कोई सरोकार नहीं।'

'यह कौन है?' एक ने गरजकर पूछा।

गाड़ीवान की घिग्घी बँध गई। कोई उत्तर न दे सका। रज्जब ने कमर की गाँठ को एक हाथ से सँभालते हुए बहुत ही नम्र स्वर में कहा– 'मैं बहुत ग़रीब आदमी हूँ। मेरे पास कुछ नहीं है। मेरी औरत गाड़ी में बीमार पड़ी है। मुझे जाने दीजिए।'

उन लोगों में से एक ने रज्जब के सिर पर लाठी उबारी। गाड़ीवान खिसकना चाहता था कि दूसरे ने उसको पकड़ लिया।

अब उसका मुँह खुला। बोला- 'महाराज, मुझको छोड़ दो। मैं तो किराए से गाड़ी लिए जा रहा हूँ। गाँठ में खाने के लिए तीन-चार आने पैसे ही हैं।'

'और यह कौन है? बतला।' उन लोगों में से एक ने पूछा।

गाड़ीवान ने तुरंत उत्तर दिया- 'ललितपुर का एक क़साई।

रज्जब के सिर पर जो लाठी उबारी गई थी, वह वहीं रह गई। लाठीवाले के मुँह से निकला- 'तुम क़साई हो? सच बताओ!'

'हाँ, महाराज!' रज्जब ने सहसा उत्तर दिया- 'मैं बहुत ग़रीब हूँ। हाथ जोड़ता हूँ मुझको मत सताओ। मेरी औरत बहुत बीमार है। औरत ज़ोर से कराही।

लाठीवाले उस आदमी ने अपने एक साथी से कान में कहा- 'इसका नाम रज्जब है। छोड़ो। चलो यहाँ से।'

उसने न माना। बोला- 'इसका खोपड़ा चकनाचूर करो दाऊजू, यदि वैसे न माने तो। असाई-क़साई हम कुछ नहीं मानते।'

'छोड़ना ही पड़ेगा, उसने कहा– 'इस पर हाथ नहीं पसारेंगे और न इसका पैसा छुएँगे।'

दूसरा वोला- 'क्या क़साई होने के डर से दाऊजू, आज तुम्हारी बुद्धि पर पत्थर पड़ गए हैं। मैं देखता हूँ।' और उसने तुरंत लाठी का एक सिरा रज्जब की छाती में अड़ाकर तुरंत रुपया-पैसा निकाल देने का हुक्म दिया। नीचे खड़े हुए उस व्यक्ति ने ज़रा तीव्र स्वर में कहा– 'नीचे उतर आओ। उससे मत बोलो। उसकी औरत बीमार है।'

'हो, मेरी बला से', गाड़ी में चढ़े हुए लठैत ने उत्तर दिया- 'मैं क़साइयों की दवा हूँ।' और उसने रज्जब को फिर धमकी दी। नीचे खड़े हुए उस व्यक्ति ने कहा– 'ख़बरदार, जो उसे छुआ। नीचे उतरो, नहीं तो तुम्हारा सिर चकनाचूर किए देता हूँ। वह मेरी शरण आया था।'

गाड़ीवान लठैत झख-सी मारकर नीचे उतर आया। नीचे वाले व्यक्ति ने कहा- 'सब लोग अपने-अपने घर जाओ। राहगीरों को तंग मत करो।' फिर गाड़ीवान से बोला– 'जा रे, हाँक ले जा गाड़ी। ठिकाने तक पहुँचा आना, तब लौटना। नहीं तो अपनी खैर मत समझियो। और, तुम दोनों में से किसी ने भी कभी इस बात की चर्चा कहीं की, तो भूसी की आग में जलाकर ख़ाक कर दूँगा।'

गाड़ीवान गाड़ी लेकर बढ़ गया। उन लोगों में से जिस आदमी ने गाड़ी पर चढ़कर रज्जब के सिर पर लाठी तानी थी, उसने क्षुब्ध स्वर में कहा– 'दाऊजू, आगे से कभी आपके साथ न आऊँगा।'

दाऊजू ने कहा– 'न आना। मैं अकेले ही बहुत कर गुज़रता हूँ। परंतु बुंदेला शरणागत के साथ घात नहीं करता, इस बात को गाँठ बाँध लेना।' ■

-वृंदावनलाल वर्मा

3 Austrian Diamond
Jewellery Sets
(3AUD2)
M.R.P. : ₹1,099
Only At
₹499

चीन में मिला दुनिया का सबसे बड़ा स्वर्ण भंडार!

चीन में दुनिया का सबसे बड़ा स्वर्ण भंडार मिला है। खबरों के मुताबिक मध्य चीन में एक विशाल सोने भंडार में १,००० मीट्रिक टन उच्च गुणवत्ता वाला सोना होने का अनुमान है। हुनान प्रांत के खनिज वैज्ञानिकों ने इलाके के पिंगजियांग काउंटी में इस खोज की पुष्टि की है। चीनी सरकारी मीडिया के अनुसार इस भंडार की कीमत ६०० बिलियन युआन यानी लगभग ६,९१,४७३ करोड़ रुपये है। दिलचस्प है कि यह भारत की जीडीपी से दोगुना ज्यादा राशि है। अनुमानित मूल्य के हिसाब से यह दुनिया का सबसे बड़ा स्वर्ण भंडार हो सकता है। इससे पहले दक्षिण अफ्रीका के साउथ डीप माइन में पाए गए ९३० मीट्रिक टन को सबसे बड़ा खदान माना जाता था।

शुरुआती खोज में २ किलोमीटर की गहराई में खरे सोने से भरी ४० शिराएं मिली थी जिनमें लगभग ३०० मीट्रिक टन सोना है। इसके बाद आगे की जांच की गई। ३डी मॉडलिंग से पता चलता है कि और गहराई पर जाएं तक अतिरिक्त भंडार मौजूद हैं। जमीन के लगभग ३ किलोमीटर नीचे तक सोना मौजूद है। इस खोज का चीन के सोने के उद्योग पर बड़ा प्रभाव पड़ेगा। मामले से जुड़े एक अधिकारी ने कहा, 'कई ड्रिल किए गए रॉक कोर में भारी मात्रा में सोना दिखाई दिया।' उन्होंने कहा कि २,००० मीटर की रेंज में एक टन अयस्क में अधिकतम १३८ ग्राम सोना होता है। अधिकारी ने कहा कि वांगू गोल्ड फील्ड में ३डी मॉडलिंग जैसी नई तकनीकों का उपयोग किया गया था। दुनिया के कुछ प्रमुख सोने की खादों की बात करे तो इनमें दक्षिण अफ्रीका का साउथ डीप गोल्ड माइन इंडोनेशिया का ग्रासबर्ग गोल्ड माइन, रूस का ओलंपियाडा गोल्ड माइन, दक्षिण अफ्रीका का मपोनेंग गोल्ड माइन शामिल हैं। भू-विज्ञान ब्यूरो के प्रोसपेक्टर चेन रूलिने ने कहा, 'रॉक कोर में कई ड्रिल किए गए, जिसके बाद स्पष्ट रूप से सोना दिखाई दिया.' वहीं, अधिकारियों ने बताया कि प्रत्येक मीट्रिक टन में करीब १३८ ग्राम या लगभग ५ औंस सोना हो सकता है, जो कि अपेक्षाकृत अधिक है.

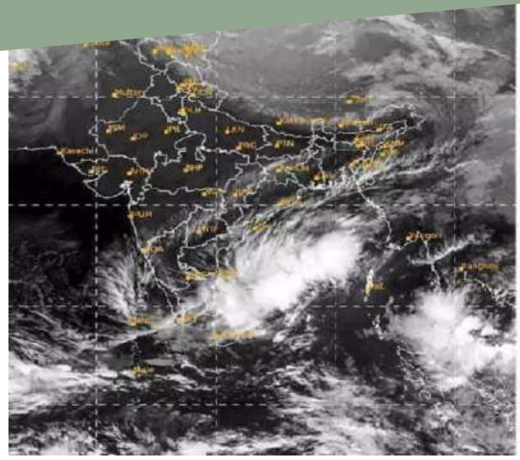

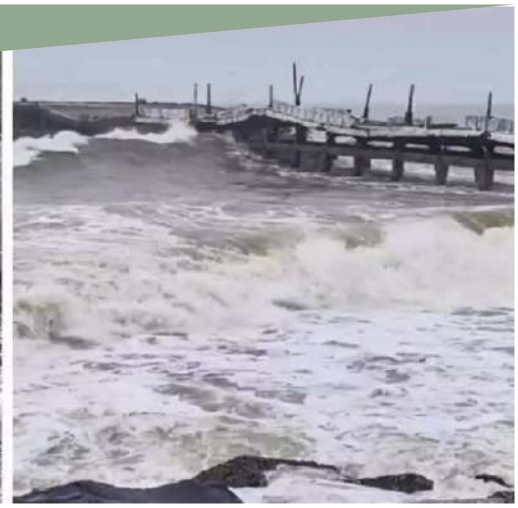

फेंगल तूफान-४ राज्यों में असर, पुडुचेरी में बाढ़ जैसे हालात

फेंगल तूफान से आज भी पुडुचेरी में भारी बारिश होगी। IMD के मुताबिक ३० नवंबर को लैंडफॉल के बाद फेंगल यहीं रुका हुआ है, लेकिन अगले तीन घंटों में धीरे-धीरे कमजोर हो जाएगा। इसके चलते रविवार को भी यहां भारी बारिश का अनुमान जताया गया है। फेंगल के असर से पुडुचेरी में अब तक ४६म्म से ज्यादा बारिश हुई है। फेंगल तूफान शनिवार शाम करीब ५.३० बजे पुडुचेरी के पास पहुंचा था। लैंडफॉल प्रोसेस रात ११.३० बजे तक चला। इसका असर केरल, कर्नाटक, आंध्रप्रदेश में भी नजर आ रहा है।

बात अगर ठंड की करें तो पाकिस्तान से एक डिस्टर्बेंस जम्मू-कश्मीर पहुंच रहा है। जिससे अगले २ दिन में कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी हो सकती है। मध्य प्रदेश में पचमढ़ी में लगातार पारा गिरता जा रहा है। रविवार को यहां तापमान ५.२° रिकॉर्ड किया। इसके अलावा हिमाचल के शिमला में ८.२°, धर्मशाला में ८.४°, मंडी में ५.६°, देहरादून में ९.६° दर्ज किया गया।

फेंगल के असर से केरल में भी हाई टाइड के हालात हैं। समंदर में लहरें ऊंची उठ रहे हैं।

तमिलनाडु के पुडुचेरी में फेंगल का असर सबसे ज्यादा हुआ है। यहां बाढ़ जैसे हालात बने हैं।

दिल्ली पुलिस राजधानी के बाहरी इलाकों में प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों की जांच कर रही है।

सोनमर्ग के जोजिला दर्रे पर बर्फबारी के बाद BRO की टीम बर्फ हटाने का काम कर रही है।

सोनमर्ग के जोजिला दर्रे पर बर्फबारी के बाद BRO की टीम बर्फ हटाने का काम कर रही है।

हिमाचल प्रदेश के मनाली में बर्फ से ढके रोहतांग दर्रे के बीच टूरिस्ट बर्फबारी के नजारे देखने पहुंचे।

हिमाचल प्रदेश के मनाली में बर्फ से ढके रोहतांग दर्रे के बीच टूरिस्ट बर्फबारी के नजारे देखने पहुंचे।

तूफान फेंगल के असर चेन्नई के मरीना बीच पर पानी भर गया।

चेन्नई में बारिश के कारण पानी भर गया। इस बीच एक व्यक्ति बच्चे को पीठ पर लेकर सड़क पार करता नजर आया।

चेन्नई एयरपोर्ट पर फ्लाइट ऑपरेशन रात १ बजे फिर से शुरू हुई। मौसम में सुधार होने के बाद एयरपोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया समेत सभी एयर एजेंसियों ने फ्लाइट्स को सुबह ४ बजे से १ बजे तक फिर से शुरू करने का फैसला किया।

राजस्थानः दिन-रात में सर्दी बढ़ी, जैसलमेर-बाड़मेर में तापमान ३०° से नीचे आया

तापमान में गिरावट होने के साथ रात में सर्दी बढ़ गई है। कोटा, डूंगरपुर, जैसलमेर, जालोर में कल रात का मिनिमम तापमान २ डिग्री तक गिर गया। आज और कल राजस्थान के उत्तरी हिस्सों में कहीं-कहीं हल्का कोहरा छाने की संभावना है। जैसलमेर-बाड़मेर समेत पश्चिमी राजस्थान के जिलों में दिन का तापमान ३० डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज हुआ।

Faces Canada Magneteyes Kajal Duo Pack

Faces Canada Magneteyes Kajal Duo Pack

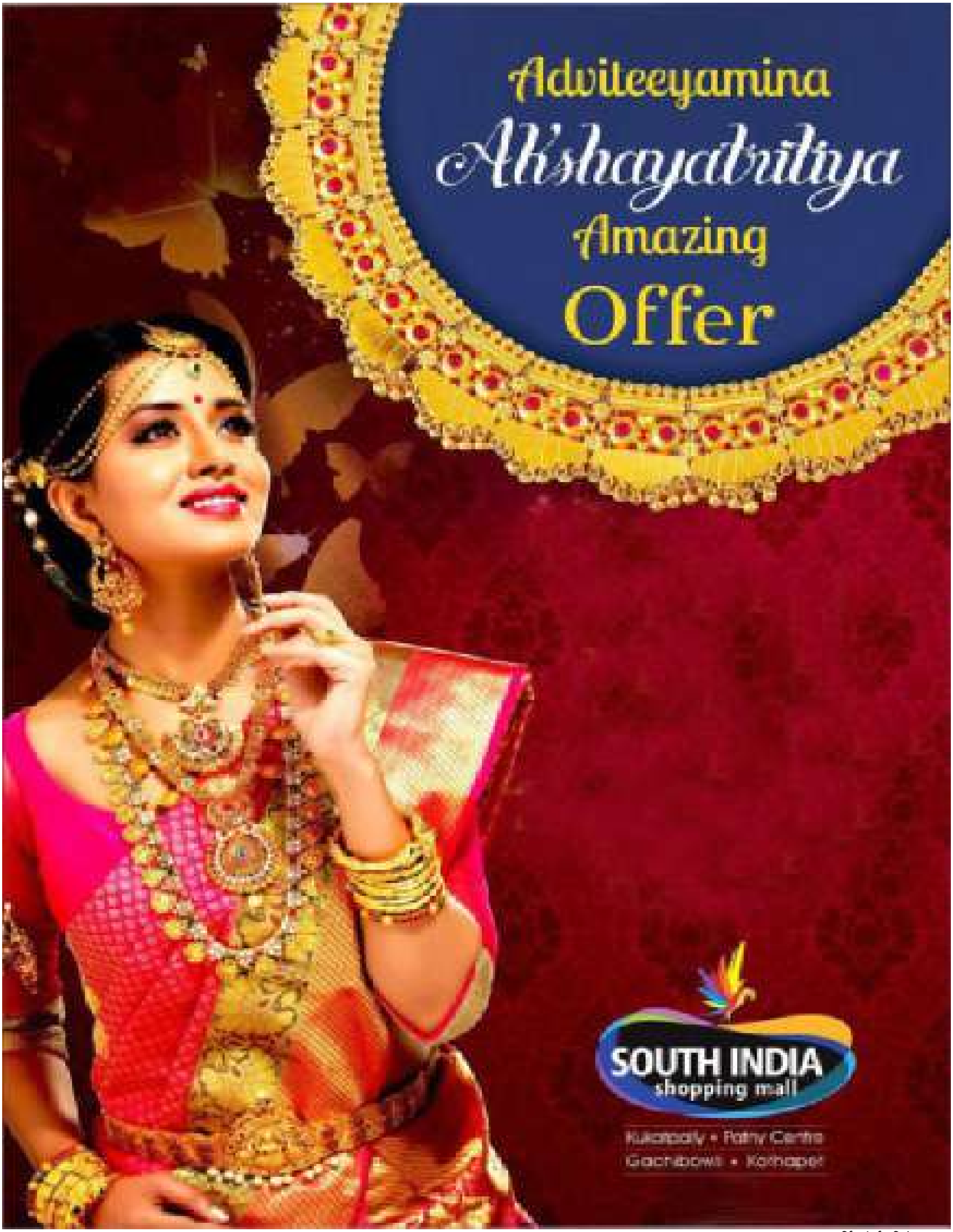
Adviteeyamina
Ak'shayatritya
Amazing
Offer
SOUTH INDIA
shopping mall

SCOTTISH CLUB
PACK OF 5 V NECK T-SHIRT
M.R.P. : ₹2,495/-
OFFER PRICE ₹599

10 BEDSHEET SETS
+ 15 PILLOW COVERS
MEGA COMBO
SHOP NOW
₹1,999/-

NIRLON
12 CAVITY
NON- STICK APPAM PATRA
WITH LONG HANDLE & LID
MRP ₹999/-
SHOP NOW
₹399/-

Easy Go Stylish
LEATHERITE TROLLY BAG
SHOP NOW
₹1,499/-

सरसों की खेती सर्दियों की ऋतु में की जाती हैं। इसके लिए ज्यादा गर्मी में तापमान की आवश्यकता नहीं पड़ती। किसान १५ डिग्री से २५ डिग्री सेल्सियस तक के तापमान में सरसों की खेती कर सकता है। हरियाणा में ज्यादातर स्थानों पर रेतीली मिट्टी पाई जाती है लेकिन वहां भी सरसों की खेती बड़े पैमाने पर अच्छी पैदावार हो सकती है। सरसों की फसल मुख्य रूप से बोई जाने वाली फसल है । सितंबर माह में सरसों की बुवाई शुरू हो जाती है। राजस्थान, हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश में किसान सरसों की फसल की खेती करते हैं। सरसों की फसल को ज्यादा पानी की आवश्यकता नहीं होती।

सरसों की खेती

सरसों की खेती सर्दियों की ऋतु में की जाती हैं। इसके लिए ज्यादा गर्मी में तापमान की आवश्यकता नहीं पड़ती। किसान १५ डिग्री से २५ डिग्री सेल्सियस तक के तापमान में सरसों की खेती कर सकता है। सभी प्रकार के मिट्टी में किसान सरसो की खेती कर सकता है। हरियाणा में ज्यादातर स्थानों पर रेतीली मिट्टी पाई जाती है लेकिन वहां भी सरसों की खेती बड़े पैमाने पर अच्छी पैदावार हो सकती है। लेकिन सबसे अच्छी और उपजाऊ मिट्टी की बात की जाए तो इसके लिए बलुई दोमट मिट्टी सबसे ज्यादा उपयुक्त मानी जाती है ।

सरसों की फसल के लिए कई प्रकार के हाइब्रिड व उन्नत किस्मों के बीज बाजार में उपलब्ध हैं। सरसों की फसल के बीज वैसे तो बहुत महंगे दामों में मिलते हैं । एक या दो एकड़ वाला किसान आसानी से नहीं खरीद सकता । लेकिन किसान यदि फिर भी किसान मेहनत करके सरसों की खेती करता है तो अच्छा मुनाफा कमा सकता है । सरसों की फसल के लिए उन्नत किस्म के बीज विशेष रूप से तैयार किए जाते हैं। किसान इस प्रकार के हाइब्रिड बीजों का प्रयोग करके अच्छी पैदावार में मुनाफा ले सकता है। आर एच ३० यह बहुत ही अच्छी किस्म का बीज है। जिसे किसान शुष्क क्षेत्रों में भी बो सकता हो सकता है। जहां पर पानी की बहुत कमी है वहां पर भी किसान इसे भोकर अच्छी पैदावार ले सकता है। और जहां पर पानी बहुत ज्यादा है वहां भी इस प्रकार के बीज की बुवाई कर के किसान अच्छी पैदावार दे सकता है। इस बीज का प्रयोग दोनों स्थितियों में किया जा सकता है। टी ५९

इसकी उपज असिंचित अवस्था में की जाती है।

इसके ऊपर १५ से १८ किवंटल प्रति एकड़ होती है। इसमें तेल की मात्रा ३६३ होती है। अरावली आर न ३९३ यह सफेद रोली के लिए मध्यम प्रतिरोधी है। एनआरसीएच बी -१०१ । यह सिंचित क्षेत्र के लिए बहुत ही उपयोगी किचन मानी जाती है। इसका उत्पादन २० से २२ क्विंटल प्रति एकड़ दर्ज किया गया है । ऍन आर सी डी आर २ इसका उत्पादन अपेक्षाकृत बहुत अच्छा है । इसका उत्पादन २० से २६ क्विंटल प्रति एकड़ तक माना जाता है । आर एच ७४९ इसका उत्पादन २४ से २६ क्विंटल प्रति एकड़ तक दर्ज किया जा चुका है। बुवाई के लिए शुष्क क्षेत्रों में बीज की मात्रा ४ से ५ किलोग्राम तक और सिंचित क्षेत्र में ३०४ किलोग्राम प्रति हेक्टेयर उपयुक्त माना जाता है।

मौसम और समय

सरसों की खेती के लिए ठंडा और हल्का ठंडा मौसम आदर्श होता है। बुवाई का सबसे अच्छा समय अक्टूबर से नवम्बर तक होता है। यदि आप ग्रीन सरसों उगाना चाहते हैं, तो बुवाई का समय फरवरी से मार्च भी अच्छा होता है।

भूमि की तैयारी

सरसों की खेती के लिए अच्छी जल निकासी वाली मिट्टी सर्वोत्तम होती है। बलुआ मिट्टी, काली मिट्टी और दोमट मिट्टी इसमें उपयुक्त होती हैं। खेत को अच्छी तरह से हल चलाकर उसे सॉइल के स्तर तक समतल करें। खेत में अच्छे से खाद डालें, जैसे कि ८-१० टन गोबर की खाद या कंपोस्ट।

बीज की तैयारी

अच्छे गुणवत्ता वाले बीज का चयन करें। सरसों के बीजों का आकार छोटा होता है और उगने के लिए ३-४ ग्राम बीज प्रति वर्ग मीटर पर्याप्त होते हैं। बीजों को बुवाई से पहले ताम्बी नीम के तेल या सल्फर से उपचारित करें, ताकि बीज रोगों से मुक्त रहें।

बुवाई, सिंचाई

सरसों की बुवाई करने के लिए दो विधियाँ होती हैं:

पंक्तियों में बुवाई (Row planting): ४५-५० सेंटीमीटर की दूरी पर पंक्तियाँ बनाकर बीज बोएं। बीज को १-२ सेंटीमीटर गहरे बोना चाहिए। सरसों को नियमित रूप से सिंचाई की आवश्यकता होती है। बुवाई के बाद पहली सिंचाई १०-१५ दिनों में करें। फूल आने के समय और बीज पकने के समय में सिंचाई की मात्रा बढ़ा सकते हैं, परंतु अधिक पानी की निकासी से बचें।

खाद और उर्वरक

शुरुआती अवस्था में २०-२५ किलो नाइट्रोजन (N), ५० किलो फास्फोरस (P), और २० किलो पोटाश (K) प्रति हेक्टेयर डालें। यदि मिट्टी में सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी हो, तो आवश्यकता अनुसार बोरॉन और जिंक सल्फेट का छिड़काव करें।

सुरक्षा और कीट नियंत्रण

सरसों की फसल में कीट जैसे तितली कीट, कीट भक्षक और सफेद मक्खी का प्रकोप हो सकता है। इनसे बचाव के लिए जैविक या रासायनिक कीटनाशकों का उपयोग करें। फसल को रोगों से बचाने के लिए फसल चक्र और रोटेशन का पालन करें।

कटाई,संग्रहण

सरसों की फसल लगभग ३-४ महीनों में पककर तैयार हो जाती है।जब फसल का रंग हल्का पीला हो और बीज कठोर हो जाएं, तब कटाई करें। इसे हाथ से या मशीन से काटा जा सकता है। कटाई के बाद बीजों को धूप में अच्छे से सूखा लें और फिर उन्हें सूखे स्थान पर संग्रहित करें। सरसों की अच्छी फसल के लिए सही समय पर बीज, सिंचाई, और कीट नियंत्रण का ध्यान रखना जरूरी है।

अगैती फसल के लिए किस तरह करें देखभाल

बुवाई के समय उर्वरक प्रबंधन के लिए खेत में प्रति हेक्टेयर एक क्विंटल सिंगल सुपर फास्फेट, ४० किलो यूरिया और २५ से ३० किलो एमओपी डालें।

खरपतवार को रोकने के लिए बुआई से एक सप्ताह बाद पैंडीमेथलीन का ४०० लीटर पानी में घोल कर छिड़काव करें। एक माह बाद निराई-गुड़ाई की जानी चाहिये।

सिंचाई के लिए खेत की देखभाल करते रहें। बुआई के लगभग ३५ से ४० दिन बाद खेत का निरीक्षण करें। आवश्यकता हो तो सिंचाई करें। उसके बाद एक और सिंचाई फली में दाना आते समय करनी चाहिये ल

`किन इस बात का ध्यान रखना चाहिये कि जब फूल आ रहे हों तब सिंचाई नहीं करनी चाहिये।

पहली सिंचाई के बाद पौधों की छंटाई करनी चाहिये। उस समय किसान भाइयों को इस बात का ध्यान रखना होगा कि लाइन से लाइन की दूरी ४५ सेंटीमीटर और पौधों से पौधों की दूरी २० सेंटी मीटर रहे। इसी समय यूरिया का छिड़काव करें।

खेत की निगरानी करते समय माहू या चेपा कीट के संकेत मिलें तो पांच मिली लीटर नीम के तेल को एक लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।या इमीडाक्लोप्रिड की १०० मिली लीटर मात्रा को २०० लीटर पानी में मिलाकर शाम के समय छिड़काव करें। यदि लाभ न हो तो दस-बारह दिन बाद दुबारा छिड़काव करें। फलियां बनते समय थायोयूरिया २५० ग्राम को २०० लीटर पानी में मिलाकर खेत में छिड़काव करें। जब ७५ प्रतिशत फलियां पीली हो जायें तब कटाई की जाये। पूरी फलियों के पकने का इंतजार न करें वरना दाने चिटक कर गिरने लगते हैं।

सरसों (मस्टर्ड) के बहुत से फायदे और कुछ नुक्सान भी हो सकते हैं।

स्वास्थ्य के लिए फायदेमंदः सरसों के तेल में ओमेगा-३ फैटी एसिड और मोनोअनसैचुरेटेड फैटी एसिड होते हैं, जो दिल के लिए अच्छे होते हैं। यह एंटीऑक्सिडेंट्स से भरपूर होता है, जो शरीर में सूजन को कम करने में मदद करते हैं।

सरसों का तेल त्वचा के लिए अच्छा होता है। यह त्वचा को मॉइस्चराइज करता है और रूखी त्वचा को मुलायम बनाता है। सरसों के बीज में कैल्शियम, फास्फोरस, आयरन और जिंक जैसे खनिज होते हैं, जो हड्डियों को मजबूत बनाते हैं।

पाचन में मददः सरसों के बीज पाचन क्रिया को सुधारते हैं। यह पेट की गैस, कब्ज, और सूजन जैसी समस्याओं को कम करने में मदद करता है। सरसों का तेल शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करता है और संक्रमण से लड़ने में मदद करता है।

वजन घटाने में सहायकः सरसों के बीज में फाइबर होता है, जो पेट को लंबे समय तक भरा हुआ रखता है और भूख को नियंत्रित करता है, जिससे वजन कम करने में मदद मिलती है। सरसों का तेल हृदय के स्वास्थ्य के लिए लाभकारी होता है। यह कोलेस्ट्रॉल के स्तर को नियंत्रित करता है और रक्त परिसंचरण को सुधारता है।

अत्यधिक उपयोग से दुष्प्रभावः अगर सरसों के बीज या तेल का अत्यधिक सेवन किया जाए, तो यह गैस्ट्रिक समस्या, दस्त, और पेट की जलन जैसी समस्याओं का कारण बन सकता है। कुछ लोगों को सरसों के तेल से एलर्जी हो सकती है, जिससे त्वचा पर खुजली, लालिमा और सूजन हो सकती है। यदि आपको सरसों के तेल से एलर्जी हो, तो इसका उपयोग न करें।

गर्भावस्था में सावधानीः

गर्भवती महिलाओं को सरसों का अधिक सेवन नहीं करना चाहिए, क्योंकि यह गर्भाशय की संकुचन प्रक्रिया को उत्तेजित कर सकता है, जो जोखिमपूर्ण हो सकता है।

कमजोर ब्लड प्रेशरः

सरसों के तेल का सेवन रक्तचाप को कम कर सकता है, जिससे कम रक्तचाप वाले व्यक्तियों को समस्या हो सकती है। ऐसे व्यक्तियों को इसका सेवन सावधानी से करना चाहिए।

ज्यादा गरम करनाः

सरसों के तेल को ज्यादा गर्म करने से उसमें स्वास्थ्य के लिए हानिकारक रसायन उत्पन्न हो सकते हैं। इसे हल्के तापमान पर पकाने की सलाह दी जाती है। सरसों का तेल और बीज उपयोग करने से पहले इन बातों का ध्यान रखना महत्वपूर्ण है। अगर आप इसका सही तरीके से उपयोग करते हैं, तो यह आपके स्वास्थ्य के लिए बहुत लाभकारी हो सकता है।

लेखकों से निवेदन

मौलिक तथा अप्रकाशित-अप्रसारित रचनाएँ ही भेजें।
रचना फुलस्केप कागज पर साफ लिखी हुई अथवा शुद्ध टंकित की हुई मूल प्रति भेजें।
ज्यादा लंबी रचना न भेजें।
सामाजिक, राजनीतिक, शैक्षणिक, साहित्यक, स्वास्थ्य, बैंक व व्यवसायिक से संबंधित रचनाएँ आप भेज सकते हैं।
प्रत्येक रचना पर शीर्षक, लेखक का नाम, पता एवं दूरभाष संख्या अवश्य लिखें ; साथ ही लेखक परिचय एवं फोटो भी भेजें।
आप अपनी रचना ई-मेल द्वारा भेज सकते हैं।
रचना यदि डाक द्वारा भेज रहे हैं तो डाक टिकट लगा लिफाफा साथ होने पर ही अस्वीकृत रचनाएँ वापस भेजी जा सकती हैं। अतः रचना की एक प्रति अपने पास अवश्य रखें। स्वीकृत व प्रकाशित रचना का ही उचित भुगतान किया जायेगा।
किसी विशेष अवसर पर आधारित आलेख को कृपया उस अवसर से कम-से-कम एक या दो माह पूर्व भेजें, ताकि समय रहते उसे प्रकाशन-योजना में शामिल किया जा सके।
रचना भेजने के बाद कृपया दूरभाष द्वारा जानकारी न लें। रचनाओं का प्रकाशन योजना एवं व्यवस्था के अनुसार यथा समय होगा।

Add: A-102, A-1 Wing ,Tirupati Ashish CHS. ,
Near Shahad Station Kalyan (W) , Dist: Thane,
PIN: 421103, Maharashtra.
Phone: 9082391833 , 9820820147
E-mail: swarnim_mumbai@yahoo.in,
mangsom@rediffmail.com

राष्ट्रीय हिंदी मासिक पत्रिका

स्वर्णिम मुंबई

RNI NO. : MAHHIN-2014/55532

ADVERTISEMENT TARRIF

No.	Page	Colour	Rate
1.	Last Cover full page	Colour	50,000/-
2.	Back inside full page	Colour	40,000/-
3.	Inside full page	Colour	25,000/-
4.	Inside Half page	Colour	15,000/-
5.	Inside Quater page	Colour	07,000/-
6.	Complimenty Adv.	Colour	03,000/-
7.	Bottam Patti	Colour	2500/-

6 Months Adv. 20% Discount
1 Year Adv. 50% Discount

Mechanical Data: **Size of page:** **290mm x 230mm**

PLEASE SEND YOUR RELEASE ORDER ALONG WITH ART WORK IN PDF & CDR FORMAT

Add: A-102, A-1 Wing ,Tirupati Ashish CHS. , Near Shahad Station Kalyan (W) , Dist: Thane,
PIN: 421103, Maharashtra.
Phone: 9082391833 , 9820820147

RNI NO. : MAHHIN-2014/55532

भारतीय संविधान के निर्माता, विधिवेत्ता,
अर्थशास्त्री एवं शिक्षाविद् 'भारत रत्न'

बाबासाहेब आंबेडकर जी के महापरिनिर्वाण दिवस पर कोटि कोटि नमन